5 अक्टूबर 2026
सोमवार, रायपुर
वर्ष : 26 अंक : 238
पृष्ठ : 12 मूल्य ₹ 2.00
RNI NO. CHH HIN/2001/05596

दैनिक सुप्रभात रायपुर
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी
pratidincg@gmail.com
+91 98060 44444
E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in

रायपुर मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का एक ... 03 पृष्ठ

खेल एशियन गेम-2026 का समापन, परेड... 07 पृष्ठ

व्यापार अमेजन ने अपनी अल्ट्रा-फास्ट ... 08 पृष्ठ

देश ग्रेट इंडियन बस्टर्डस को मिला नया... 9 पृष्ठ

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

अमृतसर में एके-47 राइफल व दो हैंड ग्रेनेड सहित एक गिरफ्तार

चंडीगढ़ (नई दिल्ली

पंजाब के अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक व्यक्ति को एक एके-47 असॉल्ट राइफल (मैगजीन और नौ जिंदा कारतूस सहित) तथा दो हैंड ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार करके अवैध हथियार और विस्फोटक सप्लाई करने वाले एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि पकड़ा गया नवजोत सिंह (28) पेशे से ट्रक ड्राइवर है और तरनतारन के गांव चीमा का रहने वाला है। हथियारों और विस्फोटकों की बरामदगी के अलावा पुलिस टीमों ने उसकी मोटरसाइकिल भी जब्त की है, जिसका इस्तेमाल वह खेपों की सप्लाई के लिए करता था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि वह विदेशी तस्करों से जुड़ा हुआ था और अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में शामिल था। उन्होंने बताया कि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने और इसके आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

सिंगापुर में छत्तीसगढ़ की ग्रीन छलांग, नवा रायपुर में गार्डन्स बाय द बे मॉडल पर मंथन

मुख्यमंत्री साय ने विशेषज्ञों से की मुलाकात, निवेशकों को दिया विकसित छग में साझेदारी का न्योता

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ अब विकास के साथ हरित अर्थव्यवस्था और आधुनिक पर्यटन के क्षेत्र में भी नई संभावनाएं तलाश रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सिंगापुर पहुंचे छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को विश्व प्रसिद्ध 'गार्डन्स बाय द बे' के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर नवा रायपुर में बॉटनिकल गार्डन सहित प्रदेश में शहरी हरियाली, ईको-टूरिज्म और उद्यानिकी के विकास पर सहयोग की संभावनाएं तलाशीं।

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के नामांकन के बाद सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन (सिंग) द्वारा आयोजित प्रथम सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम 2026 में भाग लेने पहुंचे मुख्यमंत्री साय ने सिंगापुर प्रवास के पहले दिन गार्डन्स बाय द बे के जनरल मैनेजर, मास्टर प्लानिंग जेसन येओ और डायरेक्टर लिम चियाप सॉन्ग सहित वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संपदा और जैव विविधता से समृद्ध राज्य है। गार्डन्स बाय द बे की विशेषज्ञता का उपयोग नवा रायपुर में प्रस्तावित बॉटनिकल गार्डन के विकास के साथ-साथ प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर लैंडस्केपिंग तथा हरित क्षेत्रों के विस्तार में किया जा

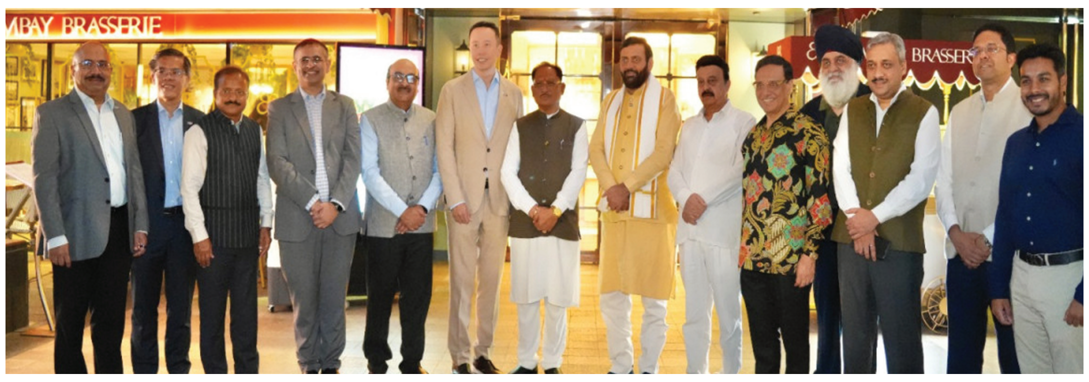

सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से पर्यटन को नई दिशा मिलेगी, पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर भी तैयार होंगे।

छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल को गार्डन्स बाय द बे की मास्टर प्लानिंग, सतत डिजाइन और उद्यान प्रबंधन की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया।

दोनों पक्षों के बीच उद्यानिकी, वनस्पति संरक्षण, शहरी हरियाली, ईको-टूरिज्म और क्षमता विकास के क्षेत्रों में संस्थागत सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

सिंगापुर के उद्योग जगत को निवेश का न्योता

मुख्यमंत्री साय रविवार शाम सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के लीडरशिप डिनर में भी शामिल हुए। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले, एसबीएफ के चेयरमैन मार्क ली और सीईओ कोक पिंग सून समेत उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधि मौजूद रहे। शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका

डिनर में सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के सदस्यों के अलावा मास्टरकार्ड, टाटा कंसल्टेंसी सविर्सेज, नेस्ले और द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ के सात सदस्यीय और हरियाणा के 26 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी में निवेश, व्यापार और दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी के अवसरों पर चर्चा हुई। साय ने निवेशकों से विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में भागीदार बनने का आह्वान करते हुए प्रदेश में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का न्योता दिया।

एशियन गेम्स में स्वर्ण विजेता भारतीय क्रिकेट टीम को भाटिया ने दी बधाई

एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय क्रिकेट टीम को बीसीसीआई संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया ने मिलकर दी बधाई।

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने के पश्चात भारतीय टीम को छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष तथा बीसीसीआई संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह तथा बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया जी भी उपस्थित रहे। श्री भाटिया ने टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर तथा सम्पूर्ण टीम को उनके सराहनीय एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु जमकर सराहा तथा उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की। ज्ञातव्य है कि एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक हेतु खेले गये फाइनल मैच में भारत ने पाकिस्तान को 19 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। ये भारत का लगातार दूसरा एशियन गेम्स स्वर्ण पदक था।

इस अवसर पर भारतीय ओलम्पिक संघ की अध्यक्ष पी टी ऊषा भी उपस्थित रही।

अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए डिप्टी सीएम अरुण साव

अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में सामाजिक एकजुटता और समाजहित पर हुआ मंथन : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

बीड /रायपुर / (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री अरुण साव महाराष्ट्र के बीड में आयोजित अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक और सामान्य सभा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यहां उन्होंने देशभर से आए पदाधिकारियों- प्रतिनिधियों के साथ समाज के विकास और सामाजिक हित पर चर्चा की। मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री साव ने काकू स्मृति स्थल में स्वर्गीय केशरबाई क्षीरसागर 'केशर काकू' को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में समाजहित पर हुआ मंथन

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समाज के वर्तमान

विषयों पर चर्चा की। संगठन की गतिविधियों और सामाजिक हित से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा तैलिक समाज अपने परिश्रम और ईमानदारी की वजह से देश का प्रतिष्ठित और व्यापक समाज है, हमें समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा के क्षेत्र में समाज को प्रभावी रूप से जोर देना चाहिए, उन्होंने आयोजन को लेकर कहा कि, ऐसे मंच संवाद और सहभागिता को मजबूत करते हैं।

सोनाजीराव क्षीरसागर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज परिसर में श्री साव ने स्वर्गीय केशरबाई क्षीरसागर केशर काकू के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

श्री साव ने केशर काकू को समाज के नींव के रूप में स्मरण किया, केशर काकू महाराष्ट्र विधानसभा में विधायक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं, तैलिक समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के दायित्व के दौरान उन्होंने देश भर की इकाईयों को एक छत के नीचे एकजुट कर समाज के उत्थान में हर वर्ग को कैसी अपनी भूमिका निभानी चाहिए इस पर जोर दिय, समाज की महिलाओं को सभी क्षेत्रों में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर समाज के हित में कार्य करने प्रेरित किया।

नेतन्याहू ने पीएम मोदी और भारतीय पायलट को इजरायल के स्वतंत्रता दिवस पर मशाल जलाने के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी, तेल अवीव

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट स्मित मच्छर को अगले साल होने वाले इजराइल के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मशाल जलाने के लिए आमंत्रित किया है। नेतन्याहू ने पायलट की बहादुरी की सराहना करते हुए उन्हें भारत और इजराइल के साहसी लोगों के साथ-साथ पूरी दुनिया का नायक बताया।

नेतन्याहू ने फोन पर बातचीत के दौरान मच्छर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पायलट ने साहस और जिम्मेदारी का परिचय दिया है। इससे पहले दुबई के क्राउन प्रिंस हमदान बिन मोहम्मद भी अस्पताल में भर्ती पायलट से मुलाकात कर उनकी सराहना कर चुके हैं।

बालोद के आदिवासी कन्या छात्रावास का डॉ. वर्णिका शर्मा ने किया औचक निरीक्षण

छात्राओं से संवाद कर शिक्षा पर दिया जोर, व्यवस्थाओं का लिया जायजा : बच्चियों ने बताई मन की बात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने अपने बालोद प्रवास के दौरान आदिम जाति विकास विभाग द्वारा संचालित शासकीय पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास, बालोद का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए छात्राओं से संवाद किया और उनकी आवश्यकताओं एवं सुविधाओं की जानकारी ली। बच्चियों ने ट्यूशन टीचर, कंप्यूटर एवं लाइब्रेरी की पूरजोर मांग की।

निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने छात्रावास में निवासरत छात्राओं से बातचीत करते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सभी छात्राएं अच्छे से शिक्षा ग्रहण कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करें तथा देश और प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने छात्राओं से उनकी

पढ़ाई, रहन-सहन और छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी ली।

डॉ. शर्मा ने छात्रावास के बालिका कक्षों, बाथरूम तथा सेनेटरी वेंडिंग मशीन का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्राओं के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास अधीक्षिका सहित संबंधित अधिकारियों को छात्रावास में आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने तथा सभी सुनिश्चित सुविधाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने छात्रावास में छात्राओं की सुरक्षा, स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। साथ ही छात्राओं की आवश्यकताओं को गंभीरता से लेते हुए उनकी समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन तोमन साहू सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुपोषण और आत्मीयता से महका सारंगढ़

आंगन मिलन' समारोह में पहुंचे मंत्री टंक राम वर्मा और गजेंद्र यादव गर्भवती माताओं की गोदभराई कर बांटे पोषण किट

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सेवा संकल्प अभियान के तहत सारंगढ़ के झारियापारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित 'आंगन मिलन सेवा समारोह' मातृ-शिशु स्वास्थ्य, सुपोषण और सामाजिक सरोकार के अनूठे रंगों में रंगा नजर आया। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा और स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने विशेष रूप से शिरकत कर आंगनबाड़ी के बच्चों और माताओं के बीच आत्मीय समय बिताया। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों का जायजा लिया और समुदाय को स्वास्थ्य व सुपोषण के प्रति जागरूक किया।

समारोह के दौरान जब परंपरागत रीति-रिवाज से गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म निभाई गई, तो माहौल मंगलमय हो

उठा।मंत्री श्री वर्मा और मंत्री श्री यादव ने स्वयं गोदभराई की रस्म में शामिल होकर माताओं को शुभकामनाएं दीं और उन्हें पोषण किट भेंट किए। मंत्रियों ने उपस्थित महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि गर्भावस्था के दौरान स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखना और शिशु के जन्म के बाद उसके समुचित पोषण की देखभाल करना पूरे परिवार की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों की मौजूदगी ने हर किसी का दिल जीत लिया। दोनों मंत्रियों ने बच्चों के बीच बैठकर उनसे पढ़ाई, खेल-कूद और आंगनबाड़ी की दैनिक गतिविधियों के बारे में सहजता से बातचीत की। बच्चों ने भी उत्साह के साथ अतिथियों का स्वागत किया, जिससे पूरे आंगनबाड़ी केंद्र का वातावरण आनंदमयी और आत्मीयता से भर उठा। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य सामग्रियों और पारंपरिक व्यंजनों की एक आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका मंत्रियों ने अवलोकन कर विभिन्न खाद्य पदार्थों के पोषण मूल्य की जानकारी ली।

सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्य और नवाचार से ही जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है : राज्यपाल डेका

तकनीक का उपयोग मानवता और समाज के हित में करें, एआई व डीपफेक के प्रति रहें सजग

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका आज रोल- बोल सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित 'रोल बोल यूथ कॉन्क्लेव-2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्यों, नवाचार और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग को जीवन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया।

मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यपाल श्री डेका ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जीवन में सकारात्मकता बहुत आवश्यक है। हमें हमेशा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। नकारात्मक सोच के साथ सफलता प्राप्त करना कठिन है। उन्होंने कहा कि 'रोल-बोल-रेस्ट ऑफ लाइफ,

बेस्ट ऑफ लाइफ' जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने और अपने साथ-साथ दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने की सोच का संदेश देता है।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि जो हो गया, उसे पीछे छोड़कर और भविष्य की अनावश्यक चिंता किए बिना वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमारे जीवन की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि हमने कितने अच्छे संबंध बनाए हैं और परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों तथा पड़ोसियों के साथ हमारे संबंध कैसे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि हार को भी स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हार हमें कठिन परिश्रम करने और अगली बार बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि आज इंटरनेट और तकनीक ने पूरी दुनिया को हमारी पहुंच में ला दिया है। गूगल के माध्यम से बहुत-सी जानकारियां आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं, लेकिन युवाओं में मौलिक सोच, मानसिक अभ्यास और स्वयं खोज करने की क्षमता विकसित होना भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि नई खोज, नवाचार और नई संभावनाओं को तलाशने की क्षमता मानव जीवन की विशेषता है। विज्ञान और तकनीक ने जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन किए हैं और इसका प्रमुख आधार निरंतर नवाचार है। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि मानव जीवन को बेहतर बनाना भी है। तकनीक का विकास निरंतर जारी रहेगा, लेकिन उसका उपयोग समाज और मानवता के हित में होना चाहिए।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला-रायपुर (छ.ग.)

क्रं./ 57 / न.पा.नि./ निर्वाचन / 2026-27/ बीरगांव, दिनांक 28/09/2026

// मैन्युअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना //

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा निम्नानुसार कार्य हेतु इच्छुक पात्र फर्मों से पंजीकृत डॉक / स्पीड पोस्ट से तीन लिफाफा पद्धति में सीलबंद निविदाएं आमंत्रित हैं:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि रु. लाख में
2	नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2026 से संबंधित कार्यों हेतु किराए पर अस्थायी टेण्ट व्यवस्था, टेबल, कुर्सी, अस्थाई विद्युतीकरण, फूलों की स्वागत माला व सजावट कार्य, साउण्ड सिस्टम, डी.जी. सिस्टम, फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी इत्यादि टेंट संबंधी कार्य (सामग्री एवं लेबर सहित)	8.00

निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि 21.10.2026 अपरान्ह 3.00 बजे तक। प्राप्त निविदाओं को खोलने की तिथि 21.10.2026 सायं 4.00 बजे। निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com अथवा संचालनालय की बेबसाईट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

आयुक्त

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र/ /अ-6/2025-26

रायपुर, दिनांक 21/09/2026

ग्राम- गोगांव, प.ह.नं.- 50,
तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री महेश कर्रे पिता स्व.श्री प्रीत लाल कुर्रे निवासी पुरानी बस्ती, गोगांव, रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर आवेदन पत्र में आवेदक के पिता श्री प्रीतलाल कुर्रे पिता कार्तिक राम कुर्रे के स्वामित्व एवं आधिपत्य में ग्राम गोगांव प.ह.नं. 50, रा. नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित खसरा 189/6, रकबा 0.0380 हे. भूमि धारित की जाती है। आवेदक के पिता श्री प्रीतलाल कर्रे पिता कार्तिक राम कुर्रे की मृत्यु दिनांक 11.08.2012, हो चुकी है मृतक भूमिस्वामी की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न है जिनके विधिक वारिसान में 01. श्रीमती आरग बाई कर्रे पति स्व. प्रीतलाल कुर्रे 02. उत्तरी माण्लेकर (पुत्री) 03. रमेश कुर्रे (पुत्र) 04. विजय कुमारी (पुत्री) 05. महेश कुर्रे (पुत्र) सभी पिता स्व. प्रीतलाल कुर्रे ही है इनके अलावा अन्य कोई वारिसान नहीं है अत: मृतक भूमिस्वामी का नाम राजस्व अभिलेखों से विलोपित कर राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु आवेदक का निवेदन है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 6/10/2026 को होगी।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 6/10/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21/9/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

कमांक / /अ-6/2025-26

रायपुर, दिनांक 29/09/2026

ग्राम रायपुर खास प. ह.नं. 62,
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक राजेन्द्रधर दीवान पिता स्व. शिवकुमार धर दीवान निवासी ग्राम जरौदा उमरिया तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम रायपुर खास प.ह.नं. 62 रा.नि.म. रायपुर 12 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1106/7 एवं 1106/8 रकबा क्रमशः 0.0160 हे. एवं 0.0160 हे कुल रकबा 0.0320 हे. भूमि आवेदक एवं अनावेदकगण की माता शंकुतला बाई पति शिवकुमार के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। खातेदार शंकुतला बाई पति शिवकुमार की मृत्यु दिनांक 04/04/2000 को हो चुकी है, जिनके विधिक वारिसान राजेन्द्रधर दीवान, संतोष दीवान, मृदुला तिवारी सभी पिता स्व. शिवकुमार धर दीवान है, इसके अतिरिक्त अन्य कोई वारिसान नहीं है। अत: उक्त आवेदित भूमि से मृतक खातेदार का नाम विलोपित का विधिक वारिसानो के नाम पर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 14/10/2026 को उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/09/20206 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर मैं जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ के शहरी गरीबों के पक्के आवास अभियान को राष्ट्रीय पहचान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार शहरी गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के अपने पक्के घर के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन तथा विकास मंत्री अरुण साव के सतत मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन को नई गति मिली है। राज्य के आवास प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान मिली है। छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) पुरस्कार-2026 समारोह में सम्मान ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) पुरस्कार-2026 समारोह 5 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित होगा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी-सह-राज्य मिशन संचालक, पीएमएवाई (शहरी) सुमित अग्रवाल छत्तीसगढ़ की ओर से इसमें सहभागिता करेंगे।

अबूझमाड़ में बदलाव की नई इबारत-जहां 15 साल रहा सुरक्षा कैंप, अब वहीं संवर रहा आदिवासी बच्चों का भविष्य

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ में बदलाव की एक नई और उम्मीद जगाने वाली तस्वीर सामने आई है। नारायणपुर जिले के भाटपाल में जिस परिसर में करीब 15 वर्षों तक सुरक्षा बलों का कैंप संचालित होता रहा, आज उसी परिसर में दूरस्थ आदिवासी गांवों के बच्चे रहकर अपने बेहतर भविष्य की तैयारी कर रहे हैं।

बस्तर संभाग में अपनी तरह की इस पहली पहल के तहत पुराने सुरक्षा कैंप को जनजातीय विद्यार्थियों के छात्रावास और शिक्षा से जुड़े केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। कभी सुरक्षा और शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला यह परिसर अब शिक्षा, अवसर और नई पीढ़ी के भविष्य निर्माण का आधार बन गया है।

यह केवल किसी पुराने भवन का नया उपयोग नहीं, बल्कि उस बदलते अबूझमाड़ की कहानी है, जहां विकास की प्राथमिकताएं सुरक्षा से आगे बढ़कर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, आजीविका और नई पीढ़ी के लिए अवसरों के विस्तार तक पहुंच रही हैं।

जहां सुरक्षा थी प्राथमिकता, अब शिक्षा बन रही नई पहचान

नारायणपुर जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर भाटपाल का यह परिसर लंबे समय तक सुरक्षा बलों का महत्वपूर्ण ठिकाना रहा। करीब 15 वर्षों तक यहां सुरक्षा बल तैनात रहे। क्षेत्र में परिस्थितियां बदलने के बाद परिसर खाली हुआ तो जिला प्रशासन ने इसे अनुपयोगी छोड़ने के बजाय बच्चों की शिक्षा से जोड़ने का निर्णय लिया।

कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन की पहल पर इस परिसर को उन जनजातीय विद्यार्थियों के लिए छात्रावास के रूप में विकसित किया गया, जो दूरस्थ और दुर्गम गांवों से पढ़ने आते हैं। लंबी दूरी और आवास की सुविधा नहीं होने के कारण ऐसे विद्यार्थियों के लिए नियमित पढ़ाई जारी रखना आसान नहीं था।

11 अगस्त 2026 से यहां विद्यार्थियों के लिए आवासीय व्यवस्था शुरू की गई। इसके साथ ही जिस परिसर की पहचान कभी सुरक्षा कैंप के रूप में थी, उसकी भूमिका पूरी तरह बदल गई। एक ही परिसर में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के बच्चों को सहारा भाटपाल के पूर्व सुरक्षा कैंप परिसर में वर्तमान में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए दो छात्रावास संचालित किए जा रहे हैं। प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास में कक्षा 6वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 100 सीटें स्वीकृत हैं। वर्तमान में यहां 114 विद्यार्थी रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों से आने वाले इन बच्चों को विद्यालय के समीप सुरक्षित आवास मिलने से उनकी नियमित शिक्षा की राह आसान हुई है।

इसी परिसर में पोस्ट-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास भी संचालित किया जा रहा है। इसमें कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए 50 सीटें स्वीकृत हैं और वर्तमान में 39 विद्यार्थी निवासरत हैं। यह व्यवस्था एजुकेशन सिटी कुतुल से संबद्ध विद्यार्थियों की आवासीय आवश्यकता को भी पूरा कर रही है। विशेष रूप से पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास की शुरुआत उन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही है, जिन्हें दसवीं के बाद आगे की पढ़ाई के लिए विद्यालय के आसपास निजी आवास तलाशना पड़ता था। इससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता था। अब छात्रावास मिलने से उन्हें सुरक्षित आवास के साथ पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण भी मिल रहा है।

स्कूल सिर्फ 50 मीटर दूर, दूरी की बड़ी बाधा हुई कम

दूरस्थ गांवों के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की राह में केवल स्कूल में प्रवेश लेना ही चुनौती नहीं होती। लंबी दूरी, परिवहन और रहने की व्यवस्था भी उनकी नियमित पढ़ाई को प्रभावित करती है। भाटपाल की नई व्यवस्था ने इस समस्या का व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किया है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भाटपाल छात्रावास से महज 50 मीटर की दूरी पर है। इससे विद्यार्थियों को रोज लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं पड़ती और वे अपना अधिक समय पढ़ाई में लगा पा रहे हैं।

प्री-मैट्रिक से पोस्ट-मैट्रिक तक आवासीय सुविधा उपलब्ध होने से बच्चों की पढ़ाई को निरंतर बनाए रखने में भी मदद मिल रही है।

जुड़े आवास, समृद्ध वन्यजीवन प्रकृति संरक्षण के आह्वान के साथ वन्यजीव सप्ताह का शुभारंभ

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

वन्यजीवों की सुरक्षा की शुरुआत उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा से होती है। कलिंगा विश्वविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह 2026 के उद्घाटन समारोह में यही संदेश प्रमुखता से उभरा। इस वर्ष की थीम जुड़े आवास, समृद्ध वन्यजीवन (Connecting Habitats, Thriving Wildlife) ने विद्यार्थियों को स्वस्थ प्राकृतिक आवासों, जैव विविधता और मानव कल्याण के बीच संबंधों को समझने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के रायपुर वन मंडल द्वारा कलिंगा विश्वविद्यालय के ग्रीन क्लब एवं प्राणीशास्त्र विभाग के सहयोग से किया गया। इसमें पाँच शासकीय विद्यालयों और तीन महाविद्यालयों के कुल 160 विद्यार्थियों ने भाग लिया। वन अधिकारियों और शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने संरक्षण के महत्व को समझा और व्यावहारिक गतिविधियों में सहभागिता की।

इस वर्ष की थीम प्राकृतिक आवासों के बीच संपर्क बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करती है। वन, आर्द्रभूमियाँ और अन्य हरित क्षेत्र वन्यजीवों को भोजन, आश्रय तथा प्रजनन स्थल उपलब्ध कराते हैं, जबकि वन्यजीव गलियारे उन्हें एक आवास से दूसरे आवास तक आने-जाने का मार्ग देते हैं। वन्यजीवों के अस्तित्व और समृद्धि के लिए इन संपर्कों की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है।

मुख्य अतिथि तरुण तिवारी, उपमंडल अधिकारी, छत्तीसगढ़ वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में मानवङ्कवन्यजीव सहअस्तित्व से जुड़े प्रसंग भी साझा किए और विद्यार्थियों को वन्यजीवों तथा उनकी आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए प्रेरित किया। वन विभाग के अधिकारियों ने एक पेड़ माँ के नामफ़ अभियान का संदेश भी दिया। उन्होंने प्रतिभागियों से अपनी माताओं के सम्मान में एक पेड़ लगाने और उसकी देखभाल करने का आह्वान किया, ताकि वे पर्यावरण को हरा-भरा बनाने में योगदान दे सकें।

कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. श्रीधर ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता के साथ जिम्मेदार व्यवहार और प्रकृति की सुरक्षा के लिए ठोस प्रयास भी आवश्यक हैं। उद्घाटन सत्र के बाद ओरिगामी, पक्षियों के घोंसले बनाने और बीज गोलियाँ तैयार करने की कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों को रचनात्मक तरीके से संरक्षण के संदेश से जुड़ने का अवसर दिया। ओरिगामी कार्यशाला में प्रतिभागियों ने कागज से रंग-बिरंगी तितलियाँ, मछलियाँ, मेंढक और हंस बनाए। घोंसला निर्माण कार्यशाला में विद्यार्थियों ने पर्यावरण-अनुकूल प्राकृतिक सामग्रियों से तीन प्रकार के घोंसले तैयार किए और विभिन्न पक्षी प्रजातियों की आश्रय संबंधी आवश्यकताओं को समझा। बीज गोली निर्माण कार्यशाला में विद्यार्थियों को सीड बॉल तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया तथा वनीकरण में उनके महत्व से परिचित कराया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने वन्यजीव संरक्षण को हरित क्षेत्रों की सुरक्षा और पुनर्स्थापना से जोड़कर समझा। कार्यक्रम ने स्पष्ट संदेश दिया कि समृद्ध वन्यजीवन के लिए स्वस्थ और परस्पर जुड़े प्राकृतिक आवास आवश्यक हैं। युवाओं को इन संबंधों को समझने और अपने आसपास की प्रकृति की देखभाल करने के लिए प्रेरित करते हुए आयोजन ने संरक्षण के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता विकसित करने का प्रयास किया।

नेक्स्ट- जेनरेशन जीएसटी और भारत के विकास का अगला चरण

(लेखिका केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री हैं)

श्रीमती निर्मला सीतारमण

विकसित भारत बनने के भारत के संकल्प के लिए एक ऐसी अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है जिसमें हर स्तर और आकार के उद्यम फल-फूल सकें, चाहे उनकी शुरुआत कहीं से भी हुई हो। पिछले बारह वर्षों में हमारी सरकार ने इन अनुकूल परिस्थितियों के निर्माण के लिए निरंतर कार्य किया है। वर्ष 2017 में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू होने से अप्रत्यक्ष कराधान के लिए एक साझा राष्ट्रीय ढांचा स्थापित हुआ। नेक्स्ट- जेनरेशन का जीएसटी (Ne&t-Gen GST) नौ वर्षों के क्रियान्वयन तथा करदाताओं और रायों के अनुभवों के आधार पर इसी प्रयास को आगे बढ़ाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी की परिकल्पना दो परस्पर जुड़े उद्देश्यों के साथ की गई थी: कर दरों को कम व तर्कसंगत बनाना और अनुपालन को अधिक सरल बनाना। दरों में किए गए संशोधन 22 सितंबर 2025 से प्रभावी हुए। प्रक्रियात्मक सुधारों का अगला चरण शीघ्र ही जीएसटी परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। सम्मिलित रूप से, इन प्रयासों का उद्देश्य परिवारों को राहत देना, व्यवसायों को अधिक निश्चितता प्रदान करना और करदाताओं के लिए एक ऐसी प्रणाली सुनिश्चित करना है जिसमें वे बिना किसी अनावश्यक कठिनाई के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

राय इस पूरी यात्रा में बराबर के साझेदार रहे हैं। वे परिषद में अपनी प्राथमिकताओं और अनुभवों को लेकर आए, निर्णयों को आकार देने में सहयोग किया और उनके क्रियान्वयन का दायित्व संभाला। मैं इस प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार व्यक्त करती हूँ। जीएसटी की प्रगति प्रत्येक सरकार के उत्तरदायित्वों का सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने की इसी तत्परता पर टिकी है।

इसके परिणाम विश्वास को सुदृढ़ करते हैं। अक्टूबर 2025 से जुलाई 2026 के बीच, दर्ज की गई कर-योग्य आपूर्ति के मूल्य में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 25.8ब की वृद्धि हुई। कर दरों की हल्की संरचना के साथ-साथ दर्ज आर्थिक गतिविधियों में भी व्यापक विस्तार देखा गया है। यह उस सुधार के लिए एक अत्यंत उत्साहवर्धक आधार है जिसका उद्देश्य उद्यमों और सार्वजनिक वित्त दोनों को संबल प्रदान करना है।

यह सुदृढ़ता हालिया राजस्व आंकड़ों में स्पष्ट दिखाई देती है। अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 12.46 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 11.6ब अधिक है। जून से सितंबर तक के प्रत्येक महीने में वार्षिक आधार पर दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की गई; इन चार महीनों का कुल संग्रह मिलकर लगभग 15ब की गति से बढ़ा। कर वापसी (रिफंड) के बाद शुद्ध संग्रह में भी इस छमाही के दौरान 10.4ब की वृद्धि हुई। इस प्रकार, करदाताओं को दी गई राहत और विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों में वृद्धि साथ-साथ हुई है।

इस विस्तार का दायरा उसके पैमाने जितना ही महत्वपूर्ण है। सभी 11 क्षेत्रक समूहों और सभी प्रमुख रायों में दर्ज कर-योग्य आपूर्ति में वृद्धि देखी गई। भारत जैसी विविध अर्थव्यवस्था में यह व्यापक प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक हिस्सों में होने वाली यह वृद्धि अधिक से अधिक व्यवसायों को विस्तार लेते बाज़ारों में भाग लेने का अवसर देती है, और इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न मांग, निवेश तथा रोज़गार से अधिकाधिक समुदायों को लाभान्वित करती है।

सुधार के बाद की अवधि की तुलना में उपभोक्ताओं को की गई प्रत्यक्ष बिक्री (बी2सी) में भी 26.7% की बढ़ोतरी हुई। जब कर राहत का प्रभाव कीमतों में दिखाई देता है, तो परिवारों के पास अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने या बचत करने के लिए अधिक गुंजाइश होती है। उपभोक्ता राहत और उद्यम विकास आपस में गहराई से जुड़े हैं: परिवारों की क्रय शक्ति व्यवसायों द्वारा दी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की मांग को बनाए रखती है। इसका लाभ परिवार से लेकर खुदरा विक्रेता, आपूर्तिकर्ता और उत्पादक तक सभी तक पहुंचता है।

लघु और मध्यम उद्यमों के लिए एक राष्टीय बाज़ार तभी सार्थक होता है जब वह उनके स्थानीय परिवेश से परे ग्राहकों तक पहुँचने का व्यावहारिक मार्ग प्रशस्त करे। द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों के व्यवसायों को स्थानीय स्तर पर निवेश और रोज़गार जारी रखते हुए ऐसे संबंध बनाने में सक्षम होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर, इन शहरों में विस्तार करने वाले उद्यम स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं और वितरकों के लिए नए अवसर सृजित कर सकते हैं। जीएसटी का साझा ढांचा इन कड़ियों को सुदृढ़ करता है; और सरल प्रशासनिक व्यवस्था को इन्हें बनाए रखना और भी सहज बनाना होगा।

इस व्यवस्था में सहभागिता अत्यंत व्यापक रही है। अगस्त के अंत तक केंद्र और राय क्षेत्राधिकारों के अंतर्गत कुल जीएसटी पंजीकरण लगभग 1.71 करोड़ तक पहुंच गए, जो एक वर्ष पहले की तुलना में लगभग 15ब अधिक हैं। अप्रैल-जुलाई 2026 की कर अवधियों के लिए, निर्धारित तिथि तक दाखिल किए गए जीएसटीआर-3बी रिटर्न पिछले वर्ष की समान अवधियों की तुलना में 12.6ब अधिक थे। ये सुधार प्रशासन पर एक समान दायित्व भी डालते हैं: नियमित अनुपालन को विश्वसनीय सेवा, स्पष्ट मार्गदर्शन और समस्याओं के समयबद्ध समाधान द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए।

इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) की कार्यप्रणाली इस अनुभव का एक अन्य महत्वपूर्ण हिस्सा है। सुधार-उपरांत आंकड़े दर्शाते हैं कि इनपुट टैक्स क्रेडिट के माध्यम से चुकाई गई कर देयता का अनुपात बढ़ा है, जबकि कर-योग्य आपूर्ति के सापेक्ष संचित क्रेडिट में कमी आई है। यह उन व्यवसायों के लिए उत्साहवर्धक है जो पात्र क्रेडिट के प्रभावी उपयोग पर निर्भर करते हैं। किसी छोटे उद्यम के लिए उसकी कार्यशील पूंजी ही यह तय करती है कि वह कितनी सुगमता से कचा माल खरीद सकता है, कोई ऑर्डर पूरा कर सकता है और अगला काम हाथ में ले सकता है।

कर वापसी (रिफंड) भी उतनी ही प्रासंगिक है। अप्रैल-सितंबर के दौरान लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये की धनराशि रिफंड के रूप में लौटाई गई। व्यवसायों के प्राप्य बकाये को वापस लौटाना एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली का अनिवार्य अंग है। इस प्रक्रिया में अधिक निश्चितता और पूर्वानुमेयता उद्यमों को अधिक आत्मविश्वास के साथ खरीद और उत्पादन की योजना बनाने में सहायता करेगी। किसी करदाता को देय रिफंड प्राप्त होने का अनुभव प्रशासनिक दक्षता का एक प्रमुख पैमाना होता है।

रायों की राजस्व स्थिति भी अधिक सुदृढ़ हुई है। इस वर्ष अप्रैल-सितंबर के दौरान एकीकृत माल और सेवा कर (आईजीएसटी) निपटान में उनके हिस्से सहित रायों की कुल एसजीएसटी प्राप्तियों में लगभग 16ब की वृद्धि हुई। ये संसाधन बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं में निवेश को गति प्रदान करते हैं, जिससे परिवारों और उद्यमों को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बेहतर परिवेश मिलता है। इस प्रकार, ये लाभ एक-दूसरे को सशक्त बनाते हैं: परिवारों को मिलने वाली राहत मांग को बढ़ावा देती है, उद्यम आर्थिक गतिविधियों को सुदृढ़ करते हैं, और सार्वजनिक राजस्व विकास को निरंतर बनाए रखने में सहायक होता है।

यह अनुभव भविष्य में किए जाने वाले कार्यों को भी रेखांकित करता है। एक विकासशील प्रणाली को इस बात के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए कि छोटे प्रतिभागियों पर इसका कितना आर्थिक व समय संबंधी भार पड़ता है। उनका समय और संसाधन सीमित होते हैं। रिटर्न दाखिल करने, क्रेडिट या रिफंड की व्यवस्था में प्रत्येक सुधार से ऐसे संसाधनों की अधिक से अधिक बचत होनी चाहिए, ताकि उनका उपयोग व्यवसाय के संचालन और विस्तार में किया जा सके।

7 अक्टूबर को जीएसटी परिषद के समक्ष रखे जाने वाले प्रस्ताव रायों के साथ निरंतर विचार-विमर्श और समन्वय के माध्यम से तैयार किए गए हैं। ये प्रस्ताव अनुपालन में लगने वाले समय और लागत को कम करने के उद्देश्य से पंजीकरण, रिटर्न, रिफंड, विवादों के निपटारे और इनपुट टैक्स क्रेडिट के सुगम प्रवाह से जुड़े हैं। करदाताओं का अनुभव ही इसके क्रियान्वयन का मुख्य मार्गदर्शक बना रहना चाहिए।

जीएसटी की बढ़ती परिपक्वता हमें सुधारों के अगले चरण के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करती है। स्पष्टता, निश्चितता और करदाता के प्रति सम्मान की यही प्रतिबद्धता प्रत्यक्ष करों से जुड़े हमारे कार्य को भी दिशा देती है। एक भरोसेमंद कर प्रणाली उद्यमों को अपने तात्कालिक दायित्वों से आगे बढ़कर योजना बनाने तथा ऐसे अवसरों में निवेश करने में सक्षम बनाती है जिनके फलने-फूलने में समय लगता है। वे चाहे कहीं भी कार्य कर रहे हों, उन्हें यह भरोसा दिलाना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप एक विकसित भारत की आर्थिक शक्ति के निर्माण में सहायक सिद्ध होता है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का एक वर्ष -850 गांवों में पहली बार पहुंची नियमित बस सेवा

बस्तर-सरगुजा के दुर्गम अंचलों में आवागमन की नई राह, 13 जिलों के 106 मार्गों पर दौड़ रहीं 107 बसें

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचलों और दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों को सुरक्षित, सुलभ और नियमित यात्री परिवहन से जोड़ने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना ने अपने संचालन का एक वर्ष पूरा कर लिया है। 04 अक्टूबर 2025 को जगदलपुर से शुरू हुई इस योजना के माध्यम से आज बस्तर और सरगुजा संभाग के 13 जिलों में 106 चयनित मार्गों पर 107 बसों का संचालन किया जा रहा है। इन बसों ने ऐसे 850 गांवों तक नियमित यात्री बस सेवा पहुंचाई है, जहां पहले यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी।

एक वर्ष में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना की बसों ने लगभग 24 लाख किलोमीटर का सफर तय किया है। वर्तमान में ये बसें प्रतिदिन लगभग 17,500 किलोमीटर चल रही हैं। योजना के अधिसूचित मार्गों की कुल लंबाई करीब 5,300 किलोमीटर है। इन मार्गों की लंबाई 14 किलोमीटर से 105 किलोमीटर तक है और अधिकांश मार्गों पर प्रतिदिन दो ट्रिप संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने योजना के एक वर्ष पूर्ण होने पर कहा कि सुदूर गांव में रहने वाले नागरिक को भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बाजार और प्रशासनिक सेवाओं तक सहज पहुंच का समान अवसर मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना इसी सोच को धरातल पर उतार रही है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी नियमित यात्री बस नहीं पहुंचती थी, वहां आज ग्रामीण तय समय पर सुरक्षित बस से स्कूल, अस्पताल, हाट–बाजार, ब्लॉक और जिला मुख्यालय तक पहुंच रहे हैं। यह केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि दूरस्थ अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का माध्यम है। 34 बसों से हुई थी शुरुआत, एक वर्ष में संख्या बढ़कर 107

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का शुभारंभ 04 अक्टूबर 2025 को जगदलपुर में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में पर बस सेवा शुरू की गई थी और करीब 250 गांवों को इससे जोड़ा गया था। एक वर्ष के भीतर इसका दायरा तेजी से बढ़ा है। अब 106 मार्गों पर 107 बसें संचालित हो रही हैं और पहली बार नियमित बस सुविधा से जुड़े गांवों की संख्या बढ़कर 850 हो गई है।

योजना के प्रथम चरण में बस्तर और सरगुजा संभाग को शामिल किया गया है। बस्तर संभाग में 51 मार्गों पर 50 बसें तथा सरगुजा संभाग में 55 मार्गों पर 57 बसें संचालित हैं।

बस्तर संभाग के सुकमा जिले में 8 मार्गों पर 9 बसें, दंतेवाड़ा में 7 मार्गों पर 7 बसें, बीजापुर में 11 मार्गों पर 11 बसें, में 4 मार्गों पर 4 बसें, बस्तर में 5 मार्गों पर 5 बसें, कांकेर में 12 मार्गों पर 12 बसें और कोंडागांव में 8 मार्गों पर 9 बसें चल रही हैं।

छोटेडोंगर और कोहकामेटा के सेवा सेतु शिविरों में 331 ग्रामीण हुए लाभान्वित

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के दूरस्थ एवं आकांक्षी जिले नारायणपुर में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक सीधे पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रशासनिक मुस्तैदी का एक सशक्त और सराहनीय रूप देखने को मिला। कलेक्टर के संवेदनशील मार्गदर्शन में जिले के छोटेडोंगर और कोहकामेटा में ब्लॉक स्तरीय सेवा सेतु शिविरों का आयोजन संपन्न हुआ। ग्रामीणों को अपने छोटे–बड़े शासकीय कार्यों के लिए दूर न जाना पड़े, इसी सोच के साथ आयोजित इन शिविरों ने एक ही छत के नीचे विभिन्न विभागों की सेवाओं का संगम स्थापित किया, जहाँ दिन भर में कुल 331 ग्रामीणों को सीधे लाभान्वित कर प्रमाण–पत्र और स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। छोटेडोंगर में आयोजित शिविर में प्रशासनिक मुस्तैदी का माहौल रहा, जहाँ कुल 199 हितग्राहियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया। यहाँ सबसे भावुक और खुशी का क्षण वह रहा जब प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 35 परिवारों को उनके सपनों के पक्के मकान की चाबियां सौंपी गईं। इसके साथ ही राजस्व विभाग ने 47 मामलों का निपटारा किया, जबकि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने राशन कार्ड से जुड़े 39 प्रकरणों को हल करते किए। कृषि विभाग ने फसल बीमा से जुड़े 11 किसानों को प्रमाण–पत्र सौंपे, श्रम विभाग ने 5 श्रमिकों को उनके कार्ड दिए और उद्यानिकी विभाग ने भी हितग्राहियों को लाभान्वित किया।

गुणवत्ताहीन निर्माण और भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच के लिए लोक निर्माण विभाग ने जांच समिति गठित की

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

लोक निर्माण विभाग ने राजनांदगांव–खैरागढ़ मुख्य मार्ग के नवीनीकरण एवं उन्नयन कार्य तथा राजनांदगांव–मोहला–मानपुर सड़क परियोजनाओं में कथित गुणवत्ताहीन निर्माण और भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों की समिति बनाई है। समिति निर्माण कार्यों के विभिन्न पहलुओं और शिकायत की जांच कर तीन दिनों में प्रमुख अभियंता को रिपोर्ट सौंपेगी। जांच समिति में मुख्य अभियंता व्ही.एस. कोरम, अधीक्षण अभियंता राजीव नशीने तथा कार्यपालन अभियंता प्रभात सक्सेना और सी.एस. ओगरे शामिल हैं।

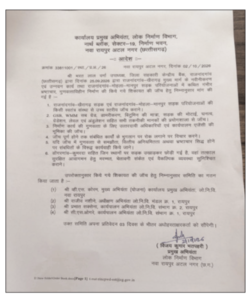

इन बिंदुओं पर जांच करेगी समिति

लोक निर्माण विभाग द्वारा गठित जांच समिति राजनांदगांव–खैरागढ़ सड़क एवं राजनांदगांव–मोहला–मानपुर समिति निर्माण कार्य की गुणवत्ता के लिए उत्तरदायी अधिकारियों एवं कार्यपालन एजेंसी की भूमिका, जांच पूर्ण होने तक संबंधित कार्यों के भुगतान पर रोक लगाने पर विचार करने, गुणवत्ता से समझौता, वित्तीय अनियमितता या भ्रष्टाचार सिद्ध होने पर संबधितों के विरूद्ध कार्यवाही तथा डोंगरगांव–कुमरदा सहित जिन स्थानों पर सड़क उखाड़कर छोड़ी गई है, वहां तत्काल सुरक्षित आवागमन हेतु मरम्मत, चेतावनी संकेत एवं वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंध में अपनी रिपोर्ट देगी।सड़क परियोजनाओं की किसी स्वतंत्र संस्था से उच्च स्तरीय जाँच कराने, जीएसबी (त्वस्क्र), डब्लूएमएम (ङ्घरूरू) सब–ग्रेड, डामरीकरण, बिटुमिन की मात्रा, सड़क की मोटाई, घनत्व, ग्रेडेशन, लेवल एवं अंडुलेशन सहित सभी तकनीकी मानकों की प्रयोगशाला से जांच जैसी बिंदुओं पर जांच करेगी। समिति निर्माण कार्य की गुणवत्ता के लिए उत्तरदायी अधिकारियों एवं कार्यपालन एजेंसी की भूमिका, जांच पूर्ण होने तक संबंधित कार्यों के अनियमितता या भ्रष्टाचार सिद्ध होने पर संबधितों के विरूद्ध कार्यवाही तथा डोंगरगांव–कुमरदा सहित जिन स्थानों पर सड़क उखाड़कर छोड़ी गई है, वहां तत्काल सुरक्षित आवागमन हेतु मरम्मत, चेतावनी संकेत एवं वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंध में अपनी रिपोर्ट देगी।

वीबी- जीरामजी योजना से 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अंतर्गत धूमा में बना प्रथम बालिका शौचालय

गांधी जयंती पर बेटियों को मिली स्वच्छता, स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़ी नई सुविधा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छता और बेटियों के सम्मान का संदेश देते हुए धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड की ग्राम पंचायत धूमा में 'मेरी बेटीङ्कमेरा अभिमान' अभियान के अंतर्गत प्रथम बालिका शौचालय का उद्घाटन किया गया। विकसित भारतङ्करोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी–जी राम जी योजना के अंतर्गत निर्मित यह शौचालय राज्य में चल रहे 'मेरी बेटीङ्कमेरा अभिमान' अभियान को जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

गुलाबी रंग से सजे नव–निर्मित बालिका शौचालय के उद्घाटन के दौरान छोटी बच्चियों ने भी हाथों में इसी संदेश वाली तख्तियां लेकर स्वच्छता, सुरक्षा और बेटियों के सम्मान का संदेश दिया। ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और बच्चों की भागीदारी ने गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को विशेष बना दिया। 6 अगस्त को शुरू हुआ था 'मेरी बेटीङ्कमेरा अभिमान' अभियान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 6 अगस्त 2026 को वीबी–जी राम जी के अंतर्गत राज्यव्यापी 'मेरी बेटीङ्कमेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया था। अभियान 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के 6,671 शासकीय विद्यालयों में लगभग 286.85 करोड़ रुपए की लागत से बालिका शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण विद्यालयों में पढ़ने वाली बालिकाओं को सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता और गरिमा के अनुकूल वातावरण तैयार करना है। निर्माण से उद्घाटन तक, धूमा में लगातार हुई निगरानी

धूमा का यह बालिका शौचालय एक दिन में तैयार हुई पहल नहीं है। विकसित भारत–जी राम जी के आयुक्त एवं प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के संचालक तारन प्रकाश सिन्हा ने भी अपने कुरूद विकासखंड के भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत धूमा पहुंचकर बालिका शौचालय के निर्माण कार्य का मैदानी निरीक्षण किया था। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति देखने के साथ कार्य में लगे श्रमिकों से मजदूरी भुगतान की जानकारी भी ली थी और अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए थे। करीब एक महीने बाद गांधी जयंती के अवसर पर इसका उद्घाटन अभियान के उद्देश्य को धरातल पर उतरते हुए दिखाता है। 'मेरी बेटीङ्कमेरा अभिमान' अभियान के तहत शासन का मिशन है कि 26 जनवरी 2027 तक राज्य के हर स्कूल में बालिकाओं के लिए शौंचालय सुनिश्चित हो।

पॉवर कंपनी के जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा को राष्ट्रीय राजभाषा गौरव सम्मान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंधक (जनसंपर्क) विकास शर्मा को ऊर्जा क्षेत्र के विकास पर केंद्रित शोध परक पुस्तक लेखन एवं संपादन के लिए राष्ट्रीय राजभाषा गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली के स्कोप कन्वेंशन सेंटर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय राजभाषा सम्मेलन में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।

सम्मान समारोह में राज्यसभा सांसद डॉ. नरेश बंसल, रबींद्र नाथ टैगोर यूनिवर्सिटीज के कुलाधिपति डॉ. संतोष चौबे, सम्मेलन के संयोजक डॉ अजीत पाठक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

3 और 4 अक्टूबर को आयोजित सम्मेलन में राजभाषा कार्यान्वयन, हिंदी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हिंदी पत्रकारिता, हिंदी में शोध तथा गैर–हिंदीभाषी राज्यों में राजभाषा के प्रयोग जैसे विषयों पर विमर्श हुआ। सम्मेलन में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, सेल, नालको और एनएमडीसी सहित प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों समेत निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

शर्मा को छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्षेत्र की विकास यात्रा पर केंद्रित 'सफलता का सफरनामा' पुस्तक के संकलन ,लेखन एवं संपादन के लिए पूर्व में पॉवर कंपनी के प्रबंध निदेशक पदक से सम्मानित किया जा चुका है। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया ने इस पुस्तक को राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय पुरस्कार भी प्रदान किया है।

रायपुर नगर पालिक निगम 5 अक्टूबर

टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत नगर निगम ने मुख्य मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करवाकर कब्जाधारियों से कुल 12 सौ ई चालान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर रायपुर जिला प्रशासन एवं जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के मुख्य मार्गो को कब्जामुक्त करवाने चलाये जा रहे टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत आज रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के जोन क्रमांक 4 क्षेत्र में बैजनाथपारा चौक से एवरग्रीन चौक तक मुख्य बाजार मार्ग को जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से कब्जामुक्त करवाने अभियान नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़न दस्ता की टीम द्वारा रायपुर पुलिस कमिश्नरेट यातायात पुलिस प्रशासन के सहयोग से चलाया गया और मुख्य बाजार मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करवाकर नागरिकों को सुगम यातायात कायम कर त्वरित राहत दिलवाई गयी. टीम प्रहरी द्वारा अभियान के अंतर्गत बैजनाथपारा चौक से एवरग्रीन चौक तक मार्ग पर कब्जा जमाने वाले सम्बंधित व्यवसायियों को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए तत्काल 12500 रूपये का ई चालान वसूला गया.

सेवा सेतु शिविर सरकार आपके द्वार के तहत पण्डित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु शिविर सरकार आपके द्वार अंतर्गत विधानसभा स्तरीय आयोजन रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पण्डित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में दिनांक 5 प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रखा गया है. छत्तीसगढ़ शासन सेवा सेतु शिविर सरकार आपके द्वार आयोजन रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर क्षेत्र के अंतर्गत रहवासी नागरिकों की सुविधा के लिए सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा सेतु शिविर सरकार आपके द्वार आयोजन किया गया है।

जोन स्तरीय सेवा संकल्प शिविर में पहुँचे रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 के कार्यालय में महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन स्तरीय सेवा संकल्प शिविर जोन अंतर्गत सभी 7 वार्डो के रहवासी नागरिकों की सुविधा हेतु उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर उनका प्रशासनिक तौर पर त्वरित निदान करने लगाया गया. जोन 4 कार्यालय में लगाए गए जोन स्तरीय सेवा संकल्प शिविर में रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी सम्मिलित हुए. रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने जोन 4 अधिकारियों को जोन अंतर्गत सभी वार्डो के रहवासी नागरिकों को सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य जनसमस्याओं को

गंभीरता से सुनकर जनसमस्याओं का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया जाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया रायपुर दक्षिण विधायक ने जोन 4 अधिकारियों को वार्डवासी नागरिकों को केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ शासन की सभी लोककल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्रता अनुसार नागरिकों को लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया. जोन 4 कार्यालय में लगाए गए जोन स्तरीय सेवा संकल्प शिविर में रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, ब्राम्हणपारा वार्ड के पार्षद अजय साहू और नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी, कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह सहित जोन 4 के अन्य सम्बंधित जोन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही. बड़ी संख्या में वार्डवासी नागरिकों ने जोन 4 जोन कार्यालय में पहुंचकर जोन स्तरीय सेवा संकल्प शिविर में अपनी जनसमस्याओं से अधिकारियों को अवगत करवाया और उन जनसमस्याओं का जोन कार्यालय द्वारा त्वरित निदान प्राप्त किया.

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत यतियतनलाल वार्ड क्रमांक 4 क्षेत्र का किया औचक निरीक्षण

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत यतियतनलाल वार्ड क्रमांक 4 क्षेत्र के अंतर्गत भनपुरी में चल रहे राज्य लोक निर्माण विभाग और नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 द्वारा निर्माणाधीन विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया.

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने भनपुरी में रायपुर नगर निगम जोन 1 एवं राज्य लोक निर्माण विभाग के सम्बंधित अधिकारियों की बैठक लेकर रायपुर ग्रामीण विधानसभा विकास कार्यों को तत्काल गतिमान कर सतत मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महादेव घाट में 21 करोड़ की लागत से बनने वाली नवीन पुल से पहले सर्विस रोड तैयार करने के निर्देश

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लेने के लिए आज विधायक राजेश मूणत ने संबंधित अधिकारियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मूणत माधवराव सप्रे वार्ड एवं संत रविदास वार्ड की गलियों में एक्टिवा से पहुंचकर निर्माणाधीन सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्यों तथा प्रस्तावित विद्युत पोलों की स्थिति का जायजा लिया। दोनों वार्डों में लगभग ?5 करोड़ की लागत से सीसी रोड एवं नाली निर्माण का कार्य किया जा रहा है, वहीं क्षेत्र में लगभग 150 विद्युत पोल लगाए जाने हैं। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि सड़क एवं नाली निर्माण से संबंधित कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि निर्माण का वास्तविक लाभ क्षेत्र के नागरिकों को मिले।

विद्युत पोल लगाए जाने से क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था को भी बेहतर पहुंचकर विकास कार्यों की निगरानी, प्रगति तक सीमित न रखते हुए मैदानी स्तर पर उनकी गुणवत्ता और उपयोगिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 05 अक्टूबर 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

एसआईआर और पढ़ाई

देश भर में वोटर लिस्टों में संशोधन के उद्देश्य से चलाये जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानी एसआईआर आज प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों से कड़ी जांच के दायरे में हैं। करोड़ों नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने के आरोप भी लगे हैं। राजनीतिक प्रतिरोध मुखर होने के बाद अब भारत के चुनाव आयोग ने राज्यों के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे उन इलाकों में छूट गए और नये वोटरों को शामिल करने के लिये विशेष अभियान चलाएं, जहां लिस्ट में सुधार का काम पूरा हो चुका है। निस्संदेह, स्पेशल इंटेंसिव रिविजन का दायरा बहुत बड़ा है। देश में आजकल इसका तीसरा चरण चल रहा है। जिसके चलते छात्रों की पढ़ाई में आ रहे व्यवधान से समस्या जटिल हो गई है। देश में बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर यानी बीएलओ सरकारी स्कूलों के शिक्षक हैं। जिनके एसआईआर में लगे होने के कारण छात्रों की पढ़ाई पर खासा प्रतिकूल असर पड़ रहा है। मसलन, कर्नाटक में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्र मिड-टर्म परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वजह स्पष्ट है कि उनके शिक्षक पिछले तीन महीनों से स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के कार्य में ड्यूटी कर रहे हैं। जिसके चलते नियमित कक्षाएं नहीं चल पायी हैं। इसी तरह महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से भी ऐसी ही व्यवधान की खबरें आ रही हैं। दरअसल, शिक्षक अपना काफी समय वोटर वेरिफिकेशन, मीटिंग और आंकड़े जुटाने में लगा रहे हैं। बताते हैं कि मुंबई के एक स्कूल के 34 में से 24 शिक्षक बीएलओ की ड्यूटी कर रहे हैं। ऐसे में अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि छात्रों की पढ़ाई किस हद तक प्रभावित हो रही होगी। इसमें दो राय नहीं है कि पारदर्शी लोकतंत्र के लिये वोटर लिस्ट में सुधार करना निश्चित रूप से जरूरी है। मकसद यही है कि कोई योग्य वोटर न छूट जाए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश के सरकारी स्कूल पहले से ही अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। शिक्षा की गुणवत्ता और पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में छात्रों के दाखिले प्रभावित हो रहे हैं। बताते हैं कि देश में करीब एक लाख स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। वहां छात्रों की पढ़ाई का स्तर क्या होगा, इस बात का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे वातावरण में सवाल यह है कि आने वाले दिनों में छात्रों की पढ़ाई को प्रभावित किए बिना एसआईआर का कार्य किया जा सकता है? निस्संदेह, स्पेशल इंटेंसिव रिविजन का कार्य अपने आप में लोकतंत्र में पारदर्शिता के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण कार्य है। लेकिन वहीं दूसरी ओर एक तथ्य सर्वविदित भी है कि 'शिक्षा के अधिकार अधिनियम' की धारा 27 शिक्षकों को पढ़ाई-लिखाई के अलावा अन्य कामों में लगाने से रोकती है। लेकिन इसके साथ ही चुनाव प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण कामों, जैसी कुछ खास स्थितियों में इसकी इजाजत दी जा सकती है। दिल्ली हाईकोर्ट ने पिछले दिनों इस बात पर बल दिया है कि स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के काम को शिक्षकों पर असहनीय बोझ नहीं बनने दिया जाना चाहिए।

कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी ने टाली बड़ी हवाई त्रासदी

कैप्टन मच्छार की बहादुरी को लेकर भारत में भी भावनात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। उत्तर प्रदेश के कुंडा क्षेत्र से विधायक रघुराज प्रताप सिंह, जिन्हें राजा भैया के नाम से भी जाना जाता है, ने उनकी बहादुरी की प्रशंसा करते हुए एक महत्वपूर्ण सुझाव रखा। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे बहादुर विमान चालक को सम्मानपूर्वक भारतीय सेना में विमान चालक के पद पर नियुक्त किया जाए तो यह गर्व की बात होगी। उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व से इस विषय पर विचार करने का आग्रह किया। यह फिलहाल एक राजनीतिक नेता द्वारा किया गया सुझाव है, कोई सरकारी

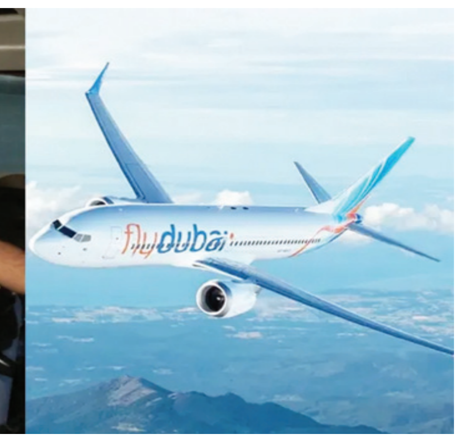

महेन्द्र तिवारी

आसमान में उड़ता हुआ विमान सामान्यत: यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा और मंजिल तक पहुंचने का भरोसा लेकर चलता है। विमान के भीतर बैठे लोग यह कल्पना भी नहीं करते कि कुछ ही क्षणों में वही यात्रा जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष में बदल सकती है। 30 सितंबर 2026 को दुबई से तेल अवीव जा रहे एक विमान में कुछ ऐसा ही हुआ। उड़ान के दौरान ऐसी भयावह स्थिति पैदा हुई, जिसमें विमान में सवार लोगों की जान पर गंभीर खतरा मंडराने लगा। उस समय भारतीय विमान चालक कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस साहस, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया, उसकी चर्चा भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक हिस्सों में हो रही है। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान संख्या एफजेड1073 में लगभग 174 यात्री सवार थे। विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था। उड़ान के दौरान विमान में कार्यरत सह-पायलट ने कथित तौर पर कैप्टन स्मित मच्छार पर चाकू से हमला किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमले के बाद विमान की स्थिति अचानक गंभीर हो गई और वह कुछ ही क्षणों में लगभग 14000 फुट नीचे चला गया। इस घटना ने विमान में मौजूद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को भारी संकट में डाल दिया। सबसे कठिन स्थिति यह थी कि जिस व्यक्ति के हाथ में विमान की सुरक्षित उड़ान की जिम्मेदारी थी, उसी पर हमला कर दिया गया था। कैप्टन मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया। उपलब्ध विवरण के अनुसार, उन्होंने घायल अवस्था में भी विमान के नियंत्रण और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। उन्होंने कक्ष का दरवाजा खोलने में सफलता प्राप्त की, जिसके बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने मिलकर हमलावर को काबू करने में मदद की। विमान में मौजूद दो अन्य विमान चालकों ने भी स्थिति संभालने में सहायता की। अंतत: विमान को सऊदी अरब के तबूक हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। इस पूरी घटना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि संकट के उस क्षण में कैप्टन मच्छार ने केवल अपने जीवन की चिंता नहीं की। उनके सामने विमान में बैठे सैकड़ों लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी। एक विमान चालक के लिए सामान्य परिस्थितियों में भी निर्णय लेना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, लेकिन जब स्वयं चालक घायल हो, विमान असामान्य स्थिति में हो और कुछ ही क्षणों में बड़ा हादसा हो सकता हो, तब निर्णय लेने की क्षमता की वास्तविक परीक्षा होती है। कैप्टन मच्छार ने इसी परीक्षा में असाधारण धैर्य दिखाया। घटना के बाद कैप्टन मच्छार को तबूक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। भारतीय अधिकारियों के अनुसार वह गंभीर रूप से घायल हुए थे, लेकिन उनका उपचार किया जा रहा था और उनकी स्थिति सुरक्षित बताई गई। उनकी बहादुरी की प्रशंसा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी की। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कैप्टन मच्छार के साहस की सराहना करते हुए उन्हें सच्चा नायक बताया।

कैप्टन स्मित मच्छार का विमानन क्षेत्र में लंबा अनुभव भी इस घटना के संदर्भ में उल्लेखनीय है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार वह मुंबई के घाटकोपर क्षेत्र से हैं और इससे पहले स्पाइसजेट में कार्य कर चुके हैं। जून 2022 में वह फ्लाईदुबई से जुड़े थे। उनके पास बोइंग 737 विमानों को उड़ाने का लगभग 9750 घंटे का अनुभव बताया गया है। इतने लंबे अनुभव ने निश्चित रूप से उन्हें कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की व्यावसायिक क्षमता प्रदान की होगी, लेकिन केवल अनुभव से उस क्षण का साहस नहीं समझाया जा सकता। घायल होने के बावजूद यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना उनके कर्तव्यबोध को भी सामने लाता है। इस घटना की एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि यात्रियों ने भी संकट के समय असाधारण सहयोग किया। विमान के भीतर उत्पन्न खतरे को केवल चालक दल ने ही नहीं संभाला, बल्कि यात्रियों ने भी हमलावर को काबू करने में मदद की। इससे पता चलता है कि आपात स्थिति में सामूहिक सहयोग कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। एक व्यक्ति की बहादुरी ने रास्ता बनाया, लेकिन उसके बाद कई लोगों के सहयोग ने स्थिति को नियंत्रण में लाने में भूमिका निभाई। इस घटना को केवल एक व्यक्ति की कहानी मानना पूरी तस्वीर को छोटा कर देना होगा। यह साहस, प्रशिक्षण, जिम्मेदारी और सामूहिक सहयोग की कहानी भी है। घटना के बाद विमान सुरक्षित रूप से तबूक पहुंचा और यात्रियों को आगे उनकी मंजिल तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। उपलब्ध समाचारों के अनुसार सभी यात्री सुरक्षित रहे। जिस स्थिति में विमान हजारों फुट नीचे आ गया था, उसमें सुरक्षित अवतरण अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। विमान की आपात स्थिति और उसके बाद हुई घटनाओं की जांच संबंधित अधिकारियों द्वारा की जा रही है। इसलिए सह-पायलट की वास्तविक मंशा, हमले का कारण और घटना के पीछे की पूरी परिस्थितियों के बारे में अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा। राजा भैया की मांग को एक सम्मानजनक सुझाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि किसी घोषित सरकारी फैसले के रूप में। कैप्टन मच्छार की कहानी हमें यह भी याद दिलाती है कि किसी पेशे की असली परीक्षा तब होती है, जब सामान्य परिस्थितियां अचानक असामान्य हो जाएं। विमान चालक के लिए यात्रियों की सुरक्षा केवल नौकरी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। कैप्टन मच्छार ने जिस परिस्थिति में अपना संयम बनाए रखा, उसमें उनके सामने अपने जीवन का खतरा भी था और विमान में सवार लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी। ऐसे समय में भय स्वाभाविक है, लेकिन भय के बावजूद जिम्मेदारी निभाना ही साहस का वास्तविक अर्थ है। इस घटना के संदर्भ में कैप्टन मच्छार के कुछ पुराने विचार भी उल्लेखनीय हैं। विमानन क्षेत्र से जुड़ी एक रिपोर्ट में उनके पूर्व कथनों का उल्लेख किया गया है, जिनमें उन्होंने यात्रियों के सुरक्षित विमान से बाहर निकलने को अपनी प्राथमिकता बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि कठिन परिस्थितियों में यात्रियों से संवाद बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। आज जब उनकी अपनी उड़ान में असाधारण संकट आया, तब उनके व्यवहार में भी यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की वही भावना दिखाई दी। आकाश में घटित यह घटना कई सवाल भी छोड़ गई है। विमान में चालक दल की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए? यदि चालक दल के किसी सदस्य से ही अचानक खतरा उत्पन्न हो जाए तो ऐसी परिस्थिति से निपटने के लिए क्या अतिरिक्त व्यवस्थाएं होनी चाहिए? आपातकालीन प्रशिक्षण में ऐसी घटनाओं को किस तरह शामिल किया जाना चाहिए? इन प्रश्नों का उत्तर संबंधित विमानन संस्थाओं और जांच एजेंसियों को देना होगा। घटना की जांच से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर विमानन सुरक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जा सकते हैं। फिलहाल सबसे बड़ी बात यह है कि एक बेहद कठिन परिस्थिति में विमान सुरक्षित रूप से जमीन पर पहुंचा और उसमें सवार यात्रियों की जान बच गई।

पितर पक्ष : स्मरण से आगे कृतज्ञता और संस्कारों को जीवित रखने का पर्व

पूर्वजों का सम्मान केवल परंपरा नहीं, बल्कि अपनी जड़ों को पहचानने और आने वाली पीढ़ियों को संस्कार देने का माध्यम है : अधिवक्ता देव प्रसाद जोशी

देवप्रसाद जोशी (अधिवक्ता)
छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर

पितरों को याद करना क्यों आवश्यक है?

समय के साथ परिवार छोटे होते जा रहे हैं और जीवन की व्यस्तता बढ़ रही है। नई पीढ़ी का अपने पारिवारिक इतिहास और पूर्वजों से परिचय भी कई बार सीमित होता जा रहा है। ऐसे समय में पितर पक्ष हमें कुछ क्षण रुककर यह सोचने का अवसर देता है कि हम कहां से आए हैं और जिन लोगों ने हमारे परिवार के लिए जीवन लगाया, उनके प्रति हमारा क्या दायित्व है। पूर्वजों का सम्मान करने का अर्थ केवल उनका नाम लेना नहीं है। उनके अच्छे कार्यों को याद करना, उनके जीवन-संघर्षों से सीख लेना और उनके द्वारा स्थापित सकारात्मक मूल्यों को अपने आचरण में अपनाना भी पितरों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हो सकती है।

भारतीय संस्कृति में परिवार केवल वर्तमान पीढ़ी का नाम नहीं है। हमारे व्यक्तित्व, संस्कार, भाषा, परंपराएं और जीवन-मूल्य अनेक पीढ़ियों के अनुभवों से निर्मित हुए हैं। इसी भाव को स्मरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है पितर पक्ष। यह समय केवल दिवंगत परिजनों को याद करने की धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने, उनके योगदान को स्वीकार करने और पारिवारिक मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर भी है। मनुष्य जिस परिवार और समाज में जन्म लेता है, वहां उसे बहुत कुछ ऐसा मिलता है जिसे वह स्वयं अर्जित नहीं करता। परिवार की पहचान, संस्कार, शिक्षा की प्रेरणा, कठिन परिस्थितियों से संघर्ष करने की क्षमता और जीवन के अनेक अनुभव पिछली पीढ़ियों से प्राप्त होते हैं। इसलिए पूर्वजों का सम्मान मूल रूप से कृतज्ञता की भावना है।

परंपरा के साथ विवेक भी जरूरी : हमारी धार्मिक परंपराओं में पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान और दान जैसी विभिन्न विधियों का उल्लेख मिलता है। इनका पालन व्यक्ति अपनी श्रद्धा, पारिवारिक परंपरा और धार्मिक विश्वास के अनुसार कर सकता है। लेकिन श्रद्धा के साथ विवेक और मानवीय संवेदना का होना भी आवश्यक है। किसी धार्मिक परंपरा को भय का माध्यम बनाना या किसी व्यक्ति को अनावश्यक आर्थिक दबाव में डालना उचित नहीं है। पितरों के सम्मान का मूल भाव प्रेम, श्रद्धा, स्मरण और कृतज्ञता है। यदि कोई परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराता है, गरीब की सहायता करता है, पशु-पक्षियों के लिए भोजन-पानी की व्यवस्था करता है या किसी सामाजिक कार्य में योगदान देता है, तो इसे भी पितरों की स्मृति को सार्थक बनाने की मानवीय भावना के रूप में देखा जा सकता है।

सबसे बड़ी श्रद्धांजलि हमारा आचरण : हमारे पूर्वजों के प्रति वास्तविक सम्मान केवल एक दिन की पूजा या कर्मकांड से पूरा नहीं होता। यदि हम अपने माता-पिता और बुजुर्गों का जीवनकाल में सम्मान नहीं करते, लेकिन उनके निधन के बाद बड़े आयोजन करते हैं, तो हमें आत्ममंथन अवश्य करना चाहिए। पितर पक्ष हमें यह संदेश भी देता है कि जीवित माता-पिता और बुजुर्गों की सेवा ही पूर्वजों के सम्मान की सबसे जीवंत अभिव्यक्ति है। परिवार में प्रेम, ईमानदारी, परस्पर सम्मान और जिम्मेदारी का वातावरण बनाना भी पितरों के प्रति कृतज्ञता है। उनके संघर्षों से प्रेरणा लेकर समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी उसी भावना का विस्तार है।

नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का अवसर : पितर पक्ष के अवसर पर माता-पिता और दादा-दादी बच्चों को परिवार के पुराने सदस्यों की कहानियां सुना सकते हैं। उन्होंने किन परिस्थितियों में जीवन बिताया, परिवार के लिए क्या संघर्ष किया और किन मूल्यों को महत्व दिया— इन बातों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। इससे बच्चों में केवल पारिवारिक इतिहास की जानकारी ही नहीं बढ़ती, बल्कि उनमें कृतज्ञता, संवेदना और संबंधों के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है। आज जब डिजिटल दुनिया ने लोगों को बहुत करीब भी ला दिया है और कई स्तरों पर दूर भी कर दिया है, तब अपनी पारिवारिक जड़ों को याद करना विशेष महत्व रखता है।

पितर पक्ष का संदेश

मेरे विचार से पितर पक्ष का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि मनुष्य अपने अतीत को भूलकर अपने भविष्य का निर्माण नहीं कर सकता। हमें अपनी परंपराओं का सम्मान करना चाहिए, लेकिन उन्हें समझने के लिए विवेक का भी प्रयोग करना चाहिए। पितरों को याद करने का अर्थ अतीत में लौटना नहीं, बल्कि अतीत से अच्छे संस्कार लेकर वर्तमान को बेहतर बनाना है। यदि पूर्वजों की स्मृति हमें अधिक संवेदनशील, जिम्मेदार, ईमानदार और मानवीय बनाती है, तो यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस पितर पक्ष में हम अपने पूर्वजों को केवल स्मरण न करें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें, उनके अच्छे मूल्यों को अपनाएं और आने वाली पीढ़ी को भी अपनी जड़ों से जोड़ें। यही पितरों का सम्मान है और यही हमारी संस्कृति की सार्थक निरंतरता भी है।

भरोसा बनाए रखने की हो ईमानदार कोशिश

एक था जमाना, जब भारत के चुनाव आयोग का डंका सारी दुनिया में बजता था। हमारे चुनाव आयुक्तों को दुनिया के अलग-अलग देशों में बुलाया जाता था, ताकि वे वहां जाकर निष्पक्ष चुनाव कराने के तौर-तरीके समझा सकें। और आज यह स्थिति हो गई है कि हमारा अपना चुनाव आयोग कटघरे में है। हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस में हुए एक खुलासे ने मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर-तरीके और चुनाव आयोग की निष्पक्षता, दोनों पर सवालिया निशान लगा दिया है। लेकिन, विडंबना यह भी है कि जहां एक ओर मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा मांगा जा रहा है, वहीं एक वर्ग ऐसा भी है, जो उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान-भारत रत्न से विभूषित करने की मांग कर रहा है। यह परस्पर विरोधी स्थिति देश की चिंता का विषय होनी चाहिए। चुनाव आयोग जैसे संस्थान का निष्पक्ष होना ही नहीं, निष्पक्ष दिखना भी जरूरी है।

आज जो कुछ दिख रहा है, वह इस संदर्भ में आश्वस्त तो नहीं ही करता। गेंद आयोग के पाले में है और उसे ही अपनी विश्वसनीयता प्रमाणित करनी होगी। यह काम कब होता है और कैसे होता है, इस पर देश की निगाहें लगी हैं। चुनाव आयोग की निष्पक्षता वाले इस प्रकरण ने एक और जरूरी मुद्दे को भी चर्चा का विषय बना दिया है-यह मुद्दा प्रेस या मीडिया की विश्वसनीयता का है। विश्वसनीयता मीडिया की सबसे बड़ी ताकत है और यह एक चिंताजनक सच्चाई है कि हमारा मीडिया विश्वसनीयता के तराजू पर खरा उतरने में लगातार कमजोर सिद्ध हो रहा है। जहां एक ओर मीडिया कुछ निहित स्वार्थों का शिकार बनता दिख रहा है, वहीं मीडिया के एक वर्ग पर सरकार की गोद में बैठने का आरोप भी है और स्थिति यह बन गई है कि देश के मीडिया का एक बड़ा हिस्सा 'गोदी मीडिया' के नाम से जाना जा रहा है! इसी स्थिति का परिणाम है कि आज हमारे मीडिया के समक्ष अपनी साख की रक्षा करना एक चुनौती बना हुआ है और प्रिंट मीडिया हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दोनों ही क्षेत्रों में स्थिति बिगड़ती नजर आ रही है। ऐसे में, जब चुनाव आयोग के कथित 'घोटाले' का समाचार सामने आया, तो मीडिया की दुनिया में एक हलचल-सी मच गई। कुछ लोगों को इसमें मीडिया के लिए उम्मीदों की किरण दिखाई देने लगी है। यह अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है कि कम-से-कम एक अखबार ने कुछ ऐसा कर दिखाया, जिससे मीडिया की विश्वसनीयता का मुद्दा उभरकर सामने आया है। चुनाव आयोग में गड़बड़ी को उजागर करने वाला समाचार अखबार और संवाददाता, दोनों के प्रयास को साहसिक बनाता है। मुद्दा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की साख और जनता के भरोसे को बचाए रखने का है और चुनाव आयोग के इस प्रकरण ने कम-से-कम इतना तो बता ही दिया है कि यदि ईमानदारी से कोशिश की जाए, तो इस दिशा में निश्चित रूप से कुछ उल्लेखनीय किया जा सकता है।

संबंधित अखबार और पत्रकार दोनों बधाई के पात्र हैं, पर इसकी प्रशंसा कर देना मात्र ही पर्याप्त नहीं है। इसे एक शुरुआत के रूप में ही देखा जाना चाहिए। बहरहाल, हमारे आज के मीडिया परिदृश्य की स्थिति बहुत ज़्यादा उत्साह नहीं बढ़ाती। और वर्तमान प्रकरण यह भी बताता है कि यह स्थिति चिंताजनक है। एक ओर बाजार की ताकत हमारे मीडिया को कमजोर सिद्ध कर रही है और दूसरी ओर विज्ञापनों के लिए सरकार पर निर्भरता हमारे मीडिया की विवशता को उजागर करती है। यह हकीकत अपने आप में बहुत कुछ कहने वाली है कि हमारा मीडिया बाहरी दबाव की सेंसरशिप का शिकार बना हुआ है। दबाव बाहरी है, पर सेंसरशिप कुल मिलाकर भीतरी ही है। मीडिया-मालिक सत्ता और विज्ञापनदाताओं को नाराज करने का खतरा मोल नहीं लेना चाहते, इसलिए चौकीदार की अपनी भूमिका भी उन्हें याद नहीं रहती।

जब झूठ सच जैसा दिखे और सच पर भी होने लगे शक

आधुनिक तकनीक से बदलते विश्व की रफ्तार आज थोड़ी ज्यादा हो चली है। कल्पना कीजिए कि चुनाव के बीच किसी के मोबाइल पर एक छोटा-सा वीडियो आता है। उसमें देश के किसी बड़े नेता का चेहरा होता है। हूबहू उसी नेता की आवाज में एक ऐसा विवादास्पद बयान होता है, जिसे सुनकर लोग स्तब्ध रह जाते हैं। कोई ऐसा भी होता है, जो उसे आगे भेज देता है और देखते ही देखते वह हजारों-लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। अगले दिन पता चलता है कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से तैयार किया गया फर्जी वीडियो था। मगर इस बीच उसका राजनीतिक असर हो चुका होता है।

फिर कुछ समय बाद उसी नेता का कोई वास्तविक विवाद सामने आता है और उसका प्रामाणिक वीडियो प्रसारित होता है। इस बार नेता के समर्थक उसे देखते ही कह देते हैं कि यह भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बनाया गया होगा। इसी में आधुनिक डिजिटल लोकतंत्र का सबसे गहरा संकट छिपा है। समस्या केवल यह नहीं कि झूठ पहले से कहीं अधिक तेजी और विश्वसनीयता के साथ फैल सकता है। उससे भी बड़ा खतरा यह है कि झूठ की निरंतर उपस्थिति सच की विश्वसनीयता को भी संदिग्ध बना सकती है। जब नागरिक हर दृश्य, हर आवाज और हर प्रमाण पर संदेह करने लगे, तब लोकतंत्र केवल गलत सूचना का नहीं, बल्कि सत्य की पहचान के संकट का सामना करता है।

आज यह भूमिका असंख्य अनाम स्रोतों, सोशल मीडिया के समूहों और उनके पीछे काम करने वाली स्वचालित व्यवस्थाओं में बंट गई है। ऐसे वातावरण में उस व्यक्ति या संगठन को भी बढ़त मिल सकती है, जो सबसे पहले, सबसे तेज और सबसे प्रभावशाली ढंग से नागरिकों की भावनाओं को छू ले। राजनीतिक दल सीधे मतदाता के हाथ में मौजूद मोबाइल तक पहुंचने लगे। 'डेटारिपोर्टल' के अनुसार, 2024 की शुरुआत में भारत में लगभग 46 करोड़ सोशल मीडिया के उपयोगकर्ता थे। डिजिटल मंचों के विस्तार ने राजनीति को महानगरों और पारंपरिक जनसभाओं की सीमाओं से बाहर निकाल दिया। अब राजनीतिक संदेश किसी मंच से दिया जाए, यह आवश्यक नहीं, वह एक छोटे वीडियो, संदेश, मीम या चित्र के रूप में सीधे मतदाता तक पहुंच सकता है। इस सुविधा के साथ एक गंभीर विडंबना भी जुड़ी है। डिजिटल मंच केवल सूचना के नए रास्ते नहीं बने, बल्कि राजनीतिक प्रचार और दुष्प्रचार के भी शक्तिशाली माध्यम बन गए। 2019 के आम चुनाव के दौरान ऑक्सफोर्ड इंटरनेट संस्थान के शोधकर्ताओं के अध्ययन ने संकेत दिया था कि सोशल मीडिया पर राजनीतिक संवाद में भ्रामक और निम्न गुणवत्ता वाली सामग्री का प्रभाव उल्लेखनीय था। इससे स्पष्ट हुआ कि डिजिटल लोकतंत्र में सूचना की मात्रा बढ़ना आवश्यक रूप से सूचना की गुणवत्ता बढ़ने का प्रमाण नहीं है। फिर भी चुनावी नतीजों को केवल सोशल मीडिया का परिणाम मानना एक सरलीकरण होगा। उम्मीदवार की छवि, स्थानीय मुद्दे, संगठनात्मक शक्ति, सामाजिक समीकरण और सरकार का प्रदर्शन आज भी चुनावी राजनीति में महत्त्वपूर्ण हैं। सोशल मीडिया ने इन कारकों को समाप्त नहीं किया है, बल्कि उनके ऊपर सूचना और प्रचार की एक अत्यंत तीव्र परत चढ़ा दी है। वर्ष 2024 के आम चुनाव तक डिजिटल राजनीतिक प्रचार एक नए चरण में प्रवेश कर चुका था। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' के विश्लेषण के अनुसार, चुनावी अवधि में गूगल के विभिन्न मंचों पर लगभग एक लाख 97 हजार राजनीतिक विज्ञापन दिखाई दिए और उन पर करीब 205 करोड़ रुपए खर्च हुए। इनमें 81 फीसद से अधिक विज्ञापन वीडियो के रूप में थे। यह बताता है कि चुनावी प्रचार में दृश्य सामग्री अब केंद्रीय भूमिका निभा रही है। इसी दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने चुनौती को और जटिल बना दिया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल झूठ को सच जैसा विश्वसनीय बनाने का औजार नहीं है, वह वास्तविक सच पर संदेह पैदा करने का बहाना भी बन सकती है। यही आधुनिक सूचना-व्यवस्था का सबसे चिंताजनक पक्ष है। इसलिए दुष्प्रचार की समस्या को केवल तथ्यों की जांच से हल नहीं किया जा सकता। झूठ को फैलाने में कुछ सेकंड लगते हैं, जबकि उसकी जांच करने, प्रमाण जुटाने और खंडन को व्यापक जनता तक पहुंचाने में समय लगता है। डिजिटल माध्यम की यही असमान गति झूठ को शुरुआती बढ़त देती है। यदि कोई फर्जी वीडियो चुनाव के निर्णायक समय में तेजी से फैल जाए तो बाद में आने वाला स्पष्टीकरण उसके प्रभाव को पूरी तरह समाप्त कर पाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं। डिजिटल माध्यमों ने राजनीतिक दलों को अलग-अलग समूहों के लिए अलग संदेश तैयार करने की अभूतपूर्व क्षमता भी दी है।

सवाल है कि क्या इसका समाधान सोशल मीडिया पर कठोर सरकारी नियंत्रण में है! यह रास्ता भी लोकतंत्र के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। जिस माध्यम ने दुष्प्रचार की क्षमता बढ़ाई है, उसी ने सत्ता से असहमति रखने वालों को अपनी बात कहने का अभूतपूर्व अवसर भी दिया है। स्थानीय प्रश्न राष्ट्रीय बहस का विषय बन रहे हैं और वे आवाजें भी सामने आ रही हैं, जिन्हें पारंपरिक माध्यमों में पर्याप्त स्थान नहीं मिलता था। इसलिए चुनौती तकनीक को रोकने की नहीं, बल्कि उसके साथ लोकतांत्रिक विवेक विकसित करने की है। सोशल मीडिया साक्षरता अब लोकतांत्रिक नागरिकता की अनिवार्य शर्त बनती जा रही है। नागरिक को यह समझना होगा कि परदे पर दिखाई देने वाली सामग्री स्वयं प्रमाण नहीं होती। स्रोत क्या है, तारीख क्या है, संदर्भ क्या है और मूल सामग्री कहां उपलब्ध है- इन प्रश्नों की जांच अब केवल पत्रकारों की जिम्मेदारी नहीं रह गई। आज यह बहस पर्याप्त नहीं है कि सोशल मीडिया ने राजनीति को बदला या राजनीति ने सोशल मीडिया को। दोनों ने एक-दूसरे को बदल दिया है। डिजिटल माध्यमों ने राजनीति को अधिक तात्कालिक, दृश्यप्रधान, व्यक्तिगत और चौबीसों घंटे सक्रिय बना दिया है। दूसरी ओर, राजनीति ने सोशल मीडिया को प्रचार, संगठन, मतदाता-लक्ष्यीकरण और वैचारिक संघर्ष का विशाल मैदान बना दिया है। इस पूरे परिवर्तन में भरोसेमंद सूचना लगातार सबसे मूल्यवान और दुर्लभ संसाधन बनती जा रही है। आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अधिक सक्षम होगी। इसलिए लोकतंत्र की अगली परीक्षा केवल मतदान केंद्र पर नहीं, नागरिक के हाथ में मौजूद मोबाइल की स्क्रीन पर भी होने वाली है। लोकतंत्र को अब केवल मतदान करने वाला नागरिक नहीं, बल्कि सूचना को परखने वाला विवेकशील नागरिक चाहिए। यदि ऐसी स्थिति पैदा हो जाए जिसमें झूठ लाखों लोगों तक पहुंच जाए और सत्य सामने आने के बाद भी उस पर विश्वास न किया जाए, तो खतरा किसी एक फर्जी वीडियो से कहीं बड़ा होगा। तब संकट सूचना तक सीमित नहीं रहेगा, वह सत्य की पहचान और उसकी विश्वसनीयता का संकट बन जाएगा। आधुनिक डिजिटल लोकतंत्र के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती शायद यही है- नागरिक को केवल सूचना तक पहुंच देना पर्याप्त नहीं है, उसे सूचना और भ्रम, प्रमाण और प्रदर्शन, सत्य और तकनीकी छल के बीच अंतर करने की क्षमता भी देनी होगी।

हार से सीखें और जीत का अहंकार न करें, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती - मंत्री टंक राम वर्मा

सारंगढ़ को दो बड़ी सौगातें- शहर में बनेगा सिंथेटिक ट्रैक ग्राउंड और डाइट कॉलेज

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सारंगढ़ की पावन धरा पर रविवार को खेल, उत्साह और राज्य स्तरीय खेल भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। मौका था 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 के भव्य शुभारंभ का। इस गरिमामय अवसर पर प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने सारंगढ़–बिलाईगढ़ जिले को खेल और शिक्षा के क्षेत्र में दो बड़ी सौगातें देते हुए जिले में सिंथेटिक ट्रैक ग्राउंड तथा डाइट (DIET) कॉलेज प्रारंभ करने की ऐतिहासिक घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने अवगत कराया कि जिले में नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से जुड़े प्रस्ताव आगे की प्रक्रिया में हैं, और राज्य सरकार स्कूल अधोसंरचना के विकास व आवश्यक जीर्णोद्धार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिले के प्रभारी एवं राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने खिलाड़ियों में नया जोश भरते हुए कहा कि खेलोगे तो जीतोगे, खेलोगे तो हारोगे, लेकिन नहीं खेलोगे तो केवल दर्शक बनकर रह जाओगे। हार से सीख लेकर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए और विजेता खिलाड़ियों को कभी अहंकार नहीं करना चाहिए। कठिन परिस्थितियों में भी प्रयास जारी रखने वाले ही जीवन में नई ऊंचाइयों को छूते हैं। 4 दिवसीय महाकुंभ- 5 संभाग, 330 खिलाड़ी और 3 प्रमुख खेल खेलभांठा मैदान सारंगढ़ में 4 से 7 अक्टूबर तक आयोजित इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के पाँचों संभागों—बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा—से आए 330 बाल–खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेर रहे हैं। आयोजन के पहले दिन फुटबॉल (बालक 14 वर्ष), सॉफ्टबॉल (बालक एवं बालिका 17 वर्ष) और क्रिकेट (बालिका 17 वर्ष) की प्रतिस्पर्धाओं के साथ रोमांचक मुकाबलों की शुरुआत हुई। खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और एकता का आधार- मंत्री गजेन्द्र यादव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने प्रदेशभर से आए खिलाड़ियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि जीतने के लिए सबसे पहले मैदान में उतरना जरूरी है।

अपने नाम जमीन की रजिस्ट्री पर प्रेमलता को मिली आर्थिक राहत, ऑनलाइन सुविधाओं से समय भी बचा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

अपने नाम जमीन की रजिस्ट्री कराने पहुंचीं गरियाबंद जिले के पारागांव निवासी प्रेमलता गिरी को पंजीयन व्यवस्था में किए गए सुधारों से दोहरा लाभ मिला। महिला क्रेता होने के कारण पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट से उन्हें करीब 2,430 रुपये की आर्थिक राहत मिली, वहीं ऑनलाइन और डिजिटल सुविधाओं के कारण उनका समय भी बचा। रजिस्ट्री से पहले ही संपत्ति के बाजार मूल्य और लगने वाले शुल्क की जानकारी मिली, सुगम एप से जमीन की पहचान सुनिश्चित हुई और पंजीयन के बाद दस्तावेज भी व्हाट्सएप पर प्राप्त हो गया। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत पंजीयन विभाग से संवाद में उन्होंने इन सुविधाओं से जुड़ा अपना अनुभव साझा किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव स्वामित्व को प्रोत्साहित करने के साथ पंजीयन सेवाओं को सरल, पारदर्शी और नागरिक–केंद्रित बनाने के लिए विभिन्न सुधार लागू किए गए हैं।

रजिस्ट्री के साथ नामांतरण ने बचाया समय, किसान चंद्रशेखर को नहीं लगाने पड़े अलग से कार्यालय के चक्कर

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए अलग से आवेदन, इंतजार और कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम हो जाए, तो नागरिकों के लिए पूरी प्रक्रिया कहीं अधिक सहज हो जाती है। कांकेर जिले के अभनपुर–सरोना निवासी किसान चंद्रशेखर निषाद ने पंजीयन व्यवस्था में आए इसी बदलाव को महसूस किया। संपत्ति का पंजीयन होने के बाद ऑटोम्यूटेशन के माध्यम से नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः आगे बढ़ी और उनका नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज हो गया। इससे उनका समय बचा और नामांतरण के लिए अलग से कार्यालय जाने की जरूरत नहीं पड़ी। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत पंजीयन विभाग से संवाद में उन्होंने अपना अनुभव साझा किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वित्त एवं पंजीयन मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में पंजीयन सेवाओं को सरल, सुगम और नागरिक–केंद्रित बनाने के लिए तकनीक आधारित सुधार किए गए हैं। रजिस्ट्री से लेकर नामांतरण तक की प्रक्रियाओं को आपस में जोड़ने, पहचान सत्यापन को मजबूत करने और ऑनलाइन सुविधाओं के विस्तार से नागरिकों के समय और अनावश्यक दौड़भाग को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से विभाग हितग्राहियों से सीधे संवाद कर इन सुधारों से जुड़े उनके अनुभव और सुझाव भी संकलित कर रहा है। रजिस्ट्री हुई और नामांतरण भी, चंद्रशेखर का बचा समय

चंद्रशेखर निषाद ने बताया कि पहले संपत्ति के पंजीयन के बाद नामांतरण की प्रक्रिया पूरी होने में समय लगता था। इसके लिए अलग से प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती थी। इस बार ऑटोम्यूटेशन की सुविधा से रजिस्ट्री के बाद नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः आगे बढ़ी और उनका नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज हो गया।

उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, ‍卐मेरा नामांतरण तुरंत हो गया। इससे मेरे समय की बहुत बचत हुई और मुझे अलग से कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

ऑटोम्यूटेशन व्यवस्था के तहत संपत्ति का पंजीयन होने के बाद नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः आगे बढ़ने से नागरिकों को अलग से आवेदन करने और संबंधित कार्यालयों में जाकर प्रक्रिया पूरी कराने की आवश्यकता कम हो रही है। किसानों और आम नागरिकों के लिए यह सुविधा संपत्ति संबंधी कार्यों को अधिक सहज बनाने में सहायक है।

आधार आधारित पहचान सत्यापन से बढ़ी पारदर्शिता

पंजीयन व्यवस्था में तकनीक का उपयोग केवल नामांतरण तक सीमित नहीं है। आधार आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से क्रेता, विक्रेता और गवाहों की पहचान के सत्यापन की व्यवस्था की गई है। इससे पक्षकारों की पहचान सुनिश्चित करने और गलत पहचान के आधार पर पंजीयन की आशंका को कम करने में मदद मिलती है।

इसके साथ ही ऑनलाइन अपॉइंटमेंट, ऑनलाइन भुगतान और डिजिटल दस्तावेज जैसी सुविधाएं भी पंजीयन प्रक्रिया को आसान बना रही हैं। नागरिक नेट बैंकिंग और यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों से पंजीयन शुल्क का भुगतान कर सकते हैं। इन सुविधाओं से पंजीयन प्रक्रिया में समय की बचत के साथ पारदर्शिता और सुविधा भी बढ़ी है। तकनीक से रजिस्ट्री के बाद की राह भी हुई आसान

चंद्रशेखर निषाद का अनुभव बताता है कि पंजीयन व्यवस्था में किए गए तकनीकी सुधारों का लाभ केवल रजिस्ट्री तक सीमित नहीं है, बल्कि उससे जुड़ी आगे की प्रक्रिया भी आसान हो रही है। ऑटोम्यूटेशन के माध्यम से नामांतरण की प्रक्रिया आगे बढ़ने से नागरिकों को अलग से इंतजार और कार्यालयीन दौड़भाग से राहत मिल रही है।

विवेकानंद सरोवर में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) बैंड की मनमोहक प्रस्तुति

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रेलवे सुरक्षा बल के 42वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रायपुर में 01 से 08 अक्टूबर तक विभिन्न प्रमुख स्थानों पर रेलवे सुरक्षा बल के ब्रास एवं पाइप बैंड द्वारा संगीतमय प्रस्तुतियां दी जा रही हैं।

इसी क्रम में आज 04 अक्टूबर को विवेकानंद सरोवर (बूढ़ा तालाब), रायपुर में रेलवे सुरक्षा बल के ब्रास एवं पाइप बैंड द्वारा सायं 4:30 से 5:30 बजे तक आकर्षक संगीतमय प्रस्तुति दी गई। बैंड द्वारा विभिन्न लोकप्रिय एवं देशभक्ति गीतों की मधुर धुनें प्रस्तुत की गईं, जिसका सरोवर परिसर में उपस्थित नागरिकों एवं आगंतुकों ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया।

स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इन प्रस्तुतियों के माध्यम से रेलवे सुरक्षा बल की कार्यकुशलता, अनुशासन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को आमजन तक पहुंचाने तथा जनता के साथ बेहतर संवाद एवं जुड़ाव स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।

आमंत्रण- स्थापना दिवस समारोह की इसी श्रृंखला में कल 05 अक्टूबर 2026 को एनआईटी रायपुर में सायं 4:30 से 5:30 बजे तक रेलवे सुरक्षा बल के ब्रास एवं पाइप बैंड द्वारा विशेष संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। सभी नागरिकों एवं संगीत प्रेमियों से इस प्रस्तुति में सादर उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनंद लेने का आग्रह है।

टीम कैट ने पुरंदर मिश्रा विधायक, से मुलाकात कर जन्मदिवस की बधाई दी - कैट

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (ष्टट्ठ्र) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन के नेतृत्व में कैट का एक प्रतिनिधि मंडल ने माननीय पुरंदर मिश्रा जी विधायक रायपुर उत्तर विधानसभा से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी साथ ही उनके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की ।

कैट के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने बताया कि कैट एवं युवा के पदाधिकारियों ने माननीय पुरंदर मिश्रा जी विधायक, रायपुर उत्तर विधानसभा से मुलाकात कर के उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि मिश्रा जी निरंतर क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा के लिए सक्रियता के साथ कार्य करते रहें है। कैट पदाधिकारियों एवं प्रदेष की सभी व्यापारियों की ओर से उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर कैट के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे:– जितेन्द्र दोशी, परमानन्द जैन, अवनीत सिंह, वासु माखीजा, शंकर बजाज, जयराम कुकरेजा, अमित गुप्ता, एवं अन्य पदाधिकारीगण।

'कवच' से संरक्षित हो रही भारतीय रेल की रफ्तार...

बिलासपुर/ रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दुर्ग से मांढर तक 70 रूट किलोमीटर पर स्टैंडर्ड 'कवच' (Non-SIL) कमीशन

भारतीय रेल में आधुनिक तकनीक के माध्यम से रेल संरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। दुर्ग से मांढर तक 70 रूट किलोमीटर के सभी रेल मार्गों सहित सरोना उरकुरा बाईपास लाइन पर स्टैंडर्ड 'कवच' (Non-SIL) की कमीशनिंग 03 अक्टूबर 2026 को पूर्ण की गई।

इस परियोजना के अंतर्गत 984 ट्रैकसाइड RFID टैग्स को अतिरिक्त वैकल्पिक व्यवस्था के साथ स्थापित एवं प्रोग्राम किया गया है। RFID प्रणाली का कार्यान्वयन कवच 4.0 के तकनीकी विनिर्देशों के अनुरूप किया गया है।

क्या है 'कवच'?

'कवच' भारतीय रेल के अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (RDSO) द्वारा विकसित स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन प्रणाली है। यह ट्रेनों की गति एवं स्थिति से संबंधित जानकारी के आधार पर संरक्षित परिचालन में सहायता करती है तथा आवश्यकता पड़ने पर स्वचालित ब्रेकिंग के माध्यम से ट्रेन को सुरक्षित रोकने में सक्षम है।

प्रमुख संरक्षा लाभ

'कवच' से लैस लोकोमोटिव में निम्न प्रमुख संरक्षा सुविधाएं उपलब्ध होती हैं—

आमने – सामने की संभावित टक्कर से बचाव। पीछे से होने वाली संभावित टक्कर से बचाव।

ट्रेन के अनियंत्रित रूप से आगे बढ़ने (Roll-away) से सुरक्षा। स्टैंडस्टिल के दौरान अनावश्यक मूवमेंट से सुरक्षा।

असामान्य रूप से ट्रेन रुकने की स्थिति में ऑनबोर्ड स्ह्रस् सुरक्षा सुविधा। रायपुर मंडल में कवच के इस विस्तार से आधुनिक ट्रेन प्रोटेक्शन प्रणाली के दायरे में वृद्धि हुई है, जिससे संरक्षित एवं विश्वसनीय रेल परिचालन को और मजबूती मिलेगी।

किलाबंदी टिकट चेकिंग के दौरान 246 मामलों से 1,59,870 राजस्व प्राप्त हुआ

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ सुस्कर विपुल विलासराव के निर्देश पर दुर्ग रेलवे स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान दिनांक 04 अक्टूबर, 2026 को चलाया गया। जिसमें स्टेशन के सभी प्लेटफार्म, 12 ट्रेनों में किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान में कुल 246 मामलों को दर्ज कर 1,59,870 रुपए राजस्व प्राप्त किया गया। किलाबंदी टिकट चेकिंग में बिना टिकट यात्रा करने वाले 150 यात्री पकड़े गए, जिससे 1,26,125/– राजस्व प्राप्त हुआ। अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले 39 यात्रियों से 25745/– रूपये राजस्व प्राप्त हुआ, अधिक लगेज लेकर यात्रा करने वाले 55 यात्रियों से 6000/– रूपये, 02 केस स्टेशन परिसर में कचरा फैलाने वाले से 2000/– रुपए राजस्व प्राप्त हुआ । इस टिकट चेकिंग का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को टिकट लेने के प्रति जागरूक करना था । इस टिकट चेकिंग अभियान में सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अविनाश कुमार आनन्द, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक टिकट चेकिंग 01 एवं 18 टिकट चेकिंग स्टाफ स्टाफ शामिल रहे ।

रेल प्रशासन यात्रियों को आगाह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर मे प्रवेश करने के पहले प्लेटफॉर्म टिकट अवश्य खरीदें। रेलगाड़ी एवं रेल परिसर को साफ सुथरा रखने में भी रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा समय–समय पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है । जिससे यात्रियों को टिकट लेने के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है, साथ ही यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है कि वे उचित टिकट लेकर सही कोच में बैठे एवं अपनी सुखद यात्रा करें एवं टिकट चेकिंग में रेलवे प्रशासन को सहयोग करें।

अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा प्रकोष्ठ ने गांधी जयंती पर चलाया स्वच्छता अभियान

अंतःकरण की शुद्धि के साथ बाह्य स्वच्छता का लिया संकल्प

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के पावन अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा प्रकोष्ठ रायपुर के कार्यकर्ताओं द्वारा एक विशेष स्वच्छता एवं जन–जागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम गायत्री शक्तिपीठ, दावड़ा कॉलोनी परिसर में पूरी तल्लीनता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

युवा प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष राय ने बताया कि इस दौरान युवा कार्यकर्ताओं ने गायत्री शक्तिपीठ दावड़ा कॉलोनी परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में श्रमदान करते हुए कचरे की सफाई की और पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। इस सेवा कार्य में युवाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और आने वाले दिनों में अपने घर, गली, मोहल्ले, परिसर और कार्यस्थलों को निरंतर स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने का दृढ़ संकल्प लिया।

मीडिया प्रभारी प्रज्ञा प्रकाश निगम ने बताया कि युवा कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थित प्रबुद्धजनों ने इस अवसर पर गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि, पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य और वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी की इस सीख को दोहराया कि ''व्यक्ति को अंतःकरण की शुद्धि के साथ–साथ बाह्य स्वच्छता का ध्यान रखना भी साधना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।'' उन्होंने बताया कि शारीरिक और मानसिक पवित्रता के साथ सामाजिक निर्मलता ही सच्चे राष्ट्र निर्माण का आधार है।

स्वच्छता अभियान के पश्चात शक्तिपीठ परिसर में जिला समन्वयक लच्छूराम निषाद एवं दावड़ा कॉलोनी शक्ति पीठ के प्रमुख ट्रस्टी सुखदेव देवांगन की उपस्थित में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमे युवा परिजनों के द्वारा आगामी दिनों में चलाए जाने वाले रचनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। इस दौरान गायत्री परिवार के सृजनात्मक, आध्यात्मिक और लोक–कल्याणकारी संदेशों को जन–जन तक पहुंचाने, युवाओं को नैतिक मूल्यों से जोड़ने तथा व्यसनमुक्ति और पर्यावरण संरक्षण अभियानों को और अधिक तीव्र करने पर विस्तार से चर्चा की गई ।

सरकार बताये तारा कोल ब्लॉक नीलामी कब रद्द होगी - दीपक बैज

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सरकार बताये तारा कोल ब्लॉक नीलामी कब रद्द होगी? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि तारा कोल ब्लॉक नीलामी के संबंध में सरकार की तरफ से कोई भी कदम नहीं उठाया गया है। यह इस बात का प्रमाण है कि सरकार तारा कोल ब्लाक को अडानी को सौंपने से पीछे नहीं हटने वाली भले ही इसके लिए लाखों पेड़ काटने पड़े, लेमरू हाथी अभ्यारण्य का नुकसान हो, आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन तबाह हो साय सरकार अडानी के हितों से समझौता नहीं करेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि तारा कोल ब्लाक लगभग 5000 एकड़ क्षेत्र में फैला है, जिसमें से 4000 एकड़ से अधिक घना जंगल है। इसके लिए 10 लाख से अधिक पेड़ों को पूरी तरह काट दिया जाएगा। लेमरू एलीफेंट रिजर्व के चारों ओर खनन होगी, जिससे भारत के राष्ट्रीय धरोहर पशु हाथी के आवाजाही के रास्ते पर गंभीर असर पड़ेगा, जबकि हाथियों की संख्या में कमी का संकट पहले से ही बना हुआ है। कई अन्य प्रजातियां भी इससे और अधिक खतरे में पड़ जाएंगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि हसदेव अरण्य क्षेत्र के तारा कोल ब्लाक की नीलामी के लिए साय सरकार ने कोयला मंत्रालय को पत्र लिखा था। यह पत्र 11 दिसंबर 2025 को साय सरकार ने लिखा था जबकि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने 23 जून 2023 को तारा सहित 9 कोल ब्लाको को नीलामी से अलग रखने के लिए पत्र लिखा था। भाजपा बताये कि उनकी सरकार ने तारा कोल ब्लॉक नीलामी के लिए अनुशंसा क्यों किया था? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जिस भाजपा सरकार ने स्वयं कोल ब्लॉक नीलामी के लिए केंद्र को पत्र लिखा हो वही आगे की अनुमति नहीं देगी।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने तोकापाल और लोहंडीगुड़ा के बाढ़ राहत शिविरों का लिया जायजा

जगदलपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में पिछले दिनों आई बाढ़ के बाद प्रभावित इलाकों में प्रशासन पूरी तत्परता के साथ राहत और पुनर्वास कार्यों में जुटा हुआ है। इसी क्रम में कलेक्टर आकाश छिकारा ने तहसील तोकापाल के ग्राम घाटधनोरा तथा लोहंडीगुड़ा तहसील अंतर्गत टाकरागुड़ा के टिकरापारा स्थित बाढ़ राहत शिविरों का औचक व सघन निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने राहत शिविरों में ठहरे प्रभावित ग्रामीणों से आत्मीय संवाद कर उनका हालचाल जाना और मौके पर उपलब्ध व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत परखी। उन्होंने शिविरों में परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य जरूरी सुविधाओं का बारीकी से मुआयना किया। कलेक्टर छिकारा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विपरीत परिस्थितियों से जूझ रहे किसी भी नागरिक को बुनियादी सुविधाओं की तनिक भी कमी महसूस नहीं होनी चाहिए। राहत शिविरों में प्रशासन की तरफ से प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। व्यवस्था के तहत 13 प्रभावित परिवारों को दैनिक उपयोग हेतु बर्तन व अन्य जरूरी सामग्रियां बांटी गईं।

कलेक्टर ने प्राकृतिक आपदा से ग्रामीणों के कच्चे–पक्के मकानों, पालतू मवेशियों और फसलों को पहुंचे नुकसान पर गहरी संवेदनशीलता व्यक्त की और उन्होंने मौके पर मौजूद राजस्व अमले सहित संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि नुकसान का आकलन पूरी पारदर्शिता, संवेदनशीलता और तेजी से किया जाए। उन्होंने कहा कि क्षति से जुड़े सभी प्रकरणों का त्वरित निराकरण करते हुए आवश्यक औपचारिकताएं अविलंब पूरी की जाएं, ताकि प्रभावित परिवारों के खातों में बिना किसी विलंब के राहत राशि पहुंच सके और इस संकट के समय में उन्हें त्वरित आर्थिक संबल मिल सके।

एनएमएमएसई द्वितीय मॉक टेस्ट संपन्न

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में राष्ट्रीय शिक्षा विभाग द्वारा साधन–सह–प्रवीणता छात्रवृत्ति परीक्षा की मजबूत तैयारी के उद्देश्य से कलेक्टर श्री आकाश छिकारा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय खन्ना के मार्गदर्शन में गुरुवार को द्वितीय मॉक टेस्ट का सफल आयोजन किया गया। इससे पहले 20 अगस्त को प्रथम मॉक टेस्ट संपन्न कराया गया था। इस अभ्यास परीक्षा की मुख्य मंशा विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा के पैटर्न से रूबरू कराकर उनके भीतर आत्मविश्वास का संचार करना है। परीक्षा में सफल होने वाले प्रतिभावान छात्र–छात्राओं को केंद्र सरकार द्वारा आगे की पढ़ाई के लिए एक हजार रूपए प्रति माह की दर से छात्रवृत्ति दी जाती है, जिससे जरूरतमंद व मेधावी बच्चों को आर्थिक संबल मिल सके।

उक्त आयोजित द्वितीय मॉक टेस्ट में जिले के सातों विकासखंडों से कुल 6 हजार 967 पात्र विद्यार्थियों में से 6 हजार 286 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 681 विद्यार्थी अनुपस्थित दर्ज किए गए। विकासखंडवार उपस्थिति के अंतर्गत बस्तर ब्लॉक में सर्वाधिक 1 हजार 610 पात्र विद्यार्थियों में से 1 हजार 517 ने परीक्षा दी तथा 93 अनुपस्थित रहे। वहीं बकावंड में 1 हजार 318 में से 1 हजार 232 उपस्थित और 86 अनुपस्थित रहे। जगदलपुर ब्लॉक में कुल 1 हजार 098 पात्रों में से 990 परीक्षार्थियों ने भाग लिया व 108 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार लोहंडीगुड़ा में 966 में से 827 उपस्थित और 139 अनुपस्थित, तोकापाल में 849 में से 780 उपस्थित और 69 अनुपस्थित, दरभा में 682 में से 587 उपस्थित और 95 अनुपस्थित तथा बास्तानार विकासखंड में 444 में से 353 परीक्षार्थी उपस्थित रहे जबकि 91 अनुपस्थित पाए गए। जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस व्यापक अभ्यास से दूरदराज के क्षेत्रों में अध्ययनरत ग्रामीण बच्चों को मुख्य प्रतियोगी परीक्षा के लिए आवश्यक तैयारी को प्रदर्शित करने का अवसर मिला जिससे वे भविष्य में बेहतर परिणाम अर्जित कर सकेंगे।

एनएमएमएसई द्वितीय मॉक टेस्ट संपन्न

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में राष्ट्रीय शिक्षा विभाग द्वारा साधन–सह–प्रवीणता छात्रवृत्ति परीक्षा की मजबूत तैयारी के उद्देश्य से कलेक्टर आकाश छिकारा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना के मार्गदर्शन में गुरुवार को द्वितीय मॉक टेस्ट का सफल आयोजन किया गया। इससे पहले 20 अगस्त को प्रथम मॉक टेस्ट संपन्न कराया गया था। इस अभ्यास परीक्षा की मुख्य मंशा विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा के पैटर्न से रूबरू कराकर उनके भीतर आत्मविश्वास का संचार करना है। परीक्षा में सफल होने वाले प्रतिभावान छात्र–छात्राओं को केंद्र सरकार द्वारा आगे की पढ़ाई के लिए एक हजार रूपए प्रति माह की दर से छात्रवृत्ति दी जाती है, जिससे जरूरतमंद व मेधावी बच्चों को आर्थिक संबल मिल सके।

उक्त आयोजित द्वितीय मॉक टेस्ट में जिले के सातों विकासखंडों से कुल 6 हजार 967 पात्र विद्यार्थियों में से 6 हजार 286 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 681 विद्यार्थी अनुपस्थित दर्ज किए गए। विकासखंडवार उपस्थिति के अंतर्गत बस्तर ब्लॉक में सर्वाधिक 1 हजार 610 पात्र विद्यार्थियों में से 1 हजार 517 ने परीक्षा दी तथा 93 अनुपस्थित रहे। वहीं बकावंड में 1 हजार 318 में से 1 हजार 232 उपस्थित और 86 अनुपस्थित रहे। जगदलपुर ब्लॉक में कुल 1 हजार 098 पात्रों में से 990 परीक्षार्थियों ने भाग लिया व 108 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार लोहंडीगुड़ा में 966 में से 827 उपस्थित और 139 अनुपस्थित, तोकापाल में 849 में से 780 उपस्थित और 69 अनुपस्थित, दरभा में 682 में से 587 उपस्थित और 95 अनुपस्थित तथा बास्तानार विकासखंड में 444 में से 353 परीक्षार्थी उपस्थित रहे जबकि 91 अनुपस्थित पाए गए। जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस व्यापक अभ्यास से दूरदराज के क्षेत्रों में अध्ययनरत ग्रामीण बच्चों को मुख्य प्रतियोगी परीक्षा के लिए आवश्यक तैयारी को प्रदर्शित करने का अवसर मिला जिससे वे भविष्य में बेहतर परिणाम अर्जित कर सकेंगे।

सेवा सेतु अभियान लोहंडीगुड़ा के बड़े धाराउर में शिविर आयोजित

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत विकासखंड लोहंडीगुड़ा के बड़े धाराउर में एक वृहद शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र की 15 ग्राम पंचायतों के पंचायत पदाधिकारी और ग्रामीणजन सम्मिलित हुए शिविर में ग्रामीणों से विभिन्न समस्याओं, मांगों और कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कुल 140 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर प्रशासनिक अमले ने सक्रियता दिखाते हुए 116 प्रकरणों का मौके पर ही त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण किया।

इस अभियान के तहत जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया गया। त्वरित पहल करते हुए मौके पर ही 09 पेंशन हितग्राहियों के आवेदनों का निराकरण कर पेंशन स्वीकृत की गई, जबकि 05 आवास हितग्राहियों को उनके पक्के आवास की खुशियों की चाबी सौंपी गई। स्वास्थ्य व पहचान से संबंधित सेवाओं के तहत 15 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड और 14 हितग्राहियों के आधार कार्ड बनाए गए। वहीं ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मत्स्यपालन विभाग द्वारा 13 हितग्राहियों को आवश्यक उपकरण तैयार कर वितरित किए गए।

शिविर में जनसमस्याओं को सुनने और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जनप्रतिनिधि एवं उच्चाधिकारी संयुक्त रूप से मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों में जिला पंचायत सदस्य चंद्रभान कश्यप, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष डॉ. बसंत कश्यप, सहित क्षेत्र के सरपंचगण एवं स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं कलेक्टर आकाश छिकारा और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना ने शिविर में ग्रामीणों रूबरू होकर सीधा संवाद किया और शेष आवेदन पत्रों को भी निर्धारित समय–सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम सुनंदिनी साहू, तहसीलदार कैलाश पोयाम, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनेश्वर पांडे तथा अन्य विकासखंड स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

सेवा संकल्प अभियान आईटीआई बस्तर में के तहत स्टार्ट-अप एवं जागरूकता शिविर संपन्न

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जगदलपुर के तत्वावधान में गुरुवार को शासकीय आईटीआई बस्तर में एक दिवसीय स्टार्ट–अप एवं जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य संस्थान में विभिन्न व्यवसायों का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र–छात्राओं को स्वरोजगार, नवाचार तथा उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध असीम अवसरों से परिचित कराना और उन्हें शासन की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना था।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विभाग के सहायक प्रबंधक श्री प्रफुल्ल कुमार लाखन ने छात्र–छात्राओं को शासन की महत्वाकांक्षी स्टार्ट–अप नीति, नवाचारी विचारों के विकास, नवीन सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों की स्थापना तथा समसामयिक व्यावसायिक मॉडल्स के चयन पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज का युवा केवल रोजगार पाने वाला न बने, बल्कि अपने रचनात्मक और नवाचारी विचारों को सफल व्यवसाय में बदलकर स्वयं रोजगार प्रदाता बने तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करे।

इसी क्रम में वरिष्ठ प्रबंधक उद्योग श्री लोकेश कुमार खापर्डे ने विभागीय योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाली वित्तीय सहायता, रियायतें, सब्सिडी और शासकीय प्रोत्साहनों के बारे में अत्यंत सहज एवं व्यावहारिक भाषा में जानकारी साझा की। उन्होंने विद्यार्थियों का

आह्वान किया कि वे तकनीकी प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत स्वरोजगार स्थापित करने के लिए शासन द्वारा दी जा रही इन विशेष सहूलियतों का भरपूर लाभ उठाएं।

शिविर के समापन सत्र में छात्र–छात्राओं ने स्टार्ट–अप, वित्तीय सहायता, बाजार की मांग एवं शासकीय प्रक्रियाओं से जुड़े कई सवाल पूछे, जिनका विभागीय अधिकारियों द्वारा संतोषप्रद एवं व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किया गया। पूरे सत्र के दौरान उपस्थित युवाओं में स्वरोजगार और नवाचार को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

गोदाम में चोरी, 3 नाबालिग सहित 9 आरोपी बंदी

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र के ग्राम समोदा में गोदाम से निर्माण सामग्री चोरी करने वाले 6 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। चोरी का सामान खरीदने वाले कबाड़ी को भी पकड़ा गया है, जबकि 3 विधि से संघर्षरत बालकों की भूमिका सामने आई है।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थी विमल कुमार ताम्रकार 52 वर्ष, निवासी तमेर पारा ने 29 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि समोदा नदी रोड स्थित उनके खेत के गोदाम में सिविल ठेकेदारी का सामान रखा था। 28 सितंबर की रात 11.38 बजे मोबाइल पर संदिग्ध गतिविधि दिखने पर वे रात करीब 12.25 बजे गोदाम पहुंचे। वहां कुछ लोग सामान चोरी कर ले जा रहे थे। रोकने पर एक आरोपी ने लोहे के पाइप से उनके बाएं पैर में चोट पहुंचाई और सभी फरार हो गए थे। जांच में पुलिस ने लोकेश चंद्राकर और भगवंत देशमुख को हिरासत में लिया। पूछताछ में अन्य आरोपियों की पहचान हुई और पता चला कि चोरी का माल कबाड़ी को बेचा गया है।

इस मामले में पुलिस ने आरोपी लोकेश चंद्राकर समोदा, भगवंत देशमुख (22), समोदा, ताकेश देशमुख (26), योगेश निषाद उर्फ बाऊ (20), समोदा, पिलेश्वर उर्फ प्रवीण देशमुख (18), समोदा तथा कबाड़ी अनुप मिश्रा उर्फ राजू (43), सिरसा खुर्द को गिरफ्तार किया है। तीन नाबालिगों को किशोर न्याय बोर्ड के हाइड्रोलिक जैक, प्लेट वाइब्रेटर, 150 एमएम बेंड पाइप, 40 किलो एल्युमिनियम केबल, 30 किलो लोहे का स्क्रैप, 20 मीटर एमएस पाइप, घटना में प्रयुक्त लोहे का पाइप, मोटरसाइकिल और बिक्री के 1,000 रुपए जब्त किए हैं।

उतई आंदोलन : राकेश ठाकुर समेत 9 कांग्रेस नेताओं को जमानत

दुर्ग (प्रतिदिन राजधानी)

उतई क्षेत्र में 5 वर्षीय बच्ची के साथ रेप एवं हत्या के प्रयास की घटना और कथित अवैध शराब कारोबार के विरोध में कांग्रेस के आंदोलन से जुड़े मामले में गुरुवार को पुलिस ने दुर्ग न्यायालय में चालान पेश किया। जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर समेत 9 कांग्रेस नेताओं ने न्यायालय में उपस्थित होकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की। प्रकरण की सुनवाई न्यायाधीश ईशान व्यास की अदालत में हुई। कांग्रेस विधि विभाग के अधिवक्ता प्रीतम देशमुख, घनश्याम साहू, सौरभ ताम्रकर, दलेश्वर बंजारे एवं जय डहरिया ने आरोपियों की ओर से नियमित जमानत का आवेदन प्रस्तुत किया। न्यायालय ने सभी 9 नेताओं को जमानत दे दी।

मामला अप्रैल 2026 में हुई घटना के विरोध में मिनी माता चौक, उतई में कांग्रेस के प्रदर्शन से जुड़ा है। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी और गृह मंत्री विजय शर्मा का पुतला दहन किया गया था। पुतला बुझाने के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई खींचतान में आरक्षक गिरधर मंडावी का हाथ झुलस गया था। उतई पुलिस ने पहले अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, नेताओं को आरोपी बनाया गया। मई में उनकी गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुचलके पर रिहा किया गया था।

सेवा संकल्प अभियान छोटे आमाबाल में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गुरुवार को ग्राम छोटे आमाबाल में सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप सम्मिलित हुईं।

कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप ने गांव–गांव में स्वास्थ्य व पोषण की अलख जगाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा दीदियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने जमीनी स्तर पर सेवा दे रहीं इन कार्यकर्ताओं के समर्पण और सेवाभाव की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि दूरस्थ गांवों तक मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और जन–जागरूकता संबंधी सेवाओं को पहुंचाने में इन सभी बहनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ परिवार ही सशक्त समाज की नींव होता है, और हमारी कार्यकर्ता बहनें इस दिशा में निरंतर निष्ठापूर्वक कार्य कर रही हैं।

आयोजन के दौरान उपस्थित महिलाओं और कार्यकर्ताओं के साथ पोषण तथा मातृ–शिशु स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक संवाद भी हुआ। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कुआं चौक अब भगवान परशुराम के नाम पर, मूर्ति भी लगेगी

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत इंदिरा मार्केट स्थित कुआं चौक का नामकरण भगवान परशुराम चौक किए जाने एवं भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना के लिए स्थान उपलब्ध कराने की घोषणा के बाद सकल ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने आज नगर पालिक निगम की महापौर अलका बाघमार एवं निगम सभापति श्याम शर्मा के प्रति आभार जताया।

सकल ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों ने महापौर अलका बाघमार एवं सभापति श्याम शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि भगवान परशुराम जी के नाम से चौक का नामकरण एवं उनकी प्रतिमा की स्थापना समाज की आस्था, संस्कृति और गौरव से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है। इससे समाज की भावनाओं को सम्मान मिला है।

इस अवसर पर महापौर ने कहा कि भगवान परशुराम भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। उनके नाम पर चौक का नामकरण और प्रतिमा स्थापना से जुड़ी समाज की भावना का सम्मान किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल नामकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और आस्था के सम्मान का प्रतीक है। नगर निगम द्वारा जनभावनाओं और सामाजिक आस्था से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ लिया जा रहा है। सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम के नाम पर चौक का नामकरण एवं मूर्ति स्थापना का निर्णय सकल ब्राह्मण समाज की भावनाओं से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि समाज की लंबे समय से चली आ रही भावना को सम्मान देते हुए यह पहल की गई है। भगवान परशुराम के आदर्श और उनके जीवन से समाज को सदैव प्रेरणा मिलती रही है।

एशियन गेम्स-2026 का समापन, परेड में नीरू ढांडा ने शान से लहराया तिरंगा

आइची-नागोया। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से शुरू हुए एशियन गेम्स-2026 का रविवार को आधिकारिक रूप से समापन हो गया। नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित भव्य समापन समारोह में भारतीय दल की ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा रहीं। उन्होंने पूरे उत्साह के साथ हाथ में तिरंगा थामकर भारतीय दल का नेतृत्व किया। समारोह की शुरुआत जापान के राष्ट्रगान के साथ हुई।

इसके बाद एथलीटों की परेड शुरू हुई, जिसमें विभिन्न देशों के ध्वजवाहकों ने अपने-अपने दल का नेतृत्व किया। भारत की ओर से नीरू ढांडा ने तिरंगा थामा। वह भारतीय ध्वज लहराते हुए आगे बढ़ रही थीं और उनके साथ भारतीय दल भी अपने शानदार प्रदर्शन से उत्साहित दिखाई दिया। नीरू ढांडा ने इन एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत समेत कुल तीन पदक अपने नाम किए हैं।

दोहा करेगा 21वें एशियन गेम्स की मेजबानीएशियन गेम्स के 21वें संस्करण की मेजबानी कतर (दोहा) करेगा, जो साल 2030 में होगा। दोहा दूसरी बार एशियन गेम्स की मेजबानी करेगा। इससे पहले उसने 2006 में भी इन खेलों की मेजबानी की थी। समापन समारोह के दौरान ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया का झंडा दोहा के प्रतिनिधियों को सौंप दिया गया। समापन समारोह में हजारों खिलाड़ी, अधिकारी और दर्शक मौजूद रहे। भारत 21 स्वर्ण समेत 85 पदकों के साथ चौथे स्थान परभारत ने एशियन गेम्स-2026 में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य समेत कुल 85 पदक जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा।

भारत ने अपने अभियान का समापन पुरुष हॉकी में स्वर्ण पदक के साथ किया। हालांकि, भारत का इस बार का प्रदर्शन 2022 के हांगझोउ एशियन गेम्स की तुलना में कम रहा। हांगझोउ में भारत ने रिकॉर्ड 107 पदक (28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य) जीते थे। इस लिहाज से इस बार भारत के कुल पदक 22 और स्वर्ण पदक सात कम रहे। पदक तालिका में चीन शीर्ष परएशियन गेम्स-2026 की पदक तालिका में चीन शीर्ष पर रहा। चीन ने 169 स्वर्ण, 89 रजत और 83 कांस्य समेत कुल 341 पदक जीते। जापान 83 स्वर्ण, 95 रजत और 91 कांस्य सहित कुल 269 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया ने 39 स्वर्ण, 43 रजत और 68 कांस्य सहित कुल 150 पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

प्रणवी उर्स को मिलेगा एक करोड़ का इनाम, एशियाई खेलों में रचा था इतिहास

नई दिल्ली। एशियाई खेलों में महिला व्यक्तिगत गोल्फ स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स को एएम ग्रीन आईजीपीएल (इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग) की ओर से एक करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रणवी एशियाई खेलों में गोल्फ का व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। इसके अलावा महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली भारतीय महिला गेल्फ टीम की प्रणवी उर्स, अदिति अशोक और दीक्षा डागर को व्यक्तिगत रूप से 25-25 लाख रुपये दिए जाएंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर ने नई दिल्ली के कुतुब गोल्फ कोर्स में आयोजित एक कार्यक्रम में एएम ग्रीन आईजीपीएल, इसकी फ्रेंचाइजी और सहयोगी संगठनों की ओर से मंच से औपचारिक रूप से यह घोषणा की। अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत ने एशियाई खेलों में गोल्फ के स्वर्ण पदक के लिए 24 साल इंतजार किया और प्रणवी ने हमें यह स्वर्ण दिलाया। जिस अंदाज में उन्होंने जीत हासिल की, वह उनके बारे में बहुत कुछ बताता है। अंतिम दौर में एक होल पर उनकी बढ़त कम हो गई थी, फिर भी उन्होंने वापसी की और जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि अदिति, दीक्षा और प्रणवी ने टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीतकर भारतीय महिला गोल्फ के लिए यह दिन खास बना दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि एएम ग्रीन आईजीपीएल उन्हें इनाम देने के लिए तुरंत आगे आया है। गोल्फ देखने वाले हर युवा खिलाड़ी को यह पता होना चाहिए कि जब आप देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो लोग आपका समर्थन करते हैं। अनुराग ठाकुर ने भारतीय गोल्फ के विकास को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि प्रणवी जैसे और गोल्फर तैयार करने के लिए स्कूल के बाद खिलाड़ियों के सामने आने वाले अंतर को खत्म करना जरूरी है। कॉलेज, यूनिवर्सिटी या प्रोफेशनल कोर्स में जाने के बाद कई खिलाड़ी अपना ध्यान करियर बनाने पर केंद्रित कर देते हैं। ठाकुर ने कहा कि एएम ग्रीन आईजीपीएल खिलाड़ियों को ऐसा मंच देने वाली लीग में से एक है, लेकिन देश में ऐसे प्लेटफॉर्म की संख्या अभी कम है। हमें भारतीय गोल्फ के पूरे इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए अधिक निवेश और प्रयास की जरूरत है। एएम ग्रीन आईजीपीएल के प्रो-एम डे कार्यक्रम में मौजूद प्रणवी की बहन विधार्थी उर्स ने भी उनकी खेल शैली को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'पहले दिन से ही मुझे लगता है कि वह आक्रामक खिलाड़ी हैं।

रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप जीता

जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया; स्मरण का शतक, मुकेश कुमार ने 6 विकेट लिए

नई दिल्ली। रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया। श्रीनगर में 1 से 5 अक्टूबर तक खेले गए मुकाबले में रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 237 और दूसरी पारी में 319 रन बनाए। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर की टीम पहली पारी में 278 और दूसरी पारी में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। दूसरी पारी में जम्मू-कश्मीर की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई। टीम 28.4 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। कामरान इकबाल ने 32 और शुभम खजूरिया ने 36 रन बनाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। रेस्ट ऑफ इंडिया के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 10.4 ओवर में 33 रन देकर 6 विकेट लिए। आकाश दीप ने 3 और मुकेश चौधरी ने एक विकेट हासिल किया। रेस्ट ऑफ इंडिया की दूसरी पारी में रविचंद्रन स्मरण ने शानदार शतक लगाया। उन्होंने 153 गेंदों पर 135 रन बनाए। उनकी पारी में 16 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। स्मरण के अलावा सनत सांगवान ने 55 और सुधीप कुमार घरामी ने 33 रन बनाए। रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम पहली पारी में 237 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने 68.1 ओवर में 237 रन बनाए। रविचंद्रन स्मरण ने सबसे ज्यादा 68 रन बनाए, जबकि शिखर मोहन ने 60 रन की पारी खेली। जम्मू-कश्मीर की ओर से सुनील कुमार ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 278 रन बनाए। पारस डोगरा ने 75, लोन नासिर ने 64 और अब्दुल समद ने 57 रन की पारी खेली। इस तरह जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी के आधार पर रेस्ट ऑफ इंडिया पर 41 रन की बढ़त हासिल की। रेस्ट ऑफ इंडिया ने अब तक 63 बार ईरानी कप खेला है और 31 बार खिताब जीता है। मुंबई 15 खिताब के साथ दूसरे नंबर पर है।

निडर होकर खेलें खिलाड़ी, खुद पर रखें भरोसा : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि टीम के खिलाड़ियों को बाहरी दबाव की चिंता किए बिना अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा करना चाहिए। वेस्टइंडीज के खिलाफ छह अक्टूबर से शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 सीरीज से पहले जियोस्टार के कार्यक्रम 'फॉलो द ब्लूज: सरपंच श्रेयस' में अय्यर ने अपने खिलाड़ियों से कैसी सोच की उम्मीद करते हैं, बल्लेबाजी के प्रति उनका क्या नजरिया है और युवा वैभव सूर्यवंशी के साथ उनकी बातचीत के बारे में खुलकर बात की। अय्यर ने कहा कि वह चाहते हैं कि खिलाड़ी निडर होकर खेलें और अपनी सोच या खेलने के तरीके को सीमित न करें। क्योंकि जब आप अपनी स्वाभाविक सोच को रोकते हैं, तो आपकी असली काबिलियत मैदान पर नहीं दिखती। इसलिए, मुझे लगता है कि बाहर से जो उम्मीदें हैं, उनसे कहीं ज्यादा हमें खुद पर भरोसा करना चाहिए। एक टीम के तौर पर आप जानते हैं कि टीम के अंदर क्या चल रहा है और खिलाड़ियों की सोच कैसी है इसलिए, अच्छे और बुरे हर समय में आपको एक-दूसरे का साथ देना होगा और यह पक्का करना होगा कि मुश्किल समय में हर कोई एक-दूसरे के साथ खड़ा रहे। अपनी बल्लेबाजी की रणनीति पर अय्यर ने कहा कि वह परिस्थिति के हिसाब से खेलना पसंद करते हैं। अगर वह पावरप्ले में बल्लेबाजी के लिए आते हैं तो क्षेत्ररक्षण प्रतिबंधों का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे हालात के हिसाब से खेलना पसंद है। अगर मैं पावरप्ले में बल्लेबाजी करने जाता हूं, तो मैं पावरप्ले में मिलने वाली क्षेत्ररक्षण पाबंदियों का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं। मैं मुश्किल समय में भी गेंदबाजों पर हावी होकर खेलना पसंद करता हूं, क्योंकि तभी आक्रामक खेल काम आता है। मेरी सोच शुरू से ही ऐसी रही है, जबसे मैंने रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलना शुरू किया था। एक बार जब मैं जम जाता हूं, तो मैं यह पक्का करने की कोशिश करता हूं कि मेरे बाद आने वाले बल्लेबाजों के लिए एक अच्छा मंच तैयार करूं। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के साथ अपनी बातचीत को लेकर अय्यर ने कहा कि वह उनसे सिर्फ क्रिकेट के बारे में बात नहीं करते। उन्होंने कहा कि मैं वैभव से मैदान के बाहर की चीजों के बारे में बात करते रहते हैं, क्योंकि हर कोई उससे क्रिकेट के बारे में ही बात करता है। हम जानते हैं कि एक इंसान के तौर पर वह कितना प्रतिभाशाली है। इसलिए, मैं उससे मैदान के बाहर की जिंदगी, परिवार और उसकी पसंद-नापसंद के बारे में बात करता हूं। ऐसी बातें करते हुए वह ज्यादा सहज महसूस करते हैं। अय्यर ने आगे कहा कि वैभव बहुत शांत स्वभाव का है, लेकिन मैदान पर उसका अंदाज बेहद आक्रामक है। उन्होंने भरोसा जताया कि जब वैभव को भारतीय टीम में खेलने का पूरा मौका मिलेगा तो वह भारतीय क्रिकेट पर अपना प्रभाव छोड़ेगा। फिलहाल टीम में विश्व कप विजेता सलामी बल्लेबाज मौजूद हैं। वैभव अभी टीम के 15 सदस्यीय दल का हिस्सा है और सही समय आने पर वह जरूर अपनी छाप छोड़ेगा। वेस्टंडीज के खिलाफ सीरीज को लेकर भारतीय कप्तान अय्यर ने साफ किया कि उनकी प्राथमिकता पहले सीरीज जीतना है। इसके बाद ही टीम संयोजन में प्रयोग किए जाएंगे। अय्यर के मुताबिक शुरुआत से ही लगातार प्रयोग करने से खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा कि जब खिलाड़ी सोचने लगते हैं कि उन्हें अगला मैच मिलेगा या नहीं, तो वे दुविधा में चले जाते हैं। मुझे वह मानसिकता पसंद नहीं है, क्योंकि मैं खुद पहले ऐसी स्थिति से गुजर चुका हूं और जानता हूं कि अंदर से कैसा महसूस होता है।

पाकिस्तान में होने वाली ट्राई सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान, असलंका बाहर

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान में होने वाली आगामी वनडे ट्राई-सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा रविवार को कर दी है। इस सीरीज में मेजबान पाकिस्तान और श्रीलंका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी हिस्सा लेगी। सीरीज की शुरुआत 18 अक्टूबर से होगी। श्रीलंका की टीम में दो बदलाव किए गए हैं। पूर्व कप्तान चरिथ असलंका को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि स्पिन ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा भी चोट के कारण टीम का हिस्सा नहीं हैं। इन दोनों की जगह बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो और ऑलराउंडर सहान अराचिगे को टीम में शामिल किया गया है। असंलका ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन किया था। उन्होंने तीन मैचों में क्रमशः 1, 11 और 7 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड दौरे के दौरान हसरंगा चोटिल हो गए थे। इन दो बदलावों के अलावा टीम में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है। यही टीम इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उतरी थी, जहां श्रीलंका को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका 16 खिलाड़ियों की टीम में शामिल हैं लेकिन उनका सफर कुछ शर्तों पर निर्भर है।

वनडे ट्राई-सीरीज के लिए श्रीलंका की एकदिवसीय टीम: कुसल मेंडिस (कप्तान), सहान अराचिगे, दुष्मंथा चमीरा, सचिन्दु कोलोम्बेज, अविष्का फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, जनिथ लियानागे, दिलशान मदुशंका, ईशान मलिंगा, कामिन्दु मेंडिस, कामिल मिशारा, पथुम निसांका, पवन रथनायके, दासुन शनाका, महीश थीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

हार्दिक पांड्या ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

मार्च में आखिरी इंटनरनेशनल मैच खेला था, उनकी जगह सूर्यांश शेडगे को मौका

नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या चोट की वजह से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। सीरीज इसी महीने 6 से 11 अक्टूबर के बीच पुडुचेरी में खेली जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी जगह ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को टीम में शामिल किया गया है। सूर्यांश ने बेगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वे पहले ही टीम के साथ जुड़ गए हैं। हार्दिक ने आखिरी बार आईपीएल 2026 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच मार्च में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में खेला था। सूर्यांश ने जून 2026 में आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में डेब्यू किया था। वे 3 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। इंडिया ए टीम में चुने जाने के कारण अब वे मुंबई के रणजी ट्रॉफी ओपनर में नहीं खेल पाएंगे। मुंबई को 11 अक्टूबर से वानखेड़े स्टेडियम में चंडीगढ़ के खिलाफ पहला मैच खेलना है। हार्दिक के अलावा नमन धीर भी ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 3 अनऑफिशियल वनडे नहीं खेलेंगे। उन्हें 1 अक्टूबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। नमन को वाशिंगटन सुंदर की जगह टीम में मौका मिला है।

बॉलीवुड समाचार

उम्र का पता चलता है क्योंकि हड्डियां दर्द होती है, मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब हो रहा : अजय देवगन

रीजनल सिनेमा हो या हॉलिवुड, बाकी क्षेत्रों की फिल्मों के मुकाबले हिंदी फिल्में बनाना कहीं ज्यादा मुश्किल है। यह कहना है बॉलिवुड के सुपरस्टार अजय देवगन का। इंडस्ट्री में 35 साल लंबा सफर तय कर चुके निर्माता-निर्देशक अजय देवगन फिक्की फ्रेम्स में अपनी अपकमिंग फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर बात कर रहे थे।

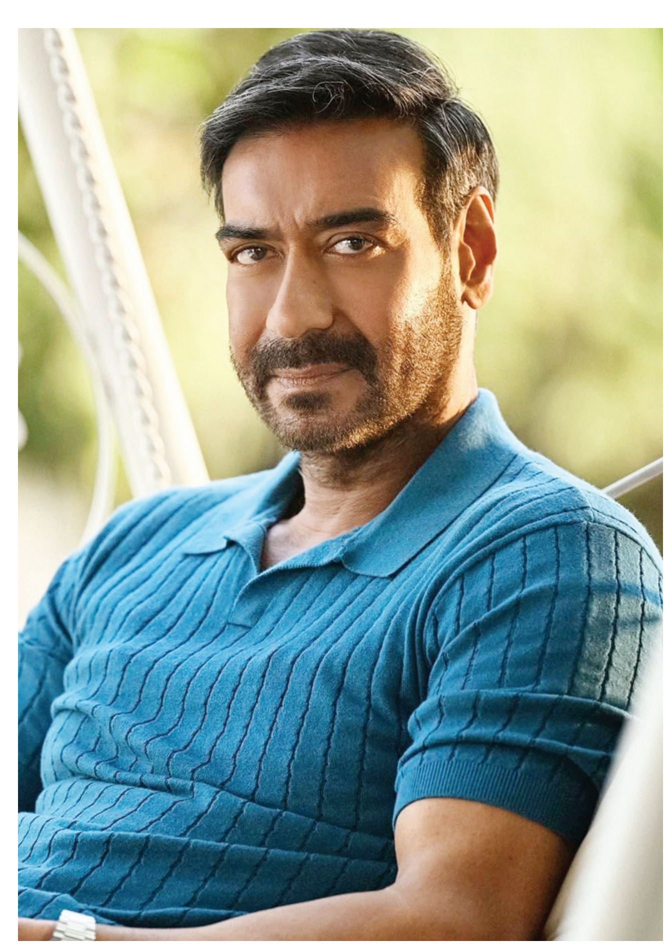

हिंदी की टारगेट ऑडियंस पता नहीं

उन्होंने कहा, 'मैं किसी दूसरे सिनेमा का क्रेडिट कम नहीं कर रहा। आप पारंपरिक सिनेमा कहें या इंटरनैशनल, हर जगह फिल्म बनाना मुश्किल काम है, पर मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म बनाना सबसे मुश्किल है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि आपको पता ही नहीं होता कि आपकी टारगेट ऑडियंस कौन है। जब आप पंजाबी, तेलुगु या तमिल फिल्म बनाते हैं, तो आपको अपना दर्शक वर्ग पता होता है, क्योंकि वह एक खास जगह के लिए बनाई जा रही है। आपको वहां के दर्शकों की नब्ज पता होती है तो आप उसी हिसाब से फिल्म बनाते हैं। जबकि, हिंदी में हर 80-90 किमी के बाद भाषा बदल जाती है, लोग की सोच बदल जाती है। यहां मास और क्लास का फर्क है। शहरी दर्शक, छोटे शहरों के दर्शक, सबअर्ब्स के दर्शक, तो होता क्या है कि एक वर्ग के दर्शकों को फिल्म पसंद आती है, तो दूसरे को नहीं आती, जिससे बिजनेस उतना बड़ा नहीं हो पाता। यहां हमें हर किसी को टारगेट करना पड़ता है, इसलिए मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म लिखना और बनाना सबसे मुश्किल काम है।'

सीक्वल नहीं, किरदार चलते हैं

यहां दृश्यम के सीक्वल की सफलता पर बात करते हुएअजय देवगन ने कहा, 'मेरा मानना है कि सीक्वल नहीं किरदार चलते हैं। आप किसी भी सीक्वल को उठाकर देख लो, वो चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलगांवकर या गोपाल या सिंघम चला है। जब लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। आप किसी फिल्म का सीक्वल सिर्फ इसलिए सीक्वल नहीं बना सकते क्योंकि वह बहुत कमाल की थी और लोगों ने उसे खूब पसंद किया। लोगों को उन किरदारों से प्यार होना चाहिए।'

किरदार से अटैच हुए तो पागल हो जाएंगे : क्या इतने लंबे समय तक एक किरदार को बार-बार निभाते हुए अजय उनसे अटैचमेंट भी महसूस करते हैं? इस सवाल पर उनका कहना था, 'नहीं, मैं किरदार के साथ अटैच नहीं होता हूं। हां, आप उस किरदार को पसंद करने लगते हैं लेकिन अगर ऐक्टर्स अपने किरदारों से अटैच होने लगेंगे तो वे पागल हो जाएंगे। तो आपको पता ही नहीं चलेगा कि आप असल जिंदगी में कौन हैं। आप अपनी असल जिंदगी में भी किरदार ही निभाने लगेंगे। तो आपको उससे डिटैच होना जरूरी है।'

ऑडियंस हमसे आगे निकल चुकी है : बदलते वक्त के साथ खुद को री-इन्वेंट करने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम खुद को री-इन्वेंट कर रहे हैं। असल में हम दर्शकों की सोच के साथ बस कदमताल करने की कोशिश कर रहे हैं। कोविड महामारी के बाद हमें यह समझ में आया कि उस दौरान जब दर्शक घरों में बैठे थे, उन्होंने इंटरनैशनल और हर भाषा का भारतीय सिनेमा खूब देखा। फिर जब चीजें सामान्य हुईं और हमने दोबारा फिल्में रिलीज करनी शुरू कीं तो हमें अहसास हुआ कि दर्शक हमसे काफी आगे निकल चुके हैं और अब हमें उनके साथ कदम मिलाने की जरूरत है। हम वही कोशिश कर रहे हैं और दर्शक जिस तेजी से बदल रहे हैं, उनके साथ कदम मिलाना मुश्किल है। वे लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए हमें लगातार सुधार करना होगा, सीखना होगा और अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना होगा, क्योंकि दर्शक हमसे ज्यादा समझदार हैं। हम उन्हें बेवकूफ नहीं बना सकते।'

मलयालम से बिल्कुल अलग है हिंदी की 'दृश्यम 3' : अजय देवगन की चर्चित फ्रेंचाइजी 'दृश्यम' की तीसरी और आखिरी कड़ी जल्द आने वाली है। अजय ने बताया कि यह हिंदी फिल्म मलयालम सिनेमा के दिग्गज मोहनलाल स्टारर फिल्म से बिल्कुल अलग है। यह पूरी नई कहानी है।'

उम्र का असर है, हड्डियां अब दर्द होती हैं : मुझे भले ही एक्शन फिल्मों के लिए जाना जाता रहा हो। इस फिल्म में भले ही मैंने एक्शन ना किया हो लेकिन उम्र के साथ एक ठहराव और आत्मविश्वास आया है। इसलिए किरदार वही है, लेकिन उसे निभाने का तरीका थोड़ा अलग महसूस हो सकता है। पर यहां मैं कहना चाहूंगा कि बेशक चेहरे से उम्र का पता नहीं चलता लेकिन जब आप जब सुबह सोकर उठते हैं हड्डियां दर्द होती हैं तो उम्र का पता चलता है।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशिकत हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, सोमवार, 05 अक्टूबर 2026
https://epaper. pratidinrajdhani.in

रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक आज रेपो रेट में 0.25 फीसदी की वृद्धि संभव

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की तीन दिवसीय द्वमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक सोमवार से शुरू होगी। रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में मुंबई में अयोजित ये बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक चलेगी। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि इस बार नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी बढ़ोतरी किए जाने की संभावना है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में छह सदस्यों वाली एपपीसी की तीन दिनों तक चलने वाली समीक्षा बैठक में महंगाई, आर्थिक गतिविधियों और नीतिगत ब्याज दरों (रेपो रेट) की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे मौद्रिक नीति के फैसले की जानकारी देंगे। अर्थशास्त्रियों और बैंक अधिकारियों का मानना है पश्चिम एशिया संकट के दोबारा गहराने से पैदा हुए मुद्रास्फीति के दबाव के बीच रिजर्व बैंक अक्टूबर की मौद्रिक नीति की समीक्षा में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की वृद्धि कर सकता है। इससे पहले ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने अक्टूबर-दिसंबर की मौद्रिक समीक्षा की बैठकों में नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25-0.25 फीसदी तक की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने अगस्त में हुई पिछली एमपीसी बैठक में रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा था। 2023 के बाद यह पहली बार होगा जब आरबीआई ब्याज दरों में बढ़ोतरी करेगा।

अमेजन ने अपनी अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी सेवा 'अमेजन नाउ' का विस्तार देश के 120 से अधिक शहरों तक किया

महज दो हफ्तों में दायरा हुआ दोगुना....अमृतसर, अबोहर, जालंधर, अंबाला, मैंगलोर, मणिपाल, वाइजैग, कोच्चि, चंगनास्सेरी, भुवनेश्वर और कारवार जैसे शहरों के ग्राहकों को अमेजन नाउ के जरिए मिनटों में मिल रही है डिलीवरी

बेंगलुरु। अमेजन ने अपनी अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी सेवा अमेजन नाउ के की घोषणा की। यह सेवा अब भारत के 120 से अधिक शहरों में उपलब्ध है - यानी महज दो हफ्तों में इसकी पहुंच दोगुनी हो गई है। अमृतसर, अबोहर, जालंधर, अंबाला, मैंगलोर, मणिपाल, वाइजैग, कोच्चि, चंगनास्सेरी, भुवनेश्वर और कारवार जैसे शहरों के ग्राहकों को अब अमेजन नाउ के जरिए मिनटों में डिलीवरी मिल रही है। यह सेवा रोजमर्रा की जरूरत की दसियों हजार वस्तुओं का व्यापक चयन पेश करती है - ग्रॉसरी (फल-सब्जियों और फ्रोजन फूड सहित), पर्सनल केयर, फैशन व ब्यूटी से लेकर छोटे अप्लायंसेज, होम व किचन प्रोडक्ट्स और भी बहुत कुछ। इन ऑर्डर्स को लगभग 800 माइक्रो-फुलफिलमेंट और अर्बन फुलफिलमेंट सेंटर्स के नेटवर्क के जरिए पूरा किया जाता है। 'अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल से पहले, उत्तर में अमृतसर और

अबोहर से लेकर दक्षिण में कोच्चि और चंगनास्सेरी तक - भारत के भीतरी इलाकों तक अमेजन नाउ के साथ अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी पहुंचाते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हर तिमाही ऑर्डर्स दोगुने होने के साथ अमेजन नाउ, अमेजन इंडिया के इतिहास की सबसे तेजी से बढ़ने वाली ई-कॉमर्स बिजनेस यूनिट बना हुआ है। यह तेज रोलआउट देशभर के ग्राहकों तक तेज और भरोसेमंद डिलीवरी पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस त्योहारी सीजन में हम अपने विस्तार को आगे बढ़ाते हुए सबसे तेज डिलीवरी स्पीड पर उत्पादों का सबसे व्यापक चयन पेश करने के लिए उत्सुक हैं,' अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष - एवरीडे एसेंशियल्स, हर्ष गोयल ने कहा। सितंबर में अमेजन ने घोषणा की थी कि पिछली तीन महीने की अवधि के आधार पर भारत में अमेजन नाउ की वार्षिक सकल बिक्री 1 बिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंच गई है। कंपनी देशभर के 300 से अधिक शहरों के ग्राहकों तक अमेजन नाउ का विस्तार कर भारत का सबसे बड़ा 'डिलीवरी-इन-मिनट्स' नेटवर्क बनाने की राह पर है। कंपनी अपने विशेष फुलफिलमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर का लगातार विस्तार कर रही है, ताकि देशभर के ग्राहकों को विक्रेताओं के उत्पादों का सबसे बड़ा चयन - जब उन्हें जरूरत हो, तब - उपलब्ध कराया जा सके: दसियों हजार उत्पाद मिनटों या कुछ घंटों में, 10 लाख से अधिक उत्पादों का और भी व्यापक चयन उसी दिन, 40 लाख से अधिक उत्पाद अगले दिन और लाखों अन्य उत्पाद अनलिमिटेड, फ्री प्राइम डिलीवरी के साथ। 8 अक्टूबर से शुरू हो रहे इस अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल में ग्राहक अमेजन नाउ पर कई तरह के उत्पादों पर आकर्षक डील्स का लाभ उठा सकेंगे। Amazon.in पर ग्राहकों को स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन, ब्यूटी, होम एसेंशियल्स समेत कई अन्य उत्पादों के व्यापक चयन पर शानदार डील्स मिलेंगी। एसबीआई क्रेडिट और डेबिट कार्ड तथा ईएमआई ट्रांजैक्शन पर ग्राहकों को 10% का इंस्टेंट डिस्काउंट मिलेगा। प्राइम मेंबर्स को 10% तक की अतिरिक्त बचत मिलेगी।

देश के पहले वॉश-केंद्रित सोशल बॉन्ड के जरिए नबकिसान ने जुटाए 180 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की सहायक कंपनी, नबकिसान फाइनेंस लिमिटेड ने ग्रामीण क्षेत्रों में पानी, स्वच्छता और हाइजीन (वॉश) परियोजनाओं के लिए देश के पहले सोशल बॉन्ड के जरिए 180 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि नबकिसान फाइनेंस लिमिटेड ने भारत के पहले ऐसे सोशल बॉन्ड के जरिए 180 करोड़ रुपये जुटाए हैं, जो खास तौर पर पानी, साफ-सफाई और हाइजीन (वॉश) के लिए है। यह बॉन्ड 01 अक्टूबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई) में सूचीबद्ध हुआ। इसे तय राशि से 1.8 गुना ज्यादा सब्सक्रिप्शन मिला है। मंत्रालय ने बताया कि नाबार्ड की सहायक कंपनी, नबकिसान फाइनेंस लिमिटेड का एक अक्टूबर, 2026 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई में भारत का पहला सोशल बॉन्ड लिस्ट हुआ, जो पूरी तरह से वॉटर, सैनिटेशन और हाइजीन (वॉश) सेक्टर के लिए था। कंपनी ने इस बॉन्ड के जरिए 180 करोड़ रुपये जुटाए हैं। वित्त मंत्रालय के मुताबिक 5 साल के इस बॉन्ड की कूपन दर 8.10 फीसदी है, यह सितंबर 2031 में मैच्योर होगा, और इसे क्रिसिल एएए (स्टेबल) और केयर एएए (स्टेबल) की सबसे ऊंची घरेलू क्रेडिट रेटिंग मिली है।

इससे मिलने वाली रकम का इस्तेमाल ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में सुरक्षित पानी, साफ़-सफ़ाई और हाइजीन सुविधाओं तक पहुंच को बढ़ाने में किया जाएगा।

जिससे लोगों की सेहत, आजीविका और जीवन की गुणवत्ता बेहतर होगी।

विशेष आलेख

दुर्गम राहों से विकास के रास्ते तक छत्तीसगढ़ की मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना...

बस्तर के अंदरूनी गांवों में बस की नियमित आवाजाही ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार तक पहुंच को नई दिशा दी

डॉ. दानेश्वरी संभाकर
उप संचालक

रायपुर। किसी गांव के लिए बस सेवा केवल एक जगह से दूसरी जगह जाने का साधन नहीं होती। वह बच्चों के लिए स्कूल पहुंचने का भरोसा, मरीजों के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक जाने का रास्ता, किसानों और वन उपज संग्राहकों के लिए हाट-बाजार तक पहुंच और मजदूरों के लिए काम के बाद घर लौटने की सुविधा भी होती है। छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा संभाग के अनेक गांवों में यह सहज सुविधा लंबे समय तक उपलब्ध नहीं थी। घने जंगलों, पहाड़ी रास्तों, बिखरी बसाहटों और कम यात्री संख्या के कारण निजी बस संचालक इन मार्गों पर सेवा देने से कतराते थे। ग्रामीणों को पिकअप या मालवाहक वाहनों के खुले हिस्से में सफर करना पड़ता था, कई बार अधिक किराया देकर भी, बिना तय समय और बिना बैठने की सुरक्षित जगह के। इसी जरूरत को ध्यान में रखकर छत्तीसगढ़ शासन ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना शुरू की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने दुर्गम और कम यात्री संख्या वाले गांवों को नियमित यात्री परिवहन से जोड़ने का प्रयास किया। योजना का शुभारंभ 4 अक्टूबर 2025 को जगदलपुर से हुआ। एक वर्ष के भीतर इस पहल का विस्तार बस्तर और सरगुजा संभाग के 13 जिलों तक पहुंचा। सितंबर 2026 की स्थिति में 106 मार्गों पर 107 बसें संचालित थीं और 850 ऐसे गांव पहली बार नियमित बस सुविधा से जुड़े, जहां पहले नियमित यात्री बस नहीं पहुंचती थी। एक वर्ष में इन बसों ने लगभग 24 लाख किलोमीटर की दूरी तय की।

सुरक्षित सफर और किराये में राहत

योजना से पहले कोंटा से जगरगुंडा के 83 किलोमीटर के सफर में यात्रियों को पिकअप या मालवाहक वाहन में खुले हिस्से पर खड़े होकर यात्रा करनी पड़ती थी। इसके लिए 200 रुपये या उससे अधिक देना पड़ सकता था। अब इसी मार्ग पर योजना की बस में तय समय पर सीट के साथ यात्रा का किराया 130 रुपये है। गांवों के बीच छोटी दूरी के लिए भी, जहां पहले वाहन उपलब्ध होने पर 200 रुपये तक देने पड़ते थे, अब निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार 50 रुपये में सफर संभव है। यह बदलाव महिलाओं, बच्चों, मरीजों और बुजुर्ग यात्रियों के लिए खास मायने रखता है। बस में सीट और तय समय होने से यात्रा अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित बनती है। जून 2026 में कोंटा-जगरगुंडा मार्ग पर किए गए फील्ड सर्वे में यात्रियों ने बस सेवा को सुरक्षित बताया।

बस्तर में दूरी केवल किलोमीटर से नहीं मापी जाती : बस्तर संभाग के अंदरूनी इलाकों में किसी गांव तक पहुंचना कई बार केवल नक्शे पर दूरी देखने जितना सरल नहीं होता। जंगलों से गुजरते रास्ते, दूर-दूर बसे गांव और सीमित परिवहन विकल्प रोजमर्रा के कामों को भी कठिन बना सकते हैं। सुकमा और बीजापुर जैसे जिलों के अंदरूनी क्षेत्रों तथा नियद नेल्लानार ग्रामों में बस सेवा पहुंचाना इसलिए केवल मार्ग तय करने का काम नहीं था, यह उन इलाकों तक सार्वजनिक सुविधा पहुंचाने की कोशिश थी, जहां नियमित यातायात उपलब्ध कराना व्यावसायिक दृष्टि से कठिन माना जाता था। योजना के तहत सुकमा जिले के पुवर्ती, जगरगुंडा, किस्टाराम और गोलापल्ली जैसे गांव नियमित बस सेवा से जुड़े हैं। बस्तर संभाग में सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर, बस्तर, कोंडागांव और कांकेर जिलों के 55 मार्गों पर 57 बसें चल रही हैं। सरगुजा संभाग के छह जिलों में 51 मार्गों पर 50 बसें संचालित हैं। कुल अधिसूचित मार्गों की लंबाई लगभग 5,300 किलोमीटर है। मार्ग 14 से 105 किलोमीटर तक लंबे हैं और उनकी औसत लंबाई करीब 49 किलोमीटर है। सामान्यत: बसें प्रतिदिन दो यात्राएं करती हैं। योजना की उपलब्धि केवल इस बात में नहीं है कि बसें दुर्गम इलाकों तक पहुंचीं। अहम यह भी है कि स्थानीय जरूरतों के अनुसार मार्ग चुने गए। मार्गों के प्रस्ताव अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तैयार करते हैं। जिला स्तरीय समिति उनकी जांच करती है और राज्य स्तरीय समिति चयन करती है। इससे गांवों की जरूरत और प्रशासनिक समीक्षा, दोनों को प्रक्रिया में जगह मिलती है।

बस से खुलते हैं शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के रास्ते : नियमित बस सेवा का असर कई बार यात्रा के समय से आगे जाकर दिखाई देता है। कोंटा क्षेत्र का 12 वर्षीय एक छात्र रोज बस से भेज्जी के स्कूल जाता है। उसी मार्ग पर चिंतागुफा का आरोग्य मंदिर भी स्थित है। अब मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने का एक नियमित विकल्प उपलब्ध है। स्थानीय विक्रेता आम, महुआ, मुर्गी और अन्य वनोपज लेकर हाट-बाजार जा सकते हैं और उसी दिन गांव लौट सकते हैं। आंध्र प्रदेश में दिहाड़ी पर काम करने वाले मजदूर भी काम के बाद उसी दिन वापस लौट पा रहे हैं, जिससे उन्हें रात बाहर बिताने की जरूरत कम होती है। युवा रोजगार के लिए कोंटा और जगदलपुर तक जा सकते हैं। बसों में यात्रियों के साथ सामान भी पहुंचता है। वन उपज बाजार तक और जरूरत का सामान गांवों तक। इस तरह गांव, हाट और ब्लॉक मुख्यालय के बीच रोजमर्रा का संपर्क मजबूत होता है। बस सेवा का लाभ सुरक्षा बलों के आवागमन में भी दिखाई देता है। मार्गों के सीआरपीएफ कैंपों के जवान भी इन बसों से यात्रा करते हैं। यह उदाहरण बताता है कि नियमित सार्वजनिक परिवहन का असर स्थानीय जीवन के कई पक्षों तक फैल सकता है- शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, रोजगार और आवागमन, सभी इससे जुड़े हैं।

कठिन मार्गों पर सेवा के लिए सरकारी सहयोग : दुर्गम और कम यात्री संख्या वाले मार्गों पर बस चलाने का खर्च संचालकों के

लिए अधिक हो सकता है, जबकि किराये से पूरी लागत वसूलना कठिन रहता है। इस अंतर को कम करने के लिए राज्य सरकार प्रति किलोमीटर वित्तीय सहायता देती है। योजना के तहत पहले वर्ष 26 रुपये, दूसरे वर्ष 24 रुपये और तीसरे वर्ष 22 रुपये प्रति किलोमीटर सहायता का प्रावधान है। बस संचालकों को मासिक मोटरयान कर में अधिकतम तीन वर्ष तक छूट भी दी जाती है। सितंबर 2026 तक 107 बस संचालकों को कुल 5.77 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी जा चुकी थी। बस और किराये का संचालन निजी संचालक करते हैं, सरकार अधिसूचित मार्ग पर सेवा जारी रखने के लिए सहयोग देती है। तकनीक के उपयोग से संचालन और भुगतान की निगरानी भी की जाती है। बसों में वीएलटीडी (जीपीएस) उपकरणों से उनकी स्थिति परिवहन विभाग के नियंत्रण एवं कमांड सेंटर तक पहुंचती है। एमएमजीबीवाई पोर्टल पर बसों की लाइव ट्रैकिंग, मार्ग, ट्रिप और स्टॉपेज की जानकारी उपलब्ध है। भुगतान अधिसूचित मार्ग पर तय किए गए किलोमीटर और ऑनलाइन जीपीएस रिपोर्ट के आधार पर होता है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी दैनिक रिपोर्ट की जांच करते हैं। यात्रियों के लिए समय-सारिणी बस संगवारी ऐप पर उपलब्ध है।

अगले चरण में विस्तार की तैयारी : योजना का अगला चरण इसे नए क्षेत्रों तक ले जाने की दिशा में है। आठ जिलों के अनुसूचित क्षेत्रों के 85 आदिवासी विकासखंडों में बस सेवा विस्तार का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 60 से 80 बसें प्रस्तावित हैं। अनुमान है कि इससे 4,368 ऐसे गांवों और लगभग 14.57 लाख लोगों को लाभ मिल सकता है, जहां अभी बस सुविधा उपलब्ध नहीं है। यात्रियों के लिए यूपीआई और क्यूआर कोड से किराया भुगतान की सुविधा भी प्रस्तावित है। दृष्टिबाधित और बौद्धिक दिव्यांग यात्रियों, दोनों पैरों से चलने में असमर्थ व्यक्तियों, 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों तथा एचआईवी या एड्स से पीड़ित यात्रियों को सहायक सहित 100 प्रतिशत किराया छूट का प्रावधान है। कलेक्टर द्वारा प्रमाणित नक्सल प्रभावित व्यक्तियों को 50 प्रतिशत छूट दी जाती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना ने परिवहन की कमी से जूझ रहे गांवों तक सार्वजनिक सेवा पहुंचाने का एक व्यावहारिक मॉडल प्रस्तुत किया है। बस्तर की दुर्गम राहों पर चलती बसें इस बात का संकेत हैं कि विकास का रास्ता तभी व्यापक होता है, जब वह दूरस्थ गांवों तक पहुंचे। जहां पहले सफर अनिश्चित, महंगा और असुरक्षित था, वहां अब नियमित बस बच्चों को स्कूल, मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र, ग्रामीणों को हाट और श्रमिकों को काम तक पहुंचाने में सहायक बन रही है। यही इस योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि है, दूरी घटने के साथ अवसरों का बढ़ना।

पच्चीस वर्षों का नेतृत्व : बदलती परिस्थितियों के साथ प्रबंधन

राहुल सिंह
शोधार्थी एवं एमबीए गोल्ड मेडलिस्ट

किसी भी नेतृत्व की असली परीक्षा तब होती है, जब परिस्थितियां बदलती हैं और नई चुनौतियां सामने आती हैं। ऐसे समय में केवल निर्णय लेना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि यह समझना भी जरूरी होता है कि किस परिस्थिति में किस तरह का निर्णय और नेतृत्व आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार के प्रमुख के रूप में पच्चीस वर्षों के सार्वजनिक जीवन को इसी प्रबंधन की दृष्टि से भी समझा जा सकता है। 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। वर्ष 2025 में सरकार के प्रमुख के रूप में उनकी सार्वजनिक सेवा के पच्चीसवें वर्ष की शुरुआत हुई। यह लंबी यात्रा नेतृत्व, निर्णय लेने और बदलती परिस्थितियों के साथ काम करने की प्रक्रिया को समझने का अवसर देती है। प्रबंधन के प्रसिद्ध आकस्मिकता सिद्धांत को फ्रेड फीडलर ने विकसित किया था। उनका मानना था कि नेतृत्व की कोई एक शैली हर परिस्थिति में समान रूप से प्रभावी नहीं हो सकती। नेतृत्व कितना प्रभावी होगा, यह परिस्थितियों और अपनाई गई नेतृत्व शैली के बीच संबंध पर भी निर्भर करता है। इसे सरल शब्दों में समझें तो एक संस्था में सामान्य समय और संकट के समय प्रबंधन की जरूरत एक जैसी नहीं होती। सामान्य परिस्थितियों में जहां सहयोग और विचार-विमर्श जरूरी हो सकता है, वहीं संकट के समय तेज निर्णय और स्पष्ट दिशा की आवश्यकता पड़ सकती है। यही बात लंबे समय तक सार्वजनिक नेतृत्व पर भी लागू होती है। पच्चीस वर्षों में आर्थिक, सामाजिक, प्राकृतिक और वैश्विक स्तर पर अनेक प्रकार की परिस्थितियां सामने आई हैं। ऐसी परिस्थितियों में नेतृत्व के सामने केवल निर्णय लेने की चुनौती नहीं होती, बल्कि उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग, प्राथमिकताएं तय करना और अलग-अलग लोगों तथा संस्थाओं के बीच तालमेल बनाना भी जरूरी होता है। फीडलर का सिद्धांत हमें यह समझाता है कि प्रभावी नेतृत्व को केवल नेता के व्यक्तिगत गुणों से नहीं देखा जाना चाहिए। परिस्थिति, कार्य और नेतृत्व शैली—इन तीनों के बीच सही तालमेल भी महत्वपूर्ण है। किसी भी संस्था का प्रबंधक यदि हर परिस्थिति में एक ही तरीके से काम करेगा, तो उसके परिणाम हमेशा समान नहीं होंगे। कर्मचारियों की क्षमता, काम की प्रकृति, समय और बाहरी परिस्थितियों के अनुसार कार्य करने का तरीका बदलना पड़ सकता है। पच्चीस वर्षों की यह सार्वजनिक यात्रा इसलिए प्रबंधन की दृष्टि से भी विचार करने योग्य है। इससे यह प्रश्न सामने आता है कि लंबे समय तक नेतृत्व करते हुए बदलती परिस्थितियों को कैसे समझा जाए, प्राथमिकताएं कैसे तय की जाएं और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कैसे किया जाए।

आंध्र प्रदेश को 3,600 करोड़ रुपये के 3 लाख पक्के मकानों की सौगात, 3D कंक्रीट तकनीक से बनेंगे घर

गुंटूर। राज्य के समग्र विकास और ग्रामीण उत्थान को नई गति देते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को गुंटूर जिले के बुर्रीपालेम गांव में आयोजित समारोह में आंध्र प्रदेश को 3,600 करोड़ रुपये की लागत से 3 लाख पक्के आवासों की सौगात सौंपी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में केंद्रीय मंत्री चौहान ने देश की पहली 3D कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक से बनने वाली 177 पायलट आवास परियोजना की नींव भी रखी। जनसभा में चौहान ने कहा कि दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमरावती में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की 'एक और एक ग्यारह' वाली जोड़ी राज्य को देश का नंबर-1 राज्य बनाने के लिए 360 डिग्री विकास कर रही है।

3 लाख मकान स्वीकृत, मांगेंगे 9 लाख तो वो भी देंगे

बुर्रीपालेम (तेनाली मंडल) में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि मंत्रालय के अधिकारियों ने आंध्र प्रदेश के लिए केवल 76,000 आवासों का कोटा तय किया था। लेकिन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के आग्रह पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से सीधे 3 लाख पक्के मकानों की पहली किस्त स्वीकृत कर दी गई। चौहान ने कहा कि जब बाबू ने और 6 लाख मकानों की मांग रखी, तो उन्होंने भरोसा दिया कि ये 3 लाख मकान पूरे होते ही अगले 3-3 लाख करके कुल 9 लाख आवास स्वीकृत किए जाएंगे और आंध्र में शत-प्रतिशत गरीबों को पक्का मकान मिलेगा।

अमरावती को कानूनी अधिकार और पोलावरम को 100% ग्रांट

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कानून पारित कराकर अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र स्थायी राजधानी का दर्जा दिलाया और 15,000 करोड़ रुपये की विशेष सहायता राशि जारी की। पोलावरम परियोजना को केंद्र सरकार की 100 प्रतिशत ग्रांट से पूरा किया जा रहा है, जबकि अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा राज्य की कनेक्टिविटी बढ़ाएगा।

6 महीने में तैयार होंगे 3D कंक्रीट तकनीक वाले मजबूत घर

बुर्रीपालेम और ओबुलनायडुपालेम में 14 करोड़ रुपये की लागत से शुरू हो रही 3D कंक्रीट प्रिंटिंग परियोजना को आवासीय क्रांति करार देते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह पायलट प्रोजेक्ट समय, लागत और श्रम की बड़ी बचत करेगा। इस आधुनिक तकनीक से ये घर मात्र 6 महीने में बनकर तैयार होंगे, जिनकी मजबूती और उम्र पारंपरिक मकानों से कहीं अधिक होगी।

'अन्दाता सुखी भव' और 60 लाख 'लखपति दीदी' का लक्ष्य

किसानों और महिलाओं के सशक्तीकरण का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र की 6,000 रुपये की पीएम-किसान सम्मान निधि में मुख्यमंत्री नायडू ने 'अन्नदाता सुखी भव' योजना के 14,000 रुपये जोड़कर किसानों को सालाना 20,000 रुपये की आर्थिक मदद दी है।

आंध्र को देश का सबसे बड़ा हॉर्टिकल्चर हब बनाया जाएगा। राज्य में 23 लाख बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं, जिसे 60 लाख तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही, 15 अक्टूबर को पहली बार दिल्ली से बाहर राष्ट्रीय 'सरस मेला' आंध्र प्रदेश में आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी।

'एमपी का मामा हूँ तो एपी का भी मामा हूँ'

चौहान ने अपने संबोधन की शुरुआत 'भारत माता की जय' और तेलुगु भाषा में अभिवादन के साथ की। तेनालीराम की पावन भूमि को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि तेलुगु भाषा बेहद मीठी है। उन्होंने कहा, 'अगर मैं मध्य प्रदेश का मामा हूँ, तो आंध्र प्रदेश का भी मामा ही हूँ।'

डॉ. पेमासानी की सादगी और चंद्रबाबू नायडू के विजन की तारीफ

केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेमासानी के पैतृक गांव आने पर खुशी जताई और जनसेवा के प्रति उनके जुड़ाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र को आईटी हब बनाया और अब अमरावती को एआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी, डेटा सेंटर और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग में आगे ले जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जताया आभार

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार जताते हुए उन्हें आंध्र प्रदेश का भी लाड़ला 'मामा' बताया। उन्होंने कहा कि शिवराज जी ने एक झटके में 3 लाख मकानों की स्वीकृति देकर राज्य की जनता का दिल जीत लिया है। नायडू ने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य के साझा प्रयासों से आंध्र प्रदेश हर क्षेत्र में देश का नंबर-1 राज्य बनेगा। कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेमासानी, आंध्र प्रदेश के नागरिक आपूर्ति मंत्री नादेंडला मनोहर, आवास व सूचना मंत्री कोलसु पार्थसारथी, पर्यटन मंत्री कंडुला दुर्गेश, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पीवीएन माधव, राज्यसभा सांसद भाष्यम रामकृष्ण, सांसद लिंगमनेनी रमेश, हाउसिंग कॉरपोरेशन चेयरमैन बाथुला तातय्या बाबू समेत वरिष्ठ अधिकारी और हजारों की संख्या में ग्रामीण व किसान उपस्थित रहे।

सुधार उत्सव 2026 में वस्त्र मंत्रालय दिखाएगा कपास और रेशम उत्पादन की तकनीकी क्रांति

हैदराबाद में 6 अक्टूबर को होगा आयोजन, किसान-केंद्रित नवाचार और 'खेत से फैशन तक' के दृष्टिकोण पर रहेगा जोर

हैदराबाद। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय और भारतीय कपास निगम (सीसीआई) की ओर से 6 अक्टूबर 2026 को तेलंगाना के हैदराबाद में 'सुधार उत्सव 2026' के तहत एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य कपास और रेशम खरीद व्यवस्था को पारदर्शी, किसान-केंद्रित और तकनीक-संचालित बनाने वाले सुधारों को प्रदर्शित करना है। इसमें नीति निर्माता, सरकारी प्रतिनिधि, उद्योग संघ और किसान हिस्सा लेंगे।

कपास किसानों के लिए तकनीकी मंच

सीसीआई ने कपास खरीद, किसान पंजीकरण, स्लॉट बुकिंग, सीधे भुगतान और गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए कई तकनीक-सक्षम सुधार लागू किए हैं। कार्यक्रम में लघु फिल्म और प्रस्तुति के जरिए दिखाया जाएगा कि कैसे तकनीकी बदलाव किसानों और वस्त्र उद्योग के बीच सीधा संपर्क बना रहे हैं। उच्च घनत्व रोपण प्रणाली (एचडीपीएस) और 'कस्तूरी कपास भारत' पहल के जरिए भारतीय कपास की गुणवत्ता व अंतरराष्ट्रीय पहचान बढ़ाने पर भी संवाद होगा। नई तकनीकी व्यवस्था से पंजीकरण और प्रमाणित भुगतान प्रक्रिया बेहद आसान हो गई है।

रेशम उत्पादन और सिल्क मार्क सेवाओं का डिजिटलीकरण

केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएसबी) भी रेशम उत्पादन को हितधारक-केंद्रित बना रहा है। सिल्क मार्क सेवाओं के डिजिटलीकरण से पंजीकरण और नवीनीकरण आसान हुआ है। अब 7,000 से अधिक अधिकृत उपयोगकर्ता इस प्रणाली से जुड़े हैं और आवेदन एक-दो कार्य दिवस में पूरे हो रहे हैं। 'मेरा रेशम मेरा अभियान' (एमआरएमए) के जरिए प्रयोगशाला की तकनीक खेतों तक पहुंचाई गई है। इसके दूसरे चरण में देश के 218 प्रमुख रेशम उत्पादक जिलों को शामिल कर 73,000 से अधिक किसानों को सीधा लाभ पहुंचाया गया है।

सेरी पर्यटन से जुड़ेंगे किसान और रोजगार

रेशम उत्पादन को पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ने के लिए सेरी-पर्यटन की शुरुआत की गई है। जम्मू-कश्मीर के मानसबल और असम के टोपाटोली स्थित बीज फार्मों को सेरी-टूरिज्म केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां खेत से रेशे तक की पूरी यात्रा का सीधा अनुभव मिलेगा। यह आयोजन सरकार के 'खेत से फाइबर, फाइबर से फैक्टरी, फैक्टरी से फैशन और फैशन से विदेशी' दृष्टिकोण को विश्व स्तर पर और मजबूत करेगा।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को मिला नया जीवन

जैसलमेर के रेगिस्तान में छोड़े गए दो नर जीआईबी

दशक भर की मेहनत रंग लाई, प्राकृतिक आवास में दोबारा बसाने की ऐतिहासिक शुरुआत

जैसलमेर। गंभीर रूप से लुप्तप्राय पक्षी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी) के संरक्षण के लिए रविवार को बड़ी सफलता मिली। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने राजस्थान के जैसलमेर स्थित डेजर्ट नेशनल पार्क के सैम क्षेत्र में दो नर जीआईबी को जंगल में छोड़ दिया। इस दौरान राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा के अलावा केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि वैज्ञानिक समुदाय को निरंतर मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और सहयोग देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और ग्राउंड स्टाफ के लगभग 10 साल के कड़े समर्पण का नतीजा है, जिससे जीआईबी को राजस्थान के रेगिस्तान में वापस बसाने में मदद मिली है।

संरक्षण से जंगली माहौल तक की नई शुरुआत

भारत के जीआईबी संरक्षण कार्यक्रम में यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है। अब तक ध्यान केवल प्रजनन आबादी तैयार करने पर था, लेकिन अब इस प्रजाति को वापस उनके प्राकृतिक आवास में स्थापित करने और संख्या बढ़ाने पर काम शुरू हो चुका है। इस प्रक्रिया से मिलने वाले अनुभवों के आधार पर आगे पक्षियों को मुक्त करने के नियमों व प्रोटोकॉल में सुधार किया जाएगा।

किन संस्थानों की है यह पहल?

यह बस्टर्ड रिकवरी प्रोग्राम पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राजस्थान वन विभाग और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) की एक संयुक्त पहल है। इसमें 'इंटरनेशनल फंड फॉर हौबारा कंजर्वेशन' से तकनीकी सहयोग और 'नेशनल सीएएमपीए' (CAMPA) से वित्तीय सहायता मिल रही है। यह पूरा अभियान संरक्षण प्रजनन, आवास प्रबंधन, खतरों को कम करने, पर्यावास बहाली और स्थानीय समुदायों को जोड़ने पर केंद्रित है।

आंकड़ों में जीआईबी संरक्षण की स्थिति

कुल पक्षी: सैम और रामदेवरा स्थित जीआईबी केंद्रों में वर्तमान में कुल 97 पक्षी हैं।

उत्पत्ति: इनमें से 40 पक्षी जंगल से मिले अंडों से जन्मे हैं, जबकि 57 को कृत्रिम माहौल (कैप्टिविटी) में पाला गया है।

प्रजनन व रिहाई: 86 पक्षियों को प्रजनन के लिए रखा गया है, जबकि 11 पक्षियों को जंगल में छोड़ने के लिए चुना गया है। इन्हीं 11 में से 2 पक्षियों को आज डेजर्ट नेशनल पार्क में छोड़ा गया।

चूजों का जन्म: कृत्रिम प्रजनन के जरिए 2025 में 24 और 2026 में 29 जीवित चूजे पैदा हुए।

वैज्ञानिक तकनीक 'जंपस्टार्ट' से मिली सफलता

जीआईबी की संख्या बढ़ाने में 'जंपस्टार्ट' जैसी नई वैज्ञानिक तकनीकों का बड़ा योगदान रहा है। इस तरीके के तहत कृत्रिम माहौल में दिए गए अंडों को जंगली घोंसलों में रखा गया, जिन्हें मादा पक्षियों ने स्वीकार कर लिया। इसके परिणामस्वरूप राजस्थान में 6 और गुजरात में 2 चूजों का सफल जन्म हुआ।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और आवास सुधार

जीआईबी के प्राकृतिक आवास को बेहतर बनाने के लिए राजस्थान वन विभाग डेजर्ट नेशनल पार्क के भीतर लगभग 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बाड़ लगाकर घास के मैदान तैयार कर रहा है। डब्ल्यूआईआई के लंबे समय से चल रहे टेलीमेट्री अध्ययन में इन बाड़ वाले क्षेत्रों को जीआईबी का प्रमुख प्रजनन स्थल माना गया है। इसके अलावा, गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों व फैसलों के तहत संरक्षण के सभी कार्य किए जा रहे हैं।

आतंक के खिलाफ भारत-UAE-इजराइल का गठबंधन, फ्लाई दुबई में ओमानी को-पायलट की साजिश को मिलकर किया नाकाम

- ओमानी को-पायलट ने फ्लाईदुबई विमान क्रैश करने की कोशिश की।
- भारतीय पायलट, इजरायली यात्रियों ने मिलकर साजिश नाकाम की।
- यह घटना आतंकवाद के खिलाफ क्षेत्रीय गठबंधन दर्शाती है।

तेल अवीव। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि है कि फ्लाईदुबई प्लेन में सवार 172 लोगों की जान बचाने के लिए इजरायली यात्रियों, एक भारतीय पायलट और UAE के क्रू का साथ आना आतंकवाद के खिलाफ तीन देशों के क्षेत्रीय गठबंधन को दिखाता है। ओमान के एक को-पायलट ने कथित तौर पर प्लेन को क्रैश करने की कोशिश की थी।

मंत्रालय एक्स पर लिखा कि जिहादी आतंकवादी दुबई-TLV फ्लाइच को क्रैश करके उसमें सवार सभी लोगों की हत्या करना चाहता था। लेकिन उसका सामना बहादुर इजराइली यात्रियों से हुआ, जिन्होंने उसका मुकाबला किया, साथ ही एक भारतीय पायलट और अमीराती क्रू भी प्लेन को बचाने के लिए डटे रहे। इजराइली, अमीराती और भारतीय तीनों आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हैं। यही हमारे क्षेत्र और दुनिया का भविष्य है।

ओमान के को-पायलट ने भारतीय पायलट पर किया हमला

ओमान के नागरिक हमाम अल-हम्ममी ने कॉकपिट के अंदर भारतीय फ्लाइट कैप्टन स्मित मच्छर पर क्रैश एक्स से हमला किया। भारतीय पायलट ने जवाबी कार्रवाई की।

जब प्लेन खतरनाक ढंग से नीचे गिरने लगा, तो गंभीर रूप से घायल पायलट ने अद्भुत सूझबूझ दिखाई और कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया, जिससे इजराइली यात्री अंदर आ सके और हमलावर को काबू कर सके। ड्यूटी पर न होने वाले दो पायलटों ने प्लेन को संभाला और सुरक्षित लैंड कराया।

कैप्टन स्मित मच्छर का इलाज जारी

मच्छर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया और वे ठीक हो रहे हैं। वे खतरे से बाहर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप सहित दुनिया के कई नेताओं ने पायलट के बहादुरी भरे काम की तारीफ की है।

ओमान के को-पायलट की पृष्ठभूमि खड़े हुए सवाल

इस घटना ने ओमान के पायलट की पृष्ठभूमि को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पायलट को उसके अपने देश में चरमपंथी विचारों के कारण उड़ान भरने से रोक दिया गया था, लेकिन उसे फ्लाईदुबई के लिए काम करने की इजाजत मिल गई थी।

अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि ओमान के नागरिक को जिस देश के साथ इजराइल के राजनयिक संबंध नहीं हैं, तेल अवीव के लिए उड़ान भरने की इजाजत कैसे मिली।

नेतन्याहू ने पिछले हफ्ते कहा था कि इजराइल का एयरलाइंस के साथ समझौता है कि वे ऐसे पायलटों को देश में उड़ान भरने से रोकें जो उन देशों के नागरिक हैं जिनके इजराइल के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं। यह घटना UAE में नेतन्याहू के दौरे के कुछ दिनों बाद हुई।

अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को निकाला

वॉशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को देश से बाहर भेज दिया है। दोनों संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे थे, लेकिन महासभा खत्म होने के बाद भी वहीं रुके रहे। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी विदेश विभाग ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित ईरानी मिशन को निर्देश दिया था कि यूएन महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्य अमेरिका से रवाना हो जाएं। ज्यादातर प्रतिनिधि चले गए, लेकिन दो राजनयिक न्यूयॉर्क में ही रुके रहे। शुक्रवार को अमेरिकी अधिकारियों ने ईरानी मिशन को बताया कि उन्हें दोनों के अब भी न्यूयॉर्क में मौजूद होने की जानकारी है। इसके बाद ईरान को दोबारा संदेश भेजकर दोनों राजनयिकों को तुरंत अमेरिका छोडऩे के लिए कहा गया। इसके बाद एक राजनयिक शुक्रवार रात और दूसरा शनिवार सुबह न्यूयॉर्क से रवाना हो गया।

ट्रंप ने खूफिया प्रमुख क्लेटन को एआई जार नियुक्त किया, 120 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी के निदेशक जे क्लेटन को प्रशासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मामलों का प्रमुख नियुक्त किया है। अगस्त में राष्ट्रीय खुफिया प्रमुख की जिम्मेदारी संभालने वाले क्लेटन अब व्हाइट हाउस द्वारा गठित एक नए पैनल का नेतृत्व करेंगे। इस पैनल को कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े जोखिमों और संभावनाओं का आकलन कर 120 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का दायित्व दिया गया है।

जे क्लेटन ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक विशेष समूह गठित करने के निर्देश दिए हैं, जिसे 'सुपर इंटेलिजेंस फोर्स नाम दिया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अमेरिका उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखे और साथ ही अमेरिकी नागरिकों के हितों तथा सुरक्षा की रक्षा की जा सके।

नए पैनल को कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े संभावित खतरों का व्यापक आकलन करने का जिम्मा सौंपा गया है। इसमें आंकड़ों में सेंध, कंप्यूटर तंत्र में अनधिकृत प्रवेश और अन्य सुरक्षा घटनाओं से निपटने के लिए मौजूदा सरकारी सूचना एवं रिपोर्टिंग व्यवस्था की समीक्षा भी शामिल है।

पैनल संघीय सरकार की आपात प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करने के उपाय भी सुझाएगा। इसके तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित किसी गंभीर घटना की पहचान, सूचना साझा करने और उससे निपटने की सरकारी क्षमता को बेहतर बनाने पर जोर दिया जाएगा।

हाल के सप्ताहों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सुरक्षा को लेकर अमेरिका में चर्चा तेज हुई है। कुछ शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि इस तकनीक का विकास और उपयोग पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना जारी रहा तो आने वाले वर्षों में यह मानव समाज के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। कुछ विशेषज्ञों ने अगले एक दशक के भीतर इसके संभावित खतरनाक प्रभावों को लेकर भी चिंता जताई है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

मुंगेली, (प्रतिदिन राजधानी)

सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छ भारत दिवस के अंतर्गत जिले में 卐स्वच्छता ही सेवा卐 की भावना के साथ विभिन्न नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया गया। गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, नागरिकों एवं स्वच्छता कर्मियों ने सहभागिता कर स्वच्छ एवं सुंदर नगरीय क्षेत्र के निर्माण का संदेश दिया। नगर पालिका परिषद लोरमी द्वारा सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत 卐स्वच्छता ही सेवा卐 घटक के तहत स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। अभियान में शुभ पेट्रोल पंप से गांधी प्रतिमा होते हुए चार खम्भा चौक तक नागरिकों की सहभागिता से साफ–सफाई की गई। साथ ही एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण किया गया। अभियान के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, कचरे का उचित निपटान करने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया। नागरिकों की सहभागिता ने यह दर्शाया कि स्वच्छ शहर के निर्माण में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इसी क्रम में नगर पंचायत सरगांव में सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर स्वच्छता अभियान के साथ सफाई मित्र एवं स्वच्छता दीदियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष श्री परमानंद साहू की सहभागिता में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता कर्मियों के योगदान को सम्मानित किया गया। स्वच्छता मित्र एवं स्वच्छता दीदियां प्रतिदिन अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए नगर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके कार्य एवं सेवाभाव को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इन गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देने और नागरिकों की सक्रिय सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के लिए नियमित साफ–सफाई के साथ प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी और सहभागिता आवश्यक है।

पीएम सूर्य घर योजना से घर की छत बनी बिजली का स्रोत, बिजली बिल में मिल रही

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)

स्वच्छ, हरित एवं सतत ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ जिले के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों के नागरिकों को मिल रहा है। घरों की छत पर सोलर पैनल स्थापित होने से परिवारों को बिजली की जरूरतें पूरी करने के साथ बिजली बिल में राहत मिल रही है। जिला प्रशासन द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विद्युत विभाग के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है।

रायगढ़ के ग्राम बनसिया के निवासी अशोक कुमार मानिकपुरी ने योजना का लाभ लेकर अपने घर में सोलर पैनल स्थापित कराया है। वे बताते हैं कि सोलर पैनल लगने के बाद उन्हें इसका अच्छा लाभ मिल रहा है। घर की बिजली जरूरतों को सौर ऊर्जा के माध्यम से पूरा करने में मदद मिल रही है और बिजली खर्च में भी राहत महसूस हो रही है। उन्होंने योजना का लाभ के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित किया। बता दें कि सौर ऊर्जा अब केवल बड़े संस्थानों तक सीमित नहीं है, बल्कि सामान्य परिवार भी अपने घर की छत को ऊर्जा उत्पादन का माध्यम बना रहे हैं। इससे स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलने के साथ परिवारों को आर्थिक बचत का लाभ भी मिल रहा है। विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता के सब्सिडी का प्रावधान है। बैंक के माध्यम से आसान किश्तों पर ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है।

नमो ड्रोन दीदी योजना से किसानों की पैसे एवं समय की हो रही बचत

मुंगेली, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार द्वारा स्व–सहायता समूह की महिलाओं को कृषि सेवाएँ प्रदान करने के लिए ड्रोन तकनीक से लैस करके उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से नमो ड्रोन दीदी योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत महिलाओं को ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण देकर कृषि में ड्रोन का इस्तेमाल करने में सक्षम बनाया जा रहा है। योजनांतर्गत चयनित महिला या समूह को ड्रोन और सहायक उपकरण दिए जाते हैं। साथ ही ड्रोन से जुड़े खर्चों को कम करने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जाती है।

जिले के नगर पंचायत सरगांव की नमो ड्रोन दीदी गोदावरी साहू ने बताया कि वे विहान अंतर्गत जय माता दी महिला स्व–सहायता समूह की सदस्य है। नमो ड्रोन योजना अंतर्गत इफको के माध्यम उन्हें ग्वालियर में 15 दिन का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें थ्योरी व प्रेक्टिकल के साथ ग्राउंड लेवल पर ड्रोन को चलाने के संबंध में जानकारी दी गई। इसके बाद फूलपूर में 05 दिवसीय ड्रोन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। वह अब ड्रोन के माध्यम से किसानों के खेतों में नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और कीटनाशक का छिड़काव करती है। इससे किसानों के पैसे और समय की बचत हो रही है। इसके साथ ड्रोन से वायु प्रदूषण भी नहीं होता। उन्होंने बताया कि ड्रोन के माध्यम से एक ही दिन में 20 से 25 एकड़ खेत में कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव हो जाता है।

मिनीमाता महतारी जतन योजना बनी नंदरानी साहू के लिए आर्थिक संबल

मुंगेली, (प्रतिदिन राजधानी)

शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए कठिन समय में आर्थिक सहारा बन रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी मुंगेली विकासखंड के ग्राम सोढ़ार, गांधी नगर निवासी नंदरानी साहू की है, जो पेशे से निर्माण श्रमिक हैं। गर्भावस्था के दौरान उन्हें चिंता थी कि प्रसव के अंतिम दिनों और प्रसव के बाद कुछ समय तक काम पर नहीं जा पाने से परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई हो सकती है। ऐसे समय में छत्तीसगढ़ शासन, श्रम विभाग की मिनीमाता महतारी जतन योजना उनके लिए राहत का माध्यम बनी। प्रसव के उपरांत नंदरानी साहू ने योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन किया, जिसके बाद उन्हें एकमुश्त 20 हजार की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। यह राशि प्रसव के बाद उत्पन्न आवश्यक खर्चों को पूरा करने में उनके परिवार के लिए उपयोगी साबित हुई। इससे दवाइयों, पोषण आहार, नवजात शिशु के कपड़ों सहित अन्य जरूरी घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिली।

हितग्राही नंदरानी साहू ने बताया कि उन्होंने अपने द्वितीय प्रसव के लिए योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन किया था। शासन से प्राप्त 20 हजार रूपए की आर्थिक सहायता उनके और उनके परिवार के लिए उपयोगी रही। प्रसव के बाद जब काम पर जाना संभव नहीं था, उस समय इस आर्थिक सहयोग से परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिली। उन्होंने बताया कि योजना की राशि का उपयोग दवाई, पोषण आहार, नवजात शिशु के कपड़े तथा अन्य आवश्यक घरेलू जरूरतों को पूरा करने में किया गया। नंदरानी साहू के लिए शासन की यह सहायता प्रसव के बाद के समय में परिवार की जरूरतों को संभालने में महत्वपूर्ण सहारा बनी।

श्रम पदाधिकारी मुंगेली श्रीमती नचिकेता तिवारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन, श्रम विभाग द्वारा संचालित मिनीमाता महतारी जतन योजना का उद्देश्य महिला श्रमिकों एवं उनके परिवारों को प्रसव के पश्चात आने वाली आवश्यकताओं को पूरा करने में आर्थिक सहायता प्रदान करना है। नंदरानी साहू को मिला 20 हजार का लाभ इस योजना के माध्यम से महिला श्रमिक परिवारों को मिलने वाली सहायता का उदाहरण है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में अब तक 594 महिला निर्माण श्रमिकों को प्रति प्रसव 20 हजार के मान से कुल 01 करोड़ 18 लाख 80 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। वहीं, असंगठित क्षेत्र की 261 महिला श्रमिकों को महतारी जतन योजना के तहत कुल 52 लाख 20 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। गांवों में शिविर लगाकर श्रमिकों को दी जा रही सुविधा

श्रम पदाधिकारी ने बताया कि निर्माणी एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के पंजीयन, नवीनीकरण एवं ई–केवाईसी के लिए जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित श्रम विभाग की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 05 एवं 06 पथरिया के ग्राम भटगांव, विकासखंड लोरमी के ग्राम झाफल तथा विकासखंड मुंगेली के ग्राम कंतेली में शिविर आयोजित होंगे।

लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने मनाई गांधी–शास्त्री की जयंती

प्रतापपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने 2 अक्टूबर को भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर याद किया।

कांग्रेसियों ने कहा कि सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह को अन्याय के खिलाफ सबसे प्रभावशाली अस्त्र बनाने वाले महात्मा गांधी ने न केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम को दिशा दी, बल्कि पूरी दुनिया को मानवता, करुणा और शांति का मार्ग दिखाया। आज जब उनके विचारों और मूल्यों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हैं, तब बापू के सत्य, अहिंसा, सद्भाव और न्याय के सिद्धांतों पर अडिग रहना ही उन्हें हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है।

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जीवन भारत के लिए समर्पण की अद्भुत मिसाल है। भूमि सुधारों से लेकर हरित और दुग्ध क्रांति की नींव मजबूत करने तक, रेलवे में तीसरी श्रेणी समाप्त करने से लेकर बसों में महिलाओं के लिए सीटों की व्यवस्था तक और 1965 के युद्ध में देश को दृढ़ नेतृत्व देने तक, राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान अविस्मरणीय है। गांधीवादी मूल्यों से परिपूर्ण उनका सरल जीवन हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा।

कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित सिंह देव, रमेश जयसवाल, सराफत अली, देवनारायण सिंह, मामू प्रसाद अग्रवाल, देवधारी पटेल, कृष्णा प्रसाद यादव, गणेश गुप्ता, जगरोपन यादव, मकसूद हुसैन, मोजिब खान, रामसुजान द्विवेदी, जसीमुद्दीन खान, इमरान हुसैन, हरेंद्र गुप्ता, अम्बिका यादव आदि उपस्थिति रही।

संगम चौक पर मिले दो मासूम, पुलिस ने चंद घंटों में परिजनों से मिलाया

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

शहर के संगम चौक पर परिजनों से बिछड़े दो मासूम बच्चों को कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचा दिया। बच्चों के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और सरगुजा पुलिस के प्रति आभार जताया।

पुलिस के अनुसार, 2 अक्टूबर को संगम चौक अंबिकापुर में दो बच्चे लावारिस हालत में घूमते हुए पाए गए। इसकी सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस टीम और आसपास के जिम्मेदार नागरिकों ने दोनों बच्चों को सुरक्षा के लिए थाना पहुंचाया। पुलिसकर्मियों ने बच्चों से आत्मीयता से बातचीत कर उनके घर और परिजनों के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया।

बच्चों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल आसपास के क्षेत्रों और संभावित स्थानों पर उनके परिजनों की तलाश शुरू की। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप कुछ ही घंटों में दोनों बच्चों के परिजनों का पता लगा लिया गया। परिजनों के थाना पहुंचने पर आवश्यक पहचान एवं प्रक्रिया के बाद दोनों बच्चों को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया।

बच्चों को सुरक्षित देखकर परिजनों के चेहरे पर खुशी लौट आई। उन्होंने पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता के लिए आभार व्यक्त किया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के दिशा–निर्देशन में गुम एवं लावारिस बच्चों के मामलों में सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

गांधी-शास्त्री जयंती पर कांग्रेस ने किया नमन

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस एवं गांधी जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से राजीव भवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। गौरतलब है कि 2 अक्टूबर 2026 को महात्मा गांधी की 157वीं और लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती मनाई गई।

राजीव भवन में आयोजित विचारगोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में महात्मा गांधी ने अलग–अलग विचारधाराओं को एकजुट कर देश की आजादी के आंदोलन को व्यापक स्वरूप दिया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने लाल बहादुर शास्त्री के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि 1965 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के बाद शास्त्री ने खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयास किए। उन्होंने 'जय जवान, जय किसान' के संदेश के माध्यम से देश के किसानों और जवानों के योगदान को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष लोकेश कुमार ने किया, जबकि आभार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह धंजल ने व्यक्त किया। इस दौरान पीसीसी महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा सहित कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांधी जयंती पर कांग्रेस सेवादल के नेतृत्व में राजीव भवन से गांधी चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा तक प्रभातफेरी निकाली गई। प्रतिमा स्थल पहुंचकर सेवादल कार्यकर्ताओं ने परिसर की सफाई की और इसके बाद गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

प्रभातफेरी में कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह धंजल, सेवादल के संभागीय प्रभारी महासचिव विनीत विशाल जायसवाल, सेवादल जिलाध्यक्ष लोकेश कुमार, महिला जिलाध्यक्ष प्रीति सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

गांधी–शास्त्री जयंती पर विद्यार्थियों ने लिया स्वच्छता का संकल्प

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

संजय नगर स्थित के.आर. टेक्निकल कॉलेज में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर गांधी–शास्त्री जयंती एवं स्वच्छता संकल्प दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम 'स्वच्छ परिसर–स्वच्छ समाज' रही। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छता, सेवा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी विनितेश गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य और स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रितेश वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गांधीजी की स्वच्छता, सत्य एवं अहिंसा तथा लाल बहादुर शास्त्री की सादगी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा आज भी युवाओं के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा और डिग्री हासिल करने के साथ जिम्मेदार, संवेदनशील एवं राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तकनीक, इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय मूल्यों को भी साथ लेकर चलना चाहिए।

डायरेक्टर डॉ. रीनू जैन ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने और महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, विचारों और आदर्शों पर भाषण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गांधीजी के प्रिय भजन की भावपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सादगी, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया गया।

शासी निकाय के उपाध्यक्ष राहुल जैन ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सामूहिक रूप से स्वच्छता की शपथ दिलाई। सभी ने घर, महाविद्यालय और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने, कचरा इधर–उधर नहीं फेंकने तथा दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। इसके बाद 'एक विद्यार्थी–एक सेवा संकल्प' अभियान के तहत विद्यार्थियों ने संकल्प कार्ड भरे। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने सहभागिता कर परिसर की साफ–सफाई की। कार्यक्रम का आयोजन के.आर. टेक्निकल कॉलेज एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

विजयादशमी महोत्सव में खुले मंच पर गूंजेगा संभाग स्तरीय मानस गायन

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सरगुजा संभाग के प्रमुख जन–उत्सव विजयादशमी महोत्सव 2026 को भव्य और व्यापक स्वरूप देने की तैयारियों को लेकर सरगुजा सेवा समिति एवं नागरिक समिति की संयुक्त बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक में आयोजन की अब तक की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आगामी रणनीति तय की गई। इस दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

सरगुजा सेवा समिति की अध्यक्ष रजनी रविशंकर त्रिपाठी और नागरिक समिति के अध्यक्ष अजय अग्रवाल की संयुक्त अध्यक्षता में हुई बैठक में महापौर मंजूषा भगत, नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद, अखिलेश सोनी, अग्रवाल सभा अध्यक्ष संजय मित्तल, भारत सिंह सिसोदिया, ललन प्रताप सिंह एवं त्रिलोक कपूर कुशवाहा सहित समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष संभाग स्तरीय रामचरितमानस गायन प्रतियोगिता सरस्वती शिशु मंदिर सभागार के बजाय कलाकेंद्र मैदान के खुले मंच पर आयोजित की जाएगी। आयोजकों के अनुसार खुले परिसर में आयोजन होने से अधिक संख्या में श्रद्धालु और आम नागरिक मानस गायन का आनंद ले सकेंगे।

महिला मानस मंडलियों की होगी अलग प्रतियोगिता

इस वर्ष महिला मानस मंडलियों के लिए पृथक संभाग स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली मंडलियों को पुरस्कृत किया जाएगा। महिला वर्ग का प्रथम पुरस्कार 11 हजार रुपए महापौर मंजूषा भगत तथा पुरुष वर्ग का प्रथम पुरस्कार नरेंद्र सिंह टुटेजा के सौजन्य से दिया जाएगा।

सरगुजा की लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संभाग स्तरीय लोक नृत्य प्रतियोगिता में शैला (सैलानी) और सुगा नृत्य की अलग–अलग प्रतियोगिताएं कराने का निर्णय लिया गया।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में बिलासपुर प्रवास सफल, संगठन का हुआ ऐतिहासिक विस्तार

तखतपुर व चकरभाठा में नवीन इकाइयों का गठन, बिलासपुर में ट्रांसपोर्ट एवं महिला चेम्बर की घोषणा, छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन ने किया सतीश थौरानी का भव्य सम्मान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी जी के कुशल एवं ओजस्वी नेतृत्व में चेंबर के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का बिलासपुर प्रवास अत्यंत ऐतिहासिक एवं सफल रहा। इस संगठनात्मक प्रवास के दौरान बिलासपुर जिले में व्यापारिक गतिविधियों को गति देने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

प्रवास के दौरान संगठन का विस्तार करते हुए बिलासपुर जिले के तखतपुर एवं चकरभाठा को नवीन चेंबर इकाई के रूप में विधिवत गठित किया गया। पदाधिकारियों के कुशल नेतृत्व, दीर्घ व्यापारिक अनुभव एवं चेंबर के प्रति समर्पण को देखते हुए श्री राकेश मंदानी जी को तखतपुर इकाई अध्यक्ष तथा श्री अशोक जोतवानी जी को चकरभाठा इकाई अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी जी एवं चेंबर प्रतिनिधिमंडल ने दोनों नवनियुक्त इकाई अध्यक्षों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए व्यापारिक हितों में सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया।

इसके साथ ही बिलासपुर चेम्बर इकाई के अध्यक्ष श्री भागचंद बजाज जी एवं इकाई पदाधिकारियों द्वारा आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी जी तथा चेम्बर प्रतिनिधियों की उपस्थिति में बिलासपुर चेम्बर इकाई ट्रांसपोर्ट चेम्बर एवं महिला चेम्बर का गठन किया गया। इस अवसर पर श्री नवदीप लुथरा जी को ट्रांसपोर्ट चेम्बर का अध्यक्ष तथा श्रीमती प्रेमलता गुप्ता जी को महिला चेम्बर के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। इस निर्णय से क्षेत्र के परिवहन व्यवसायियों एवं महिला उद्यमियों को संगठन में नई पहचान और मजबूती मिलेगी।

प्रवास की अगली कड़ी में छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित उपभोक्ता जागरूकता अभियान कार्यक्रम में चेम्बर प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ। पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्री मुर्तुजा बनक जी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी जी का भव्य स्वागत किया गया। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री कमल सोनी जी एवं उनकी टीम द्वारा श्री सतीश थौरानी जी को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय सम्मान किया, साथ ही श्री सोनी जी द्वारा चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर इस्तीफा दिया गया था उसे उन्होंने वापस लिया। अब वे बिलासपुर संभाग प्रभारी एवं चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर यथावत रहेंगे।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी जी ने अपने संबोधन में कहा कि चेंबर का मुख्य ध्येय प्रदेश के प्रत्येक व्यापारी के अधिकारों की रक्षा करना और संगठन को हर क्षेत्र में सशक्त बनाना है। तखतपुर व चकरभाठा में नई इकाइयों के गठन तथा ट्रांसपोर्ट व महिला चेंबर की शुरुआत से व्यापारिक एकता को एक नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।

बैठक के दौरान बिलासपुर के व्यापारिक विकास और स्थानीय समस्याओं पर भी विस्तृत मंथन किया गया। इसमें व्यापार विहार की दुकानों की फ्री–होल्ड प्रक्रिया, बिलासपुर के थोक बाजार को और अधिक विकसित करने, रेलवे कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक हब के निर्माण, औद्योगिक क्षेत्रों के विस्तार तथा व्यवसाय व व्यापार से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा एवं विचार–विमर्श हुआ। माननीय सतीश थौरानी जी ने व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इन सभी समस्याओं के त्वरित और समुचित समाधान के लिए चेम्बर द्वारा ठोस एवं शीघ्र कदम उठाए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष श्री कमल सोनी ने कहा कि मैं अपना कर्म करूँगा, बाकी औपचारिक आभार और वगैरह तो लिखित में दे दी जाएगी, लेकिन मैं अपने दिल से आपको साधुवाद देता हूँ। बिलासपुर के प्रति आपकी सोच को साधुवाद देता हूँ। आपका आगमन हमारे लिए ऊर्जा का काम करेगा। हम सब मिलकर चेम्बर का वैसे ही जैसे काम कर रहे हैं, और करते रहेंगे।

चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेश वासवानी ने सबको धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने जिस मुकाम पर बिलासपुर का नाम रोशन किया है। लोग पूछते थे कि सराफा एसोसिएशन होता है, लेकिन आज जानते हैं कि कमल सोनी हैं तो सराफा एसोसिएशन है। ऐसे आपने अपना नाम कमाया है जिसके लिये आप सभी बधाई के पात्र हैं। श्री वासवानी ने उपस्थित सदस्यों को चेम्बर की गतिविधियों से अवगत कराते हुए प्रदेश की सबसे बड़ी व्यापारी संस्था छत्तीसगढ़ चेम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज से जुड़े रहने की अपील की।

चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष श्री राधाकिशन सुन्दरानी ने अपने उद्बोधन में उपस्थित समस्त चेम्बर पदाधिकारियों एवं सदस्यों को कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा कहा कि रायपुर सदैव बिलासपुर को छोटे भाई की तरह मानता रहा है तथा आगे भी हम एक होकर साथ खड़े रहेंगे।

इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी, राधा कृष्ण सुंदरानी, कमल सोनी, उपाध्यक्ष राजेश गुरुनानी, दिलीप इसरानी, नवदीप सिंह अरोरा, धीरज रोहरा, अभिषेक विधानी, जितेंद्र बड़वानी, मंत्री अनिल विधानी, बिलासपुर चेम्बर इकाई अध्यक्ष भागचंद बजाज, सचिव मोहित सराफ, कोषाध्यक्ष अविनाश आहूजा, बिलासपुर इकाई ट्रांसपोर्ट चेम्बर अध्यक्ष नवदीप लुथरा, महिला चेम्बर अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता गुप्ता, बिलासपुर व्यापार विहार मर्चेंट एसोसिएशन अध्यक्ष नानकराम खाटूजा, तखतपुर इकाई अध्यक्ष राकेश मंदानी, चकरभाठा इकाई अध्यक्ष अशोक जोतवानी, सदस्य विनोद मेघानी, कमल विधानी, पवन वाधवानी, राजू धामेचा, मुरली संतान, लखन नागदे, आलोक घई, सुरेश सिदारा, नंदलाल बजाज, मोहनलाल भागवानी, शंकर मनचंदा, अमर चावला, राम सुखीजा, वेंकटेश पटेल सहित शहर के चेंबर के पदाधिकारी एवं विभिन्न व्यावसायिक संगठनों से उनके पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स को राष्ट्रीय सम्मान

मध्य भारत में 'Most Emerging Jewellery Retailer in Tier 2-3' से सम्मानित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय आभूषण उद्योग के सबसे प्रतिष्ठित मंच पर मध्य भारत के व्यापारिक कौशल ने राष्ट्रीय स्तर पर छाप छोड़ी है। रायपुर के प्रतिष्ठित आभूषण संस्थान अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स प्रा. लि. (AT Jewellers) को इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) द्वारा आयोजित IIJA अवार्ड नाइट में Most Emerging Jewellery Retailer in Tier 2–3' श्रेणी में सर्वोपरि चुना गया है।

यह सम्मान ब्रांड की बेदाग शुद्धता, ग्राहकों के दशकों पुराने अटूट विश्वास, समकालीन एवं पारंपरिक डिजाइनों के अनूठे संगम और मध्य भारत में सुदृढ़ रिटेल उपस्थिति का प्रमाण है।

आईबीजेए देश की सबसे पुरानी और शीर्ष बुलियन संस्थाओं में शुमार है। इस भव्य अवार्ड नाइट में देशभर के अग्रणी ज्वेलरी ब्रांड्स को विनिर्माण उत्कृष्टता, डिजाइन नवाचार और रिटेलिंग में योगदान के लिए आंका जाता है।

कार्यक्रम में IBJA के इंटरनेशनल प्रेसिडेंट श्री पृथ्वीराज कोठारी और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के संस्थापक श्री जिग्नेश शाह विशेष रूप से उपस्थित रहे। बॉलीवुड सितारे अरबाज खान, अमीषा पटेल, सेलिना जेटली, मीनाक्षी शेषाद्रि और संगीता बिजलानी ने शाम की शोभा बढ़ाई। अवसर पर फैशन शो और रंगारंग प्रस्तुतियां भी हुईं।

इस उपलब्धि पर चेयरमैन श्री तिलोकचंद बरडिया ने कहा कि यह सम्मान ग्राहकों के पीढ़ी–दर–पीढ़ी बने अटूट भरोसे की मुहर है। हमारी स्थापना के मूल में पारदर्शिता, शुचिता और ग्राहक संतोष रहा है।

डायरेक्टर श्री नितिन बरडिया ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कार्य और गुणवत्ता की सराहना गौरव का क्षण है और हम बेहतरीन डिजाइन व सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डायरेक्टर श्री निकेश बरडिया ने कहा कि यह मान्यता पूरी टीम के परिश्रम और उच्च गुणवत्ता मानकों का परिणाम है और यह हमें सेवा व डिजाइन के मानदंडों को नए स्तर पर ले जाने के लिए प्रेरित करता है।

शिक्षा मंत्री की पहल पर विद्यार्थियों को बड़ी राहत

अब शैक्षणिक दस्तावेजों के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

विद्यार्थियों को शैक्षणिक दस्तावेजों के लिए बार–बार कार्यालयों के चक्कर लगाने से अब राहत मिलेगी। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव की पहल पर छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की महत्वपूर्ण सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समयबद्ध किया गया है। इससे विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक दस्तावेज निर्धारित प्रक्रिया और समय–सीमा में उपलब्ध हो सकेंगे।

नई व्यवस्था के तहत डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण–पत्र, डुप्लीकेट अंकसूची, उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन तथा उत्तरपुस्तिका की फोटोकॉपी जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं को समय–सीमा से जोड़ा गया है। डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण–पत्र और डुप्लीकेट अंकसूची के लिए 60 दिवस की समय–सीमा निर्धारित की गई है। इसी तरह उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन और फोटोकॉपी से संबंधित सेवाएं भी निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 60 दिवस की समय–सीमा में प्रदान की जाएंगी।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने ही शैक्षणिक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए परेशान होना पड़े, यह स्वीकार्य नहीं है। परीक्षा परिणाम के बाद विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक दिन महत्वपूर्ण होता है। उच्च शिक्षा में प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं सहित विभिन्न शैक्षणिक कार्यों के लिए समय पर दस्तावेज उपलब्ध होना आवश्यक है। इसलिए विद्यार्थियों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक विद्यार्थीकेंद्रित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थी अपना समय पढ़ाई और भविष्य निर्माण में लगाएं, न कि जरूरी दस्तावेजों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने में। लोक सेवा गारंटी के दायरे में इन सेवाओं को शामिल किए जाने से व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को विद्यार्थियों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने और निर्धारित समय–सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी विद्यार्थी को दस्तावेज प्राप्त करने अथवा परीक्षा संबंधी प्रक्रिया के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

इस व्यवस्था का विशेष लाभ उन विद्यार्थियों को मिलेगा, जिन्हें उच्च शिक्षा में प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षा अथवा अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए डुप्लीकेट अंकसूची, माइग्रेशन प्रमाण–पत्र या उत्तरपुस्तिका से संबंधित सेवाओं की आवश्यकता होती है। समय–सीमा तय होने से विद्यार्थियों और अभिभावकों को उनके आवेदनों के निराकरण को लेकर स्पष्टता मिलेगी और अनावश्यक विलंब पर भी अंकुश लगेगा।

दीपक्षा जैन बनीं अग्रसेन जयंती समारोह की Special Guest & Jury, बच्चों की प्रतिभा को मिली नई उड़ान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित भव्य अग्रसेन जयंती समारोह में Founder, Jainam Academy एवं Educationist DEEPAKSHA JAIN को Special Guest & Jury के रूप में आमंत्रित किया गया। बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित कल्पना की उड़ान – रंग भरो एवं चित्रकला प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

अग्रवाल समाज से DEEPAKSHA JAIN का जुड़ाव बचपन से रहा है। परिवार का वर्षों से समाज से जुड़ाव होने के कारण अग्रसेन जयंती जैसे भव्य आयोजन में बच्चों के बीच आमंत्रित होना उनके लिए सम्मान एवं भावनात्मक जुड़ाव का अवसर रहा।

शिक्षा के क्षेत्र में 10+ वर्षों के अनुभव के साथ DEEPAKSHA JAIN बच्चों के holistic development के लिए कार्य कर रही हैं। Engineer एवं Masters Degree Holder DEEPAKSHA JAIN, Jainam Academy की Founder हैं, जहाँ academics के साथ बच्चों को Chess, Drawing, Art & Craft, Brain Gym, Sports और विभिन्न skill-based activities के माध्यम से creativity और confidence विकसित करने के अवसर दिए जाते हैं।

हाल ही में Mrs. India Universe Asia 2026 - Winner का खिताब हासिल करने वाली DEEPAKSHA JAIN ने Women Empowerment, Social Initiatives, Motivational Speaking और Content Creation के क्षेत्र में भी पहचान बनाई है।

कार्यक्रम के दौरान DEEPAKSHA JAIN ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे सिर्फ़ किताबों से नहीं, बल्कि अपने सपनों से भी रोशन हों। उन्होंने अभिभावकों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को केवल पढ़ाई तक सीमित न रखकर Drawing, Sports, Creativity और विभिन्न Activities में अवसर देना व्यक्तित्व विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज की महिलाओं एवं अभिभावकों ने DEEPAKSHA JAIN के कार्यों की सराहना की। बच्चों को प्रतिभा दिखाने हेतु सुंदर मंच उपलब्ध कराने के लिए अग्रवाल समाज की पहल की सराहना की गई।

आयोजन के लिए कमल गुप्ता, आयुष अग्रवाल एवं साक्षी अग्रवाल जी का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1076
एकीकृत हेल्पलाइन
एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली
एक फोन कॉल पर
नागरिकों की समस्याओं का
त्वरित निराकरण
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
सुशासन से समृद्धि की ओर
ChhattisgarhCMO
DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in